



पायलियर

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

www.dailypioneer.com



संक्रांति के बाद खुशखबरी मिलेगी राष्ट्रीय-10

राम के स्वागत के लिए हर घर में जलाएं एक दीया: मोदी

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पहले पीएम मोदी ने नई अयोध्या का किया लोकार्पण

दीपक कुमार झा। अयोध्या



अयोध्या में रोड शो के दौरान शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 'राम भक्तों' से 22 जनवरी को देश भर में दिवाली उत्सव की तरह हर घर में एक दीया जलाने का आह्वान किया, जब अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला को प्रतिष्ठित किया जाएगा। देश को आगे ले जाने वाली 'विकास' और 'विरासत' की ताकत पर जोर देते हुए, पीएम ने लोगों से इस दिन को दीपावली की तरह मनाने के लिए अपने घरों में विशेष दीये- श्री राम ज्योति- जलाने की अपील की।

मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया ऐतिहासिक राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह का इंतजार कर रही है। हालांकि उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस कार्यक्रम के लिए शहर में न आए क्योंकि यह अवसर एक बड़े आयोजन के रूप में चिह्नित किया जाएगा और पवित्र शहर उनकी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि हर किसी का सपना होता है कि वह रामलला के दर्शन करें। लेकिन नई अयोध्या में हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूँ कि प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर न आएँ। भक्तों को अगले दिन से कभी भी किसी भी समय अयोध्या जाने की योजना

बनानी चाहिए क्योंकि अब राम मंदिर एक बार और हमेशा के लिए यहीं रहेगा। भगवान अपने 550 साल पुराने तम्बू आवास से एक स्थायी भव्य इमारत में चले जाएंगे। मोदी ने अयोध्या में एक विशाल भीड़ को संबोधित करते किया। यहां उन्होंने नए हवाई अड्डे, नए रेलवे स्टेशन और ट्रेनों, सड़क और नागरिक बुनियादी ढांचे सहित कई परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा, एक समय था

जब भगवान राम 'तंबू के नीचे रह रहे थे', लेकिन अब उन्हें पक्का घर मिलेगा जैसा कि चार करोड़ गरीबों को मिला है। इस बात पर जोर देते हुए कि देश और दुनिया भर से लोगों का अयोध्या आने का सिलसिला शुरू हो गया है और अनंत काल तक चलता रहेगा, प्रधानमंत्री ने शहर को संकल्प लेने की भी अपील की। 22 जनवरी को एक विशेष दिन के रूप में चिह्नित करते हुए, पीएम ने लोगों

से 14 जनवरी को मकर संक्रांति से मंदिर के प्रतिष्ठा दिवस तक देश भर के तीर्थ स्थलों और मंदिरों में स्वच्छता अभियान शुरू करने को कहा। प्रधानमंत्री की साल के अंत की यात्रा राम मंदिर के 'प्राण प्रतिष्ठा' या अभिषेक समारोह से कुछ हफ्ते पहले हो रही है। मंदिर फिलहाल निर्माणाधीन है, समारोह 22 जनवरी को होगा, जिसमें प्रधानमंत्री शामिल होंगे। दिन में प्रधानमंत्री ने महर्षि वाल्मिकी हवाई

अड्डे और पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया, जहां से उन्होंने दो अमृत भारत और छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जिनमें से कुछ को वस्तुतः हरी झंडी दिखाई गई। मोदी ने 15,700 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पित किया और आधारशिला भी रखी। इनमें शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए लगभग 11,100 करोड़ रुपये की परियोजनाएँ और उत्तर प्रदेश में अन्य कार्यों से संबंधित लगभग 4,600 करोड़ रुपये की परियोजनाएँ शामिल हैं।

दिन की शुरुआत में मंदिर शहर में पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने हवाई अड्डे से रेलवे स्टेशन तक एक रोड शो किया और रास्ते में बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए लोगों ने उनका स्वागत किया। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई अड्डे पर पीएम का स्वागत किया। मोदी ने अपनी कार से लोगों का अभिवादन किया और एक समय पर उनकी ओर हाथ हिलाने के लिए अपने वाहन का दरवाजा खोला। लोगों ने फूलों की पंखुड़ियाँ बरसाईं, भाजपा के झंडे लहराए और उनकी प्रशंसा में नारे लगाए। प्रधानमंत्री (शेष पेज 9)

गेरुआमय हुई राम की नगरी, देश में अमृतकाल की शुरुआत: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अयोध्या के राममंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा एवं देश के अमृतकाल की शुरुआत मजह एक संयोग नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि देश अगले 25 साल में वैश्विक मंच पर प्रमुखता से उभरेगा। अमृतकाल भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष से 100 वर्ष तक की 25 वर्ष की अवधि को संदर्भित करता है। शाह ने कहा कि संतों के आशीर्वाद और प्रेरणा से 22 जनवरी को रामलला अपने घर में एक बार फिर से विद्यमंगे।



नए भारत की नई अयोध्या: योगी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या दौरे की सराहना करते हुए कहा कि जिस भव्यता के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत अयोध्यावासियों ने किया है, यह नए भारत की नई अयोध्या का दर्शन कराता है। योगी ने एक चौपाई सुनाते हुए कहा कि अवधपुरी प्रभु आवत जानी, भई सकल शोभा के खानी... 22 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी जी के कर कमलों से प्रभु अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 500 वर्षों का इंतजार समाप्त होने जा रहा है।

जय श्री राम के साथ पहली उड़ान

अयोध्या के नवनिर्मित महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए दिल्ली से पहली उड़ान के दौरान इंडिगो के पायलट कैप्टन आशुतोष शेखर यात्रियों का स्वागत जय श्रीराम संबोधन के साथ किया। पायलट ने कहा, मेरे लिए बड़ा सौभाग्य का विषय है कि इस महत्वपूर्ण लाइट को कमांड मुझे दी गई। उन्होंने कहा कि यह हमारे संस्थान और सभी विमान कर्मी दल के लिए ये बड़े ही हर्ष का विषय है। हम उम्मीद करते हैं कि आपकी यात्रा हमारे से साथ सुखद और मंगलमय होगी... जय श्रीराम। इस पर यात्रियों ने जय श्रीराम कहा।



अयोध्या में बिखरे भारत के लोक रंग

अयोध्या की सड़कों पर भारत के लोक रंग बिखरे नजर आए। मोदी का काफिले का स्वागत कलाकारों के विभिन्न समूहों ने किया। राजस्थान की महिलाओं ने मधुर धुनों पर चकरी नृत्य प्रस्तुत, प्रयागराज की मंडली ने प्राचीन लोक नृत्य शैली डेडिया का प्रदर्शन किया। गाजियाबाद के कलाकारों ने कमर पर चुंभुर बांधकर धोबिया नृत्य और अयोध्या-लखनऊ की महिला कलाकारों ने बधावा प्रस्तुत किया, जबकि उत्तराखंड के नर्तकों ने छोलिया नृत्य किया। सुल्तानपुर की एक मंडली ने अयोध्या की सुंदरता पर एक लोक गीत प्रस्तुत किया।



विकसित भारत कैलेंडर में विकास यात्रा की कहानी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

पारदर्शिता को बढ़ावा देने और अपने नागरिकों के प्रति खुद को जवाबदेह बनाए रखने के प्रयास के तहत केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने 'हमारा संकल्प विकसित भारत' की थीम के साथ 2024 के लिए आधिकारिक वार्षिक कैलेंडर का अनावरण किया है, जिसमें देश भर के तीर्थस्थलों के विकास को शामिल किया गया है। इसमें अयोध्या भी शामिल है, जहां 22 जनवरी को भगवान राम की मूर्ति को प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। ठाकुर ने कहा कि कैलेंडर पिछले लगभग 10 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियों को थीम के आधार पर प्रदर्शित करता है, जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना है। ठाकुर ने बुनियादी ढांचे के विकास, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अर्थव्यवस्था, खेल, शिक्षा, प्रौद्योगिकी विकास और अन्य क्षेत्रों में सरकार की विकास पहलों के बारे में विस्तार से बात की। मंत्री ने कहा 2023 खत्म हो रहा



केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने 'हमारा संकल्प विकसित भारत' की थीम के साथ 2024 के लिए आधिकारिक वार्षिक कैलेंडर का अनावरण किया

है और 2024 हमारे लिए नई संभावनाएं लेकर आ रहा है। दुनिया भरत और भारत के नेतृत्व में आशा की किरण देखती है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पिछले लगभग 10 वर्षों में प्रदान किए

गए नेतृत्व और उनकी उपलब्धियों के कारण है। ठाकुर ने कहा कि कैलेंडर आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की जबरदस्त प्रगति, विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, कृषि जैसे क्षेत्रों में पहल और युवाओं, गरीबों, महिलाओं और किसानों के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए लाभों को दर्शाता है। उन्होंने कहा, तारीखें और महीने बदल गए, साल बदल गए जो बीत गया, लेकिन एक चीज जो नहीं बदली है, वह है काम के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, ध्रष्टाचार मुक्त सरकार, विकसित भारत (विकसित भारत) का संकल्प और यही कारण है कि देश आज कोरस में कहता है 'भरोसा बरकरार, मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि सरकार का पारदर्शिता और जनबदेही ने भारत को 'फ्रेंजाइल फाइव' अर्थव्यवस्थाओं में से एक से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। मंत्री ने रेखांकित किया कि नरेंद्र मोदी सरकार के तहत हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 150 हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दस वर्षों के दौरान देश में (शेष पेज 9)

केरल में त्रिशूर पूरम के आयोजन का रास्ता साफ

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

अप्रैल 2024 के महीने में होने वाले त्रिशूर पूरम उत्सव को बाधित करने के कदम पर राज्य में हिंदुओं के बड़े पैमाने पर सार्वजनिक विरोध से आश्चर्यचकित होकर मुख्यमंत्री पिनारायि विजयन ने आयोजन स्थल के किराये को 40 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.2 करोड़ रुपये बढ़ाने के सरकार के फैसले को वापस ले लिया। पूरम को लोहरो के त्योहार के रूप में वर्णित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिशूर पूरम एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम है और इसमें बाधा नहीं डाला जाना चाहिए। आयोजन स्थल का किराया बढ़ाने के संबंध में जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। उन्होंने तिरुवमपाडी और परमेक्कावु देवस्वम के पदाधिकारियों को बताया, मंदिर प्रशासकों को पूरम (शेष पेज 9)

सात महीने में सबसे ज्यादा कोविड के मामले

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

पिछले 24 घंटों में सात मौतों के साथ कोविड-19 से होने वाली मौतों में वृद्धि हुई है। हालांकि कल के 797 नए संक्रमणों की तुलना में ताना संक्रमण 743 थोड़ा कम है लेकिन 19 मई के बाद से यह सबसे अधिक है, जब इसकी गिनती 865 थी। शुरुवार को पांच मौतें हुईं। अधिकांश मौतें सह-रुग्णता वाले मामलों में हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, केरल में तीन, कर्नाटक में दो और तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ में एक-एक मौत हुई। जेएन.1 सब-वेरिएंट के मामले भी बढ़ रहे हैं। शुरुवार तक नौ राज्यों से 178 मामले सामने आए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले गोवा में 47 और उसके बाद केरल में 41 मामले दर्ज किए गए हैं। अन्य राज्य जहां

जेएन.1 मामले पाए गए हैं वे हैं- गुजरात में 36, कर्नाटक में 34, महाराष्ट्र में नौ, राजस्थान और तमिलनाडु में चार-चार, तेलंगाना में दो और दिल्ली में एक। नए साल के जश्न और सर्दियों के मौसम के कारण कोविड बढ़ने की आशंका है। राज्य सरकारें इस संबंध में सावधानी बरत रही हैं। कर्नाटक सरकार ने कोविड पॉजिटिव मरीजों के लिए होम आइसोलेशन अनिवार्य कर दिया है। वर्तमान में, राज्य में जेएन.1 वैरिएंट के 34 मामले हैं। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने भी देश में कोविड-19 के फिर से बढ़ने के बीच राज्य के लोगों और संस्थानों को अगले 10 से 15 दिनों तक सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को कोरोना वायरस के प्रसार से बचने के लिए नियमों का (शेष पेज 9)

उत्तर भारत को घने कोहरे से अभी राहत नहीं

राजेश कुमार। नई दिल्ली

उपग्रह चित्रों से पता चला कि पाकिस्तान से लेकर झारखंड और जम्मू कश्मीर से लेकर मध्य प्रदेश तक मौसम का सबसे घना कोहरा था। शनिवार को सुबह कोहरे ने सूरज को दूर रखा। यह इस सर्दी में दिन का सबसे ठंडा दिन था। दिल्ली में कंपकंपी जारी रहेगी क्योंकि नए साल की पूर्व

संध्या पर पारा और गिरेगा क्योंकि शनिवार को अधिकतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, हालांकि रात का तापमान या न्यूनतम तापमान साल के इस समय के लिए सामान्य से पांच डिग्री अधिक 11.8 है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, रविवार को भी शहर में मध्यम से घने कोहरे की परत छाप रहेगी की संभावना है। इसमें कहा गया है कि आसमान में

आंशिक रूप से बादल छाप रहेगे और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 19 और 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। घने कोहरे और हवा की धीमी गति के कारण राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खराब हो गया, जो बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया। दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम 4 बजे 400 पर था, जबकि शुरुवार को यह बहुत खराब 358 पर था। आनंद विहार में एक्यूआई 516, शाहदरा में 475, सोनिया विहार में 461, पूसा में 418, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 398, अमेरिकी दूतावास में 388 और सत्यवती कॉलेज में 362 रहा। रेड अलर्ट जारी करते हुए कहा कि उत्तर पश्चिम और उससे सटे मध्य भारत के मैदानी इलाकों के कई हिस्सों में 'बहुत घना' (शेष पेज 9)

Advertisement for Patanjali and Divya products. Text includes: 'सर्दियों में अस्थिमा तथा आर्थराइटिस दोनों ही तेजी से बढ़ते हैं। इनका सम्पूर्ण समाधान है पतंजलि एवं दिव्य की रिसर्च व एविडेंस बेस्ड मेडिसिन'. Products shown include Swasari Gold, Bronchom, Swasari Pravahee, Peedanil Gold, Orthogrit, and Peedanil Taila. Contact: 011-26101234.

ग्रेनो प्राधिकरण ने 8 जगहों पर बनाए रैन बसेरा

गरीब-बेसहारा लोगों के लिए 25-25 बिस्तर लगाए, मास्क और सैनिटाइजर की भी व्यवस्था

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कड़क की सर्दी को देखते हुए गरीब-बेसहारा लोगों को रात गुजारने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से आठ जगहों पर रैन बसेरा बनाए गए हैं।

ये रैन बसेरा ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित गांव रोजा याकूबपुर, तिलपता पंचायत घर, सादोपुर शिव मंदिर, सेक्टर इकोटेक श्री नाइट शेल्टर/लेबर हॉस्टल, सेक्टर पी श्री/पी फोर का कम्युनिटी सेंटर, परी चौक, सेक्टर डेल्टा टू का कम्युनिटी सेंटर और राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पास बनाए गए हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने ग्रेटर नोएडा व ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अलग-अलग जगहों पर रैन बसेरा बनाने के निर्देश दिए थे, जिसके चलते परियोजना विभाग ने रोजा



याकूबपुर, तिलपता पंचायत घर, सादोपुर शिव मंदिर, सेक्टर इकोटेक श्री नाइट शेल्टर/लेबर हॉस्टल, सेक्टर



पी श्री/पी फोर का कम्युनिटी सेंटर, परी चौक, सेक्टर डेल्टा टू का कम्युनिटी सेंटर और राजकीय



आयुर्विज्ञान संस्थान के पास रैन बसेरा बना दिए हैं। इन रैन बसेरा में 25-25 बिस्तर लगाए गए हैं। सैनिटाइजर

व मास्क की भी व्यवस्था की गई है। इनमें रात गुजारने वालों से किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा। प्राधिकरण के ओएसडी हिमांशु वर्मा ने अपील की है कि ग्रेटर नोएडा में कोई भी गरीब या असहाय व्यक्ति मिले तो उसे नजदीक के रैन बसेरा में जरूर पहुंचा दें।

इसके अलावा प्राधिकरण के संबंधित अधिकारियों के इन मोबाइल नंबर 9205691314, 7985704514, 7355969201, 8700401022 और 9205691084 पर भी सूचना दे सकते हैं। प्राधिकरण की टीम जरूरतमंद को रैन बसेरा तक पहुंचाने में मदद करेगी। ओएसडी हिमांशु वर्मा ने इन रैन बसेरा की व्यवस्था का जयजा भी ले लिया है।

एक्टिव सिटीजन टीम ने रैन बसेरा बनवाने के लिए प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार का आभार जताया है।

नोएडा से अमेरिकी प्रवासी भारतीय नागरिकों को ठगने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सात धरे



पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के थाना फेज-1 पुलिस ने नोएडा के सेक्टर-3 में संचालित अवैध कॉल सेंटर का खुलासा करके दो महिलाओं समेत सात को गिरफ्तार किया है।

यह लोग टीवी चैनलों और ओटीटी प्लेटफॉर्म के सस्ते रिचार्ज कूपन उपलब्ध कराने के नाम पर अमेरिका निवासी प्रवासी भारतीयों से ठगी करते थे। ये लोग करीब 1 साल से कॉल सेंटर संचालित कर वारदात को अंजाम दे रहे थे। एसीपी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस को नोएडा के सेक्टर.3 में अवैध कॉल सेंटर का संचालन करने की सूचना मिली थी। यहां के किरफायती दरों पर रिचार्ज कूपन के माध्यम से टीवी चैनल और ओटीटी प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने का झांसा दिया जा रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस ने संबंधित कॉल सेंटर पर छापा मारकर सातों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह एक विशेष एप के माध्यम से विदेश में रहने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटाते थे। नाम और मोबाइल नंबर के आधार पर अप्रवासी भारतीयों को कॉल करके किरफायती दरों पर बड़ी तादाद में टीवी चैनल उपलब्ध कराने का झांसा देते थे। झांसे में आने पर पीड़ित और अपने द्वारा बताए गए खाते से रकम ट्रांसफर कर लेते थे। एसीपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में आशीष

आरोपी टीवी चैनलों और ओटीटी प्लेटफॉर्म के सस्ते रिचार्ज कूपन उपलब्ध कराने के नाम पर एनआरआई को लगते थे चूना

शर्मा पुत्र देवेंद्र शर्मा निवासी गली नंबर-7 चिल्ला पोस्ट ऑफिस के पास थाना मयूर विहार एक्सटेंशन दिल्ली, प्रखर मिश्रा पुत्र संतोष मिश्रा निवासी गली नंबर-7 शिव मंदिर के पास चिल्ला गांव थाना मयूर विहार नई दिल्ली, बरोपम सचिन सिंह पुत्र वाले बरोपम सदर सिंह निवासी गुरु कृपा विद्यालय के निकट जे ब्लॉक सेक्टर-22 नोएडा, गौरव पुत्र दिनेश सिंह निवासी शिव मंदिर चिल्ला गांव थाना मयूर विहार नई दिल्ली, विनेश पाल पुत्र लहरी पाल निवासी हनुमान मंदिर मालदा मार्केट न्यू अशोकनगर दिल्ली, स्वाति पुत्री राजीव निवासी संजयनगर थाना कविनगर गाजियाबाद तथा सर्मामला पुत्री इबोचा निवासी गुरुकृपा विद्यालय निकट जे ब्लॉक सेक्टर 22 नोएडा है। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से 9 डेस्कटॉप, 7 की बोर्ड, 9 माउस, 9 सीपीयू एक हैंडफोन, एक लैपटॉप, एक वाईफाई राउटर आदि बरामद किए हैं।

लुटेरा निकला ऑटो चालक, लूटपाट का विरोध करने पर सवारी को चाकू घोषा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति चौराहे के पास ऑटो चालक ने अपने साथी के साथ मिलकर सवारी के साथ लूटपाट का प्रयास किया। विरोध करने पर ऑटो सवार बदमाशों ने सवारी को चाकू मार कर घायल कर दिया। सवारी को लहलुहान करने के बाद ऑटो चालक अपने साथी सहित मौके से फरार हो गया।

पीड़ित ने ग्रेटर नोएडा थाना बिसरख में अज्ञात ऑटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मूल रूप से बलिया निवासी गिरीश कुमार पांडेय ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि शुक्रवार की रात उसने अपने दोस्त अनूप कुमार उपाध्याय के साथ सेक्टर 18 नोएडा से पाम ऑर्लीपियाड सोसाइटी आने के लिए एक ऑटो बुक किया था। इस ऑटो में चालक के साथ इसका एक अन्य साथी

भी था। गिरीश कुमार पांडे ने बताया कि उसने अपने मित्र अनूप को रेडीकान वेदांतम सोसायटी के पास छोड़ दिया। जिसके बाद ऑटो चालक ऑटो को लेकर चार मूर्ति की तरफ चल दिया। डीमार्ट के पास सुनसान जगह पर ऑटो चालक व उसके साथी ने मोबाइल फोन लूटने का प्रयास किया है। उसने जब इसका विरोध किया तो दोनों ने उसके साथ मारपीट की और चाकू से उसे पर कई बार कर दिए। इसके बाद दोनों बदमाश उसे ऑटो से फेंक कर मौके से फरार हो गए। किसी तरह उसने पुलिस को सूचना दी और उपचार के लिए यथार्थ अस्पताल पहुंचा। थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात ऑटो चालक के खिलाफमामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑटो नंबर के आधार पर ऑटो चालक व उसके साथी की तलाश की जा रही है।

संजयनगर में जनवरी में मिलेगा नए यू-टर्न का तोहफा, खत्म होगा जाम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

संजयनगर स्क्रिंपलर पार्क के सामने सड़क पर यू टर्न का ट्रायल शुरू हो गया है, ताकी मुख्य सड़क पर यातायात बाधित नहीं हो सके। जनवरी में इसे तैयार कर दिया जाएगा। हापुड़ चुंगी से लेकर राजनगर एक्सटेंशन चौराहे तक जाने वाली मुख्य रोड के बीच कई जगह वाहनों की ट्रायल को लेकर समस्या है। जीडीए, नगर निगम, और ट्रेफिक की यातायात पुलिस की एक बैठक गत दिनों डीएम आरके सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। तय किया गया था कि जहां भी जरूरत हो सड़क

● विपरीत दिशा आने वाले वाहनों से मिलेगी निजात

पर नए यू टर्न बनाने का कार्य किया जा सके। प्रशासन ने जीडीए को इस यू टर्न बनाने को कहा गया। जीडीए संजयनगर के स्क्रिंपलर पार्क के सामने रोड पर यू टर्न बनाया जाएगा। इसके यू टर्न बन जाने से संजयनगर आरओबी से आने वाले वाहन मुख्य सड़क से राइट टर्न ले सकते हैं। अभी तक इन वाहनों को संजयनगर आरओबी से उतरते ही लेफ्ट टर्न लेना पड़ता था, जिससे वाहनों के एक्सीडेंट होने की संभावना बनी थी।

संक्षिप्त समाचार



अटल चौक पर चल रहे धरने में शामिल हुए इलाके के बुजुर्ग।

कड़क की ठंड में धरने पर बैठे हैं बुजुर्ग

गाजियाबाद। विभिन्न विकास कार्यों की मांग को लेकर वसुंधरा कॉलोनी के अटल चौक पर चल रहे धरने में बुजुर्ग शामिल हो गए। गाजियाबाद की वसुंधरा, वैशाली और इंद्रापुरम के लोगों की लंबे समय से क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों को करवाने की मांग लंबित चली आ रही है, अब कड़क की ठंड में बुजुर्गों का एक दल धरने पर बैठ गया है। इस धरने में बैठे लोगों की 11 सूचीय मांग हैं, जिसमें वसुंधरा के सेक्टर-7 में खेल का मैदान, नोएडा के सेक्टर-62 से रैपिड एक्स तक मेट्रो, वसुंधरा के अटल चौक पर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की भव्य प्रतिमा की स्थापना, कॉलोनी में वाहनों की आवाजाही सुचारु बनाने के लिए व्यावसायिक स्थलों के पास वाहन पार्किंग, वैशाली से मोहन नगर तक मेट्रो का विस्तार, क्षेत्र में आबादी के हिसाब से पार्कों का निर्माण, क्षेत्र में महिलाओं के लिए विद्यालय की स्थापना, वसुंधरा में अग्निशमन केंद्र की स्थापना, प्रेस क्लब की स्थापना, क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण, क्षेत्र में एक आधुनिक सार्वजनिक पुस्तकालय का निर्माण आदि हैं।

अधेड़ की सदियध परिस्थितियों में मौत

गाजियाबाद। घंटाघर कोतवाली क्षेत्र में स्थित एमएमजी अस्पताल में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की सदियध परिस्थितियों में मौत हो गई। उक्त अपराधिक घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची घंटाघर पुलिस ने अधेड़ के शव को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर उस घटना की सूचना मृतक सरनाम शर्मा के परिजनों को दे दी।

टीबी मुक्त अभियान को लेकर संगोष्ठी आयोजित

गाजियाबाद। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान को लेकर जिला मुख्यालय सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डीएम आरके सिंह ने कहा कि देश को अगर पूरी तरह से टीबी मुक्त बनाना है तो हर स्तर पर नागरिकों को इसमें सहयोग देना होगा। सीएमओ डॉ भवतोष शंखधर ने विभिन्न धर्मगुरुओं से अपील कि है वह अन्य समाज के लोगों को अभियान के प्रति जागरूक करें। अगर टीबी से मिलते जुलते लक्षण दिखाई दें तो आगे आकर जांच कराए ताकि रोग पर काबू पाया जा सके। संगोष्ठी में सीएमओ डॉ भवतोष शंखधर, जिला क्षय रोग अधिकारी आदि मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष को ब्रेन हेमरेज

नोएडा। नोएडा में आम आदमी पार्टी के गौतमबुद्धनगर जनपद के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह जादौन को ब्रेन हेमरेज हो गया। उनकी नोएडा के सेक्टर.50 स्थित न्यू हॉस्पिटल में ब्रेन की सर्जरी हुई है। अभी उनकी हालत में सुधार हो रहा है। यह जानकारी आम आदमी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी संजीव श्रीवास्तव ने दी है। उन्होंने बताया कि 28 दिसंबर को शाम को भूपेंद्र सिंह जादौन नोएडा के सेक्टर.18 स्थित पार्टी कार्यालय पर बैठे हुए थे, अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई और ब्रेन हेमरेज हो गया, जिसके बाद वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़े। आनन.फ।ानन में उन्हें न्यू अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने उनके ब्रेन का ऑपरेशन किया। ऑपरेशन सफल रहा तथा वह फिलहाल आईसीयू में हैं। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। 72 घंटे तक उनकी सघन चिकित्सकीय निरीक्षण में रखा जाएगा। आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव राकेश अवाना तथा प्रशांत रावत आदि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि अचानक ब्रेन हेमरेज होने से सभी कार्यकर्ता काफी चिंतित हो गए। सभी भगवान से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना कर रहे हैं।

गाजियाबाद में कलयुगी बेटे ने मां को उतारा मौत के घाट

● नशे के आदि था युवक, लगातार मांग रहा था पैसे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र में निठोरा रोड स्थित अमन गार्डन कॉलोनी में एक युवक ने अपनी मां की धारदार हथियार से हत्या कर दी। युवक नशे का आदी है। मां से पैसे मांगता था। आशंका जताई जा रही है कि पैसे ना देने पर बेटे ने अपनी मां की हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि 24 साल का शाहरुख अपनी मां दिलशाद बेगम के साथ रहता था। शाहरुख नशे का आदी था। अक्सर नशे में घर में विवाद करता था। नशे के लिए वह अपनी मां से पैसे भी मांगता था।



घटना की जानकारी लेते आसपास के लोग।

बताया कि झगड़े से अजीज आकर दिलशाद बेगम अपनी बेटी के यहां तीन से चार दिन पहले चली गई थी। पड़ोसियों को भी जानकारी नहीं है कि वह किस समय वापस आई। शनिवार सुबह पड़ोसियों को जानकारी मिली की दिलशाद बेगम की हत्या हो गई है। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि घर में रखे धारदार हथियार से शाहरुख ने अपनी मां दिलशाद बेगम की गर्दन पर वार कर दिया। दिलशाद बेगम की मौके पर मौत हो गई। शव को कब्जे में ले लिया गया है।

गाजियाबाद में मंदिर से दान पेटी चोरी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना नंदग्राम इलाके के घुक्ना के प्राचीन शिव मंदिर से दान पेटी चोरी हो गई। दान पेटी चोरी होने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चार नाबालिक चोरों को गिरफ्तार कर लिया है, उनसे दान पेटी बरामद की है। लेकिन दान पेटी में मौजूद पैसे और आभूषण नहीं मिले हैं। वहीं नाबालिक चोरों के 2 हैंडलर फरार हैं। गाजियाबाद में एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया की गाजियाबाद पुलिस को शुक्रवार शाम सूचना मिली थी की थाना नंदग्राम के घुक्ना में स्थित प्राचीन शिव मंदिर से दान पेटी चोरी हो गई है। इस मामले में एक सीसीटीवी भी सामने आया था।

चोरी की स्कूटी व तमंचा समेत बदमाश गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के थाना सेक्टर-24 पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश के पास से तमंचा कारतूस व चोरी की स्कूटी बरामद हुई है। थाना प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिसकर्मी सेक्टर-11 के वीडियोकार्ड चौराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान दिल्ली बॉर्डर की तरफसे स्कूटी पर आ रहे एक युवक को पुलिसकर्मीयों ने जांच के लिए रूकने का इशारा किया। पुलिस कर्मियों को देखकर स्कूटी सवार भाग निकला। पुलिसकर्मीयों ने पीछा कर

स्कूटी सवार को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम आकाश पुत्र नंदराम निवासी जनपद कन्नौज बताया। पकड़ा गया आरोपी हाल में ओल्ड कॉडली दिल्ली में रह रहा है। आरोपी के पास से मिली स्कूटी के बारे में जब हड़ताल की गई तो पता चला कि वह भी चोरी की है। आकाश ने बताया कि उसने यह स्कूटी दिल्ली के एफा पार्क से चोरी की थी। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज न्यायालय में पेश किया गया है। ज्ञात हो पुलिस अपराधों को रोकने के लिए सघन अभियान चला रही है।

आप नेता को विद्युत विभाग के कर्मियों ने पीटा

● सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल, मामला दर्ज कर जांच शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में विद्युत कनेक्शन जुड़वाने के लिए बिजली घर पहुंचे हुए आम नेता व उसके भतीजे के साथ विद्युत कर्मियों ने मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि कनेक्शन जोड़ने की एवज में पैसे ना देने पर प्राइवेट लाइनेमैन ने उसके साथ गाली गलौज और मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित ने इस संबंध में चार लोगों के खिलाफ थाना जारचा में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा के ग्राम रसूलपुर डसना निवासी रिंकू राणा ने पुलिस से की शिकायत बताया कि बीते दिनों विद्युत विभाग के कर्मियों ने बिजली बिल बकाया होने के कारण उनका कनेक्शन काट दिया था। विद्युतकर्मों अपने साथ उनके घर की केबल को भी काट कर ले गए थे। शुक्रवार को वह अपने भतीजे रचित राणा के साथ

खेलते समय दसवीं का छात्र बालकनी से नीचे गिरा, मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-62 में स्थित एक सोसाइटी में रहने वाला दसवीं कक्षा का छात्र अपने घर पर खेलते समय बालकनी से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि एस चेतन कुमार का पुत्र दिवेश पटनायक (15) सेक्टर-62 स्थित डिजाइनर पार्क सोसाइटी की आठवीं मंजिल पर रहता था। शुक्रवार दोपहर को वह अपने फ्लैट की बालकनी में खेल रहा था। खेलते-खेलते वह

आठवीं मंजिल से नीचे गिर गया। उन्होंने बताया कि परिजनों ने उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के सेक्टर-62 में स्थित फोटिस अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के पिता एक बड़ी कंपनी में जीएम के पद पर कार्यरत हैं और उनकी मां वैज्ञानिक है। वह अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था।

नोएडा वाले नौ माह में गटक गए 1308 करोड़ की शराब

● इस साल शराब की बिक्री में करीब 16.30 प्रतिशत की वृद्धि हुई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहर गौतमबुद्ध नगर के लोगों ने नौ माह के अंदर जमकर जाम खलकाया। आबकारी विभाग के अधिकारियों के अनुसार, एक अप्रैल से 29 दिसंबर तक यहां के लोग 1,308.59 करोड़ रुपए की शराब गटक गए जबकि पिछले साल इतने दिनों में यह आंकड़ा 1,125.12 करोड़ रुपए का था। इस साल शराब की बिक्री में करीब 16.30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आबकारी विभाग के अधिकारियों का अनुमान है कि नव वर्ष के मौके



पर भी यहां पर शराब की बिक्री जबरदस्त होगी। अधिकारियों के अनुसार, नव वर्ष के अवसर पर करीब 12 करोड़ रुपए की शराब की बिक्री होने की संभावना है। पिछली बार नव वर्ष के स्वागत में यहां के लोगों ने नौ करोड़ रुपए से ज्यादा की शराब पी थी। जिला आबकारी अधिकारी

कर करोड़ों रुपए की तस्करी की हजारों लीटर शराब बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 33 से ज्यादा लोगों के खिलाफ विभिन्न थानों में मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। वहीं नोएडा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से गांजा व शराब बरामद हुई है। नोएडा के थाना सेक्टर 24 प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस टीम गस्त कर रही थी। नोएडा के सेक्टर 11 में एक व्यक्ति सदियध अवस्था में घूमता हुआ दिखाई दिया। संदेह के आधार पर ली गई तलाशी में उसके पास से गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम समीर खान पुत्र

प्राधिकरण कार्यालय का घेराव करने की किसान सभा ने बनाई रणनीति

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में शनिवार को किसान सभा की बैठक में एक बड़ा ऐलान किया गया। नोएडा के जैतपुर गांव में आयोजित अखिल भारतीय किसान सभा की बैठक में घोषणा की गई कि किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन के तहत 10 जनवरी को जेवर टोल फ्री किया जाएगा तथा इसके बाद 22 जनवरी को प्राधिकरण कार्यालय पर आंदोलन किया जाएगा। नोएडा के गांव जैतपुर ऑफिस में आयोजित हुई मीटिंग की अध्यक्षता बाबा नेताराम ने की। किसान सभा के महासचिव जगबीर नरंदर ने 26 दिसंबर 2023 को प्राधिकरण बोर्ड से पास हुए प्रस्तावों के संबंध में उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया कि किसान सभा और प्राधिकरण के बीच 12 सितंबर को समझौता हुआ था जिसको लिखित में अंतिम रूप 16 सितंबर को दिया गया था। समझौते के अनुसार 10 प्रतिशत आबादी प्लानट, नई खरीद से प्रभावित किसानों को 20 प्रतिशत विकसित प्लान्ट एवं रोजगार, भूमिहीनों को वैंडिंग जोन में आरक्षण के लाभ दिए जाने का प्रस्ताव पास किया गया है। शासन स्तर पर अनुमोदन के लिए भेजा गया है।

● 10 जनवरी को जेवर टोल प्लाजा को टोल फ्री किया जाएगा

सुरक्षा के बीच मनेगा नए साल का जश्न

पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा व्यवस्था, 10 हजार पुलिस कर्मियों की रहेगी गुंडागर्दी, यातायात उल्लंघन पर नजर

● पड़ोसी राज्यों से लगी सीमाओं पर अर्धसैनिक बलों समेत अतिरिक्त पिकेट और बैरिकेड लगेगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में नए साल के जश्न के लिए सुरक्षा व्यवस्था तेज करने के साथ ही पड़ोसी राज्यों से लगी इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के साथ अर्धसैनिकों समेत पिकेट व जवानों की तैनाती बढ़ा दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि गुंडागर्दी और यातायात उल्लंघनों पर लगाम लगाने के लिए 10,000 से अधिक पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे।

पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर) जॉय टिकॉ ने कहा कि हम चाहते हैं कि हर कोई नए साल का स्वागत बड़े उत्साह के साथ करे लेकिन किसी को भी कानून का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पड़ोसी राज्यों के लोगों के उपद्रव से निपटने के लिए सीमाओं पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती सहित अतिरिक्त पिकेट, बैरिकेड और कर्मी लगाए जाएंगे। दिल्ली की सीमा हरियाणा और उत्तर प्रदेश से लगती है और यह राजस्थान के करीब है। इन तीनों राज्यों से बढ़ी संख्या में लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंचते हैं। अधिकारी ने कहा, यातायात पुलिस ने मोटरसाइकिल स्टंट और शराब पीकर गाड़ी चलाने से निपटने के लिए पहले ही एक योजना तैयार कर ली है। यातायात पुलिस की मदद के लिए विभिन्न पुलिस स्टेशनों से अतिरिक्त बल तैनात किए जाएंगे।

पुलिस दो शिफ्ट में काम करेगी और नए साल की पूर्व संख्या पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए टीम को सड़क पर रहने का आदेश दिया है। हमने तैनाती के लिए दो शिफ्ट तैयार किए हैं। पहली शिफ्ट 5 बजे से शुरू होगी और आधी रात तक चलेगी। दूसरी शिफ्ट एक आधी रात से सुबह 6 बजे तक होगा। टिकॉ ने कहा कि वह और उनका स्टाफ किसी भी



नववर्ष से पहले कर्तव्य पथ सैलानियों से गुलजार होने लगा है।

मोटरसाइकिल स्टंट या ट्रिपल कैरी की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने कहा, अगर कोई ऐसी गतिविधियों में लिस पाया गया तो हमारी टीम तुरंत मोटरसाइकिलों को जब्त कर लेंगी और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि यातायात और दिल्ली पुलिस की अन्य इकाइयों के 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी रविवार को निगरानी रखेंगे। वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली यातायात पुलिस लगभग 2,500 कर्मियों को तैनात करेगी और 250 टीमों शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर नजर रखेंगी।

विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) एसएस यादव ने कहा है कि नए साल की पूर्व संख्या पर रात 8 बजे के बाद कर्नाट प्लेस की ओर जाने वाले यातायात को नियंत्रित किया जाएगा। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल पहले ही तैनात किए जा चुके हैं। बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को उन क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा जहां अधिक भीड़ होने की उम्मीद है। यादव ने कहा, लगभग 450 मोटरसाइकिलें भी विभिन्न स्थानों पर तैनात की जाएंगी। एक अधिकारी ने कहा कि आमतौर पर

राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से रात 9 बजे के बाद नहीं निकल सकेंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने शनिवार को कहा कि नववर्ष की पूर्व संख्या पर अत्यधिक भीड़भाड़ से बचने के लिए रात 9 बजे के बाद यात्रियों को राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि यात्रियों को स्टेशन पर प्रवेश की अनुमति होगी।

डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने एक बयान में कहा कि पुलिस अधिकारियों से मिले परामर्श के आधार पर नववर्ष की पूर्व संख्या पर अत्यधिक भीड़ से बचने के लिए रात 9 बजे के बाद राजीव चौक स्टेशन से निकास की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर को स्टेशन से अंतिम ट्रेन खाना होने तक यात्रियों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर सेवानिवृत्त कर्मियों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यात्रियों से अनुरोध है कि वे इसी के अनुसार अपनी यात्रा योजना बनाएं। दयाल ने कहा, बाकी मेट्रो स्टेशनों पर सेवानिवृत्त कर्मियों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा था कि रविवार रात 8 बजे के बाद कर्नाट प्लेस की ओर जाने वाले यातायात को नियंत्रित किया जाएगा। पुलिस ने कहा था कि वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए लगभग 2,500 यातायात पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे और रात 9 बजे के बाद गाड़ी चलाने पर रोक लगाए जाने की जाएगी।

● यात्रियों को स्टेशन पर प्रवेश की अनुमति होगी

विपश्यना सत्र के बाद केजरीवाल दिल्ली लौटे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि वह पंजाब के होशियारपुर जिले से अपना दस दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र पूरा करने के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौट आए हैं और फिर से लोगों की सेवा करना शुरू करेंगे।

केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में तीन जनवरी को पकड़े के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होना है। दिल्ली के मुख्यमंत्री 20 दिसंबर को होशियारपुर से करीब 11 किलोमीटर दूर आनंदगढ़ स्थित धम्म धज विपश्यना केंद्र (डीडीवीसी) पहुंचे थे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दस दिनों की विपश्यना साधना के बाद आज वापस लौटा। इस साधना से असीम शांति मिलती है। नई ऊर्जा के साथ आज से फिर जनता की सेवा में लगेगा। सबका मंगल हो। ध्यान केंद्र से प्रस्थान करने से पहले केजरीवाल को डीडीवीसी के न्यासी गौतम लाल ने सम्मानित



● बोले: नई ऊर्जा के साथ आज से फिर जनता की सेवा में लगेगे

किया। यह पहली बार था जब केजरीवाल ने पंजाब में विपश्यना का अभ्यास किया।

इससे पहले उन्होंने जयपुर, नागपुर, धर्मकोट और बंगलुरु में यह अभ्यास किया था। विपश्यना आत्म-अवलोकन के माध्यम से आत्म-परिवर्तन के लिए ध्यान की एक प्राचीन भारतीय पद्धति है, जिसमें मन और शरीर के बीच गहन अंतर्संबंध पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

विमान यात्री की सैंडविच में मिला रेंगता हुआ कीड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी से मुंबई की उड़ान में इंडिगो के एक यात्री को परोसे गए सैंडविच में कीड़ा मिलने और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया गया, जिसके बाद एयरलाइन ने माफी मांगी और कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

यह घटना शुक्रवार को दिल्ली से मुंबई जाने वाली फ्लाइट 6ई-6107 में हुई। आहार विशेषज्ञ और इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता खुशबू गुप्ता ने इंडिगो के साथ उड़ान के दौरान अपने अनुभव का एक वीडियो साझा करते

हुए अपने पोस्ट में बताया कि फ्लाइट में सफर के दौरान उन्होंने जो सैंडविच ऑर्डर किया था, उसमें उन्हें एक जिंदा कीड़ा रेंगता हुआ मिला। गुप्ता ने वीडियो के साथ एक कैप्शन भी साझा किया।

जिसमें कहा गया कि मैं जल्द ही ईमेल के माध्यम से एक आधिकारिक शिकायत दर्ज करूंगा। गुप्ता ने एयरलाइन द्वारा परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठाया और कहा कि केबिन क्रू को कीड़ा मिलने की जानकारी देने के बावजूद उन्होंने शरीर के बीच गहन अंतर्संबंध पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

सुनहरी बाग मस्जिद बवाने को इमाम हाईकोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली। सुनहरी बाग मस्जिद के इमाम ने क्षेत्र में कथित यातायात जाम की स्थिति से निजात दिलाने के लिए

दोनों को ध्वस्त करने के प्रस्ताव के खिलाफ शनिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया।

याचिकाकर्ता अब्दुल अजीज ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा 24 दिसंबर को जारी सार्वजनिक नोटिस को चुनौती दी। इसमें मस्जिद के विध्वंस के संबंध में एक जनवरी तक आम जनता से आपत्तियां और सुझाव मांगे गए हैं। न्यायमूर्ति मनोज जैन की अवकाश पीठ ने एनडीएमसी के वकील के आश्रयन के बाद याचिका को आठ जनवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपरन्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार द्वारा संचालित स्कूलों में 2019 से 2021 तक रिक्त प्रधानाचार्य और उप शिक्षा अधिकारी के 29 पदों को बहाल करने के लिए मंजूरी दे दी है। राज निवास के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि सक्सेना ने उन छह पदों को खत्म करने की सिफारिश भी स्वीकार कर ली जो कि पांच साल से अधिक समय तक रिक्त है। अधिकारी ने कहा, दिल्ली सरकार के वित्त विभाग और प्रशासनिक सुधार (एआर) विभाग द्वारा आवश्यक मूल्यांकन करने के बाद की गई सिफारिश के आधार पर यह कदम उठाया गया।

वर्ष 2019 में, प्रधानाचार्यायुक्त शिक्षा अधिकारी के दो पद खाली थे और 2020 में दो और रिक्तियां हो



उपरन्यपाल वी.के. सक्सेना

गई। रिकॉर्ड के अनुसार, 2020 में इस तरह के 23 पद खाली थे और अप्रैल 2021 तक दो और पद खाली हो गए। अधिकारी ने बताया कि खत्म किए गए छह पदों में से तीन 2013-14 से, दो वर्ष 2014-15 से और एक पद 2016-17 से रिक्त है।

इससे पहले, अप्रैल 2023 के महीने में, प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा परीक्षण के बाद शिक्षा विभाग ने 126 पदों के पुनरुद्धार और कुल 370 पदों के मुकाबले शिक्षा निदेशालय में प्रिंसिपल / उप शिक्षा अधिकारी के

● दिल्ली के कई सरकारी स्कूलों पिछले पांच साल रिवत थे पद

244 पदों के सृजन के लिए दिल्ली एलजी की मंजूरी मिली थी। जो रिकॉर्ड वर्ष 2013-14 से 2019 तक पदोन्नति के माध्यम से भरे जाने के लिए खाली पड़े थे। हालांकि, जब उपरोक्त प्रस्ताव एआर, वित्त और योजना विभागों में विचाराधीन था, तो अधिक पद समाप्त माने गए श्रेणी में आ गए और कुछ यह भी देखा गया कि पदों को पुनरुद्धार/उन्मूलन के लिए नए सिरे से विचार किया जा रहा है। एलजी को प्रस्ताव सौंपते समय शिक्षा विभाग ने बताया कि जिस उद्देश्य से ये पद सुजित किए गए थे वह अभी भी मौजूद है और विभाग के सुचारू कामकाज के लिए जरूरी है।

पहलवान विनेश ने खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार कर्तव्य पथ पर छोड़ा

नई दिल्ली। विश्व चैम्पियनशिप में कई बार की पदक विजेता विनेश फोगाट न अपने खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार लौटा दिए और दिल्ली पुलिस द्वारा पीएम कार्यालय जाने से रोकने के बाद दोनों पुरस्कार कर्तव्य पथ के बीच में छोड़ दिए।

एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पहलवान विनेश ने मंगलवार को अपना खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार सरकार को लौटाने का फैसला किया था और कहा था कि ऐसे समय में इस तरह के सम्मान बेमतलब हो गए हैं जब पहलवान न्याय पाने के लिए जूझ रहे हैं। विनेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपने फैसले की घोषणा की थी।

पुलिस अधिकारी की कार से ई-रिक्शा चालक की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पश्चिम दिल्ली के मायापुरी इलाके में शनिवार को दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी की कार ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे रिक्शा चालक की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मायापुरी थाने के बाहर प्रदर्शन किया और अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क जाम की। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, सागरपुर का रहने वाला अमित झा दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे दीनदयाल

● मायापुरी इलाके में कार से हुई थी टक्कर

उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 279 (लापरवाही से वाहन चलाना), 337 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालकर चोट पहुंचाना) और 304ए (लापरवाही से मौत) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया।

पुलिस के मुताबिक, अधिकारी की चिकित्सा कार्रवाई की गई और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इजराइली दूतावास के पास विस्फोट के मामले में केस दर्ज

● घटनास्थल से मिला था अमर्र भाषा में पत्र, धमाके में कोई घायल नहीं हुआ था

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में इजराइली दूतावास के पास हुए विस्फोट मामले में दिल्ली पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि एक पुलिस अधिकारी की शिकायत पर शुक्रवार रात तुगलक रोड पुलिस थाने में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3 (जीवन या संपत्ति को खतरें में डालने वाला विस्फोट करने का दंड) तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 427 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। यह विस्फोट मंगलवार शाम को पृथ्वीराज रोड पर प्लांट संख्या-4 पर स्थित नंदा हाउस और प्लांट संख्या-2 पर स्थित केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान की चारदीवारी वाले क्षेत्र में हुआ। इस क्षेत्र में झाड़ियां और पेड़-पौधे हैं तथा कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है।

घटनास्थल से इजराइली राजदूत को अमर्र भाषा में संबोधित एक पत्र बरगद भिजा गया था। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ था। सूत्रों के मुताबिक, अंग्रेजी में लिखे गए एक



फाइल फोटो

पत्र के इस पत्र का संबंध सर अल्लाह रेसिस्टेंस नामक संगठन से होने का संदेह है। इसमें यहूदी, फलस्तीन और गाजा जैसे शब्दों का जिक्र था।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया, वह प्राथमिकी दर्ज करने की योजना बना रही है, क्योंकि उसे इजराइली राजदूत को धमकी देने की साजिश की ओर इशारा करने वाले महत्वपूर्ण सबूत मिले हैं।

एक अन्य अधिकारी ने शनिवार को कहा कि गहरी साजिश का पता लगाने के लिए मामला विशेष प्रकोष्ठ को सौंपा जा सकता है। मामले की जांच कर रहे दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने घटनास्थल के आसपास लगे कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जिसमें उन्हें एक संदिग्ध नजर आया, जो एक ऑटोरिक्शा में जािमिया नगर से आया था। पुलिस ने कई ऑटोरिक्शा

चालकों से पूछताछ की है, जिसमें विस्फोट होने से पहले संदिग्ध को घटनास्थल पर लाने वाला चालक भी शामिल है।

हालांकि, पुलिस अभी तक आरोपी का पता नहीं लगा पाई है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने घटनास्थल से एक घड़ी का टूटा हुआ डायल और कुछ छरे बरगद किए हैं। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि विस्फोट में उनका इस्तेमाल किया गया था। जांच अधिकारी राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहे हैं, जहां विस्फोट में इस्तेमाल किए गए घटकों का पता लगाने के लिए मौके से एकत्र किए गए नमूने भेजे गए हैं। घटना के संबंध में पुलिस ने 12 लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिन्होंने विस्फोट की तेज आवाज सुनने का दावा किया था।

रामेश्वर की तीर्थयात्रा के लिए बुजुर्ग यात्रियों की 85वीं ट्रेन रवाना

● त्यागराज स्टेडियम में आतिशी ने तीर्थयात्रियों को दिए टिकट व किट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत 85वीं ट्रेन शनिवार को 780 बुजुर्ग तीर्थयात्रियों को लेकर दिल्ली से रामेश्वर के लिए रवाना हुई। यात्रा से पहले त्यागराज स्टेडियम में, सभी तीर्थयात्रियों के लिए एक भक्ति संस्था का आयोजन किया गया। जहां राजस्व मंत्री आतिशी ने सभी तीर्थयात्रियों से बात कर उनको टिकट और यात्रा किट उपलब्ध कराया।

सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शनिवार शाम को एक ट्रेन रामेश्वर के लिए रवाना हुई। इससे पहले दिल्ली सरकार की ओर से त्यागराज स्टेडियम में भजन संस्था का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य



बुजुर्ग तीर्थयात्रियों को लेकर दिल्ली से रामेश्वर के लिए रवाना से पहले त्यागराज स्टेडियम पहुंचा। तीर्थयात्रियों को आध्यात्मिक यात्रा पर प्रदान करना था। इस अवसर पर राजस्व निकलने वाले साथी यात्रियों के साथ जुड़ने और आंतरिक शांति प्राप्त करने का अवसर

बुजुर्गों के लिए आधुनिक श्रवण कुमार बताया। आतिशी ने कहा कि अबतक आप सरकार ने 84 ट्रेनों के माध्यम से 81,000 से अधिक बुजुर्गों को तीर्थयात्रा पर भेजा है। आतिशी ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल ने यह प्रतिज्ञा की है कि किसी भी चुनौती के बावजूद दिल्ली में बुजुर्गों के लिए तीर्थयात्रा की पहल को रुकने नहीं दिया जाएगा और इसके साथ सुनिश्चित किया जाएगा कि दिल्ली के प्रत्येक बुजुर्ग नागरिक को तीर्थयात्रा का अवसर मिले क्योंकि वे दिल्ली के सभी बुजुर्ग नागरिकों को अपना माता-पिता मानते हैं।

राजस्व मंत्री ने कहा, उन्हें इस बात की खुशी है कि पिछले कई मौकों पर तीर्थ यात्रा पर जाने वाले बुजुर्गों में 80 फीसदी से ज्यादा महिलाएं रही हैं। यह एक बहुत ही सकारात्मक बात है, क्योंकि हमारे समाज में एक महिला अपना पूरा जीवन अपने परिवार की सेवा में समर्पित कर देती है। अक्सर

महिलाएं खुद को पीछे रखकर अपने परिवार को प्राथमिकता देती हैं। हमारे लिए यह बहुत खुशी की बात है कि हम उन माताओं को तीर्थयात्रा पर भेज रहे हैं जिन्होंने जीवन के इस पड़ाव पर अपना पूरा जीवन अपने परिवार की सेवा में समर्पित कर दिया है।

इस मौके पर उन्होंने तीर्थयात्रियों को उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं और इसके साथ अपील की कि तीर्थयात्रा के दौरान आप सभी अच्छे दर्शन करें और देश और दिल्ली की प्रगति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें। उन्होंने तीर्थयात्रियों से आग्रह किया, %जब आप रामेश्वर पहुंचें तो अपने परिवार के साथ-साथ देश और दिल्ली के लोगों की सुख-समृद्धि की भी कामना करें।

मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत, दिल्ली सरकार पिछले दो से तीन वर्षों से अपने बुजुर्ग नागरिकों के लिए देश भर के विभिन्न तीर्थ स्थलों पर तीर्थयात्रा का आयोजन कर रही है।

निर्भया गैंगरेप में चार को फांसी की सजा देने वाले जज रिटायर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्भया सामूहिक बलात्कार मामले में चार दोषियों को मौत की सजा सुनाने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति योगेश खन्ना सात साल के कार्यकाल के बाद शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए।

दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति योगेश खन्ना, जिन्होंने 2013 में एक न्यायिक अधिकारी के रूप में पदभार संभाला था। न्यायमूर्ति खन्ना 8 नवंबर, 2016 को उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश बने। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के रूप में, न्यायमूर्ति खन्ना ने 13 सितंबर, 2013 को निर्भया सामूहिक बलात्कार और हत्या मामले को दुर्लभतम श्रेणी में करार देत हुए

● दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश योगेश खन्ना हुए सेवानिवृत्त

में चार दोषियों को मौत की सजा सुनाई थी। उन्होंने कहा था कि इस रॉगटे खड़े होने वाले मामले में 23 वर्षीय महिला के साथ अमानवीय और भयानक कृत्यों ने देश की सामूहिक चेतना को झकझोर दिया है और वे अनुकरणीय सजा के हकदार हैं। अंततः 20 मार्च, 2020 को मौत की सजा पर अमल किया गया। 16 दिसंबर, 2012 की रात को, दक्षिण दिल्ली में एक चलती बस में पैरामैडिकल छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था।

30 दिसंबर को शान-ए-तिरंगा दिवस के रूप में घोषित करें पीएम: शील मधुर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा के पूर्व पुलिस महानिदेशक शील मधुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निवेदन करते हुए मांग की कि 30 दिसंबर के दिन को शान-ए-तिरंगा दिवस के रूप में घोषित करें। उनकी इस मांग का समर्थन हरियाणा के विभिन्न जिलों से एवं एनसीआर क्षेत्र से आए हुए तिरंगा सेना के सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित आमजन ने भी किया।

पूर्व डीजीपी शील मधुर ने कहा कि वर्ष 1943 में नेताजी सुभाषचंद्र के नेतृत्व में आजाद हिंद फौज ने अण्डमान निकोबार को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद

स्वतंत्रता सेनानी हॉल में तिरंगा सेना के वॉलंटियर्स के साथ मिलकर किया कार्यक्रम

करवाकर 30 दिसंबर 1943 को अण्डमान के पोर्टब्लेयर में तिरंगा झण्डा लहराया था। द्वीपों के नाम शहीद और स्वराज द्वीप रखे थे। जिससे पूरा देश रोमांचित हो उठा था। उन्होंने कहा कि वह अवसर सिर्फ ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि अविस्मरणीय एवं प्रेरणा देने वाला था। उस समय जो तिरंगा लहराकर आजाद भारत का विगुल बजाया था,



देश में 30 दिसंबर के दिन को शान-ए-तिरंगा दिवस घोषित करने की मांग को लेकर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन पूर्व डीजीपी शील मधुर व अन्य अतिथि। उससे पूरे देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में भी तिरंगे की शान स्थापित हुई थी। शील मधुर ने बताया कि 30 दिसंबर के ही दिन 2007 में सादर इंडिया सामाजिक संस्था की परिकल्पना कर स्थापना की गई थी, क्योंकि 23 जनवरी नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्मदिन है। इस अवसर पर घोषणा कर नेताजी को राष्ट्र की तरफ से सच्ची श्रद्धांजलि

करती रही है। इस अवसर पर उन्होंने देश में तिरंगे की शान को आगे बढ़ाने के लिए समाज के जिन लोगों ने देश को खुशहाल भारत बनाने के लिए जो अभूतपूर्व योगदान दिया है, आगे भी देते रहेंगे।

इस अवसर पर पंचश्री डॉ. ब्रह्मदत्त, एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, भूतपूर्व मुख्य कमिश्नर इनकम टैक्स सतबीर सिंह, प्रो. आरएन सिंह, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी समिति के महासचिव बिजेंद्र सिंह ठाकरान, हास्य कवि आलोक भांडोरिया की भी कार्यक्रम को संबोधित कर मिशन का समर्थन किया। इस मौके पर कपूर सिंह दलाल, साहित्यकार नलिनी, वार विडो ममता, एएस मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

2023 की समस्याएं 2024 में बनेंगी चुनौती, घोषणाओं को रहेगा समाधान का इंतजार



सोहना नगर परिषद का कार्यालय।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

बीता वर्ष 2023 में नगर परिषद प्रशासन द्वारा घोषणाएं अधिक और धरातल पर विकास कम हुआ है। आधा वर्ष राजनीति गतिविधियों की बीच हुई उठा पटक में निकल गया। करोड़ रुपये की घोषणाएँ सलाहकार नियुक्ति और उन्हे अमलीजामा पहनाने की योजनाओं तक सिमटकर रह गया। नगरवासियों के लिए बीता वर्ष 2023 राजनीति उठक पटक से लेकर परिषद अधिकारियों की निष्क्रियता और योजनाओं को बनाने में बीत गया। वर्ष 2022 में शुरू हुई नगर परिषद की कुर्सी पर सत्तासीन होने की लड़ाई जून 2023 तक चलती रही। इस साथ-साथ परिषद कार्यालय में अधिकारियों के हुए तबादलों से विकास की योजनाएं श्रेय नहीं चढ़ सकी। एक तरफ राजनीति के क्षेत्र में कुर्सी पर काबिज होने की लड़ाई ने अदालत के चक्कर कटवा दिए। वहीं अधिकारियों के तबादलों ने विकास कार्य की गति को पूर्ण रूप से ठप कर दिया। सफाई व्यवस्था से लेकर डोर डोर योजना पूर्ण रूप से असफल होकर रह गई।

जलभराव की समस्या अभी बरकरार

वर्ष 2023 में भी शहर की सबसे बड़ी जलभराव की समस्या समाधान नहीं हो सका। वहीं यह समस्या वर्ष 2024 में भी शहरवासियों को परेशान करने के लिए नये साल में प्रवेश कर रही है। जलभराव की समस्या से निपटने के लिए बनाई गई सैमल योजना परिषद अधिकारियों

की टेबल से आगे नहीं बढ़ पाई है। बरसात के मौसम में कराई गई नालों की सफाई के बाद भी जलभराव की समस्या से निजात नहीं मिल सकी है।

योजनाएं जो नहीं हो पाई पूरी

नगर परिषद प्रशासन ने बीते वर्ष 2023 में शहर का सौंदर्यीकरण करने के उद्देश्य से स्मार्ट सड़कें बनाना, स्ट्रीट लाइटों पर तिरंगा लाइट लगाना, दमदमा मार्ग पर दीनदयाल पार्क का निर्माण कराना, शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक का सौंदर्यीकरण कराना, शहर को जलभराव की समस्या से छुटकारा दिलाना, शहर के अंदर आने वाले मार्गों पर स्वागत द्वार बनवाना, अरावली पहाड़ी पर भगवान शिव की प्रतिमा लगवाना, शिव कुंड का सौंदर्यीकरण कराना, शहर को गंदगी मुक्त बनाना, शहर के बार कूड़ा केन्द्र बनाना आदि शामिल है।

वर्ष 2024 में चुनौतीपूर्ण समस्याएं

आने वाले नये वर्ष में जलभराव, डोर डोर सफाई, चमरमराई सफाई व्यवस्था, सौंदर्यीकरण, शहर की टूटी सड़कों की मरम्मत कराना, बाजारों में छाया अतिक्रमण का सफाया कराना, बरसाती नालों की सफाई कराना, परिषद की जमीन पर अवैध कब्जों की बढ़ती संख्या पर रोक लगाना। शहर में आवारा घूमने वाले मवेशियों से मुक्ति दिलाना, मल्टीलेवल पार्किंग, नगर परिषद कार्यालय का सौंदर्यीकरण आदि समस्याएं चुनौती बनकर नये साल के द्वार पर खड़ी हैं।

कांग्रेस हॉर्डिंग के सहारे चाहती है जीत भाजपा की विकास के दम पर विजय



सेक्टर-31 स्थित हूड्डा ग्राउंड में भाजपा ओबीसी मोर्चा द्वारा आयोजित सर्व समाज समरसता सम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी का स्वागत करते आयोजक। आयोजित सर्व समाज समरसता सम्मेलन को संबोधित करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मोदी-मनोहर सरकार में सर्वसमाज का विकास हुआ

गुरुग्राम में सर्वसमाज समरसता सम्मेलन में उमड़ी लोगों की भीड़

भाजपा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने कहा कांग्रेस हॉर्डिंग के सहारे चुनावों में जीत चाहती है, जबकि भाजपा के पास जनता के दिखाने के लिए विकास मॉडल है। इसी के सहारे भाजपा जीती है। यह बात उन्होंने शनिवार को सेक्टर-31 स्थित हूड्डा ग्राउंड में भाजपा ओबीसी मोर्चा द्वारा आयोजित सर्व समाज समरसता सम्मेलन में कही।

सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी और केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव का 36 विरादरी की तरफ से सम्मेलन की संयोजिका उषा प्रियदर्शी एवं ओबीसी मोर्चा की टीम ने 36 मीटर की पगड़ी बांधकर सम्मान किया गया। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भय और भ्रष्टाचार का वातावरण था, लेकिन भाजपा शासन में सर्वसमाज के लिए समान रूप से प्रदेश सरकार कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। इस मौके पर उन्होंने मोदी और मनोहर सरकार को

उपलब्धियां जनता को बताई और कांग्रेस को घेरा। सम्मेलन में उपस्थित भीड़ को देखकर गदगद नायब सैनी ने कहा कि मोदी-मनोहर की नीतियों और जनता के आशीर्वाद से तीसरी बार 2024 में डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है। नायब सैनी ने मोदी-मनोहर की सरकार को गरीब व्यक्ति की चिंता करने वाली सरकार बताया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने ऐसी-ऐसी गरीब कल्याण की योजनाएं बनाई हैं जिनके कारण गरीबों का मान सम्मान बढ़ा है और आर्थिक मजबूती भी आई है। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए नायब सैनी

ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में जम्मू कश्मीर में पत्थरबाजी होती थी। आतंकवाद चरम पर था। मोदी सरकार ने भय के वातावरण को खत्म किया है। सम्मेलन में केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भाजपा की सरकार गरीबों, दलितों, वंचितों, पिछड़ों व सर्व समाज को समर्पित सरकार होगी। विश्व पटल पर भारत का परचम लहरा रहा है।

दूसरे देशों के राष्ट्राध्यक्ष मोदी को बाँस कहकर बुला रहे हैं। यही बदला हुआ भारत है। सम्मेलन में पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह, पहलवल विधायक दीपक मंगला, पटौदी विधायक सत्य प्रकाश जरावता, पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह, पूर्व डिप्टी स्पीकर गोपीचंद्र गहलोत, ओएसडी जवाहर यादव, जिला अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा कृष्ण स्वामी, जिला महामंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदीप गुर्जर, कृष्ण कुमार गुर्जर, अजीत यादव, उपाध्यक्ष देवेन्द्र यादव, हरीश तंवर, उपाध्यक्ष टीटू पटेल समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

नवकल्प फाउंडेशन ने बाँटे जूते, कंबल और कपड़े

गुरुग्राम। लगातार बढ़ती ठंड को देखते हुए नवकल्प फाउंडेशन की ओर से कंबल, कपड़े, जूते जरूरतमंदों को वितरित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार की देर रात तक नवकल्प फाउंडेशन ने रेड क्रॉस और जमुना आंदोलन के साथ मिलकर बस स्टैंड, राजीव चौक, हीरो हॉंडा चौक के आसपास जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव एवं अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा के दिशा निर्देशन एवं रेड क्रॉस सचिव विकास कुमार के मार्गदर्शन में सामाजिक संस्थाओं के साथ रेडक्रॉस सोसायटी जनसेवा के काम करती रहती है। नवकल्प फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष अनिल आर्य, विपुल मंगला, संजय गोयल, नगर पाषंद व रोटीरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष

सुभाष सिंगला, जमुना आंदोलन सेल्स की सीएसआर हेड संयम मराठा और उनकी टीम से अनिल भारद्वाज, रेड क्रॉस सोसायटी से अतुल पराशर, कविता सरकार, जयभगवान आदि ने मिलकर जरूरतमंदों को कपड़े, जूते, कंबल वितरित किए। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव विकास कुमार ने कहा कि नवकल्प फाउंडेशन सदी और गर्मी के हिसाब से सेवाएं प्रदान करता है। रोटीरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष सुभाष सिंगला ने कहा कि नवकल्प की दोनों मौसम में सेवा की मुहिम की जितनी सराहना की जाए, उतनी कम है। जमुना आंदोलन से सीएसआर हेड संयम मराठा ने कहा कि समाजसेवा का कोई रूप नहीं होता। हम राह चलते भी सेवा कर सकते हैं और अपने काम के साथ भी समय निकालकर जनसेवा कर सकते हैं।



गुरुग्राम में लोगों को ठंड से बचाने के लिए गर्म कपड़े वितरित करते सदस्य।

कड़के ठंड के कारण पक्षियों का भी जनजीवन प्रभावित

फिरोजपुर झिरका। क्षेत्र में अचानक सर्दी बढ़ने से लोगों का जन जीवन काफी प्रभावित हुआ है। लोग अपने आप को ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते नजर आ रहे हैं। अधिकांश लोगों के घरों में ईंधन ना होने के कारण उन्होंने इलेक्ट्रिशियन के दुकानों से हीटर खरीद कर अपने घरों में लागवाने शुरू कर दिए हैं।

ज्यादा से ज्यादा लोगों को भीषण ठंड से निजात मिल सके। पिछले दो-तीन दिनों से अचानक क्षेत्र में ठंड की दस्तक देने से लोगों को चुपचाप, खंसी, बुखार एवं बदन में दर्द शुरू हो गया है। लोग ठंड के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर अस्पतालों में चक्कर लगा रहे हैं और लोग स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों से कम से कम ससाह भर में जाकर स्वस्थ हो पा रहे हैं।

शनिवार को ठंड के चलते लगभग 19 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान रहा। पिछले दो-तीन दिनों से लगातार ठंड बढ़ने से ठंड लगने के कारण एक खूबसूरत पक्षी मृत अवस्था में मिला। अचानक बढ़ती धुंध एवं कोहरे ने वाहनों की रफ्तार धीमी कर दी है और बाजार के दुकानदार अपनी दुकानें एवं प्रतिष्ठानों को जल्द ही बंद करके अपने घरों की तरफ प्रस्थान कर रहे हैं। वहीं शहर के डॉ महेंद्र गर्ग, डॉ यशेंद्र, डॉ जावेद ने लोगों से ठंड से बचने की हिदायत दी है। उन्होंने लोगों को गर्म निवाय पानी पीना तथा गर्म चीज खाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि सभी शहरी लोग अपने घर से निकलते वक्त अपने हाथों में दस्ताने, सर पर टोपा एवं पैरों में मोजे अवश्य से डालें। ताकि शरीर को ठंड से बचाव किया जा सके।

जनता को योजनाओं का लाभ दिलाएं, मिलेगी बड़ी जीत: सैनी

प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने गुरुग्राम में एक दिन में कीं तीन बैठकें

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने अपनी तैयारी और तेज कर दी है। शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम स्थित प्रदेश कार्यालय गुरु कमल में प्रदेश पदाधिकारियों की एक के बाद एक तीन अहम बैठकें लीं। तीनों बैठकों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ वंचित लोगों तक जल्दी से जल्दी पहुंचाने पर चर्चा हुई। विकसित भारत संकल्प यात्रा को ज्यादा से ज्यादा सफल बनाने और हरेक पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने पर भी मंथन हुआ।



गुरुग्राम में भाजपा के पदाधिकारियों की बैठक लेते प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी। आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक दस्तकारों का उत्थान करना है। सांसद सुरेंद्र नानार ने प्रोजेक्ट के माध्यम से उपस्थित पदाधिकारियों को पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत देशभर में चल रही गतिविधियों के प्रति भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि वे छोटे-छोटे उद्योग लगाकर काम कर रहे लोगों को इस संबंध में जागरूक करें। कार्यशाला में संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, महामंत्री मोहन लाल बड़ौली, कार्यशाला संयोजक जवाहर सैनी ने

भी अपनी बातें रखी। इसके बाद नमो ऐप से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़कर उन्हें केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी एक विशेष बैठक हुई।

प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री मोहन लाल बड़ौली, सांसद संजय भाटिया, कृषि मंत्री जेपी दलाल, मंत्री कमलेश दांडा, मंत्री मूलचंद शर्मा, मंत्री कमल गुप्ता, संदीप सिंह, विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा, पूर्व मंत्री मनीष ग़ोवर, प्रदेश महामंत्री डा. पवन सैनी, प्रदेश रविवार के सुबह 10 बजे से सेक्टर-44 स्थित अपैरल हाउस में आयोजित होगा।

सफाई कर्मचारियों ने छंटनी, शो काँज नोटिस, सस्पेंशन, टर्मिनेशन की प्रतियां फूँकी

शनिवार को 81वें दिन हड़ताल जारी रही

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सरकार पर दलित विरोधी नीतियों, तानाशाही, हठ धर्मिता, कर्मचारियों को छंटनी, शो काज नोटिस, सस्पेंशन, टर्मिनेशन का आरोप लगाते हुए इसके विरोध में सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को 81वें दिन हड़ताल जारी रखते हुए विरोध प्रदर्शन किया। हड़ताली सफाई कर्मचारियों ने कहा कि नगर निगम अधिकारियों ने बौखलाहट में अपने भ्रष्टाचार व ठेकेदारों से मिलीभगत को छिपाने के लिए मृतक कर्मचारियों को नौकरी से हटाने का नोटिस जारी किया है, जो कि सरासर गलत है।



गुरुग्राम में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारियों। इकाई के कार्यकारी प्रधान कैलाश कुमार संगेलिया, महिला इकाई सब कमिटी की कनवीनर रीना देवी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। संचालन जिला कार्यकर्ता भारत कागड़ा, ऐड ओक कमिटी के नेता राकेश पीहल ने संयुक्त रूप से किया। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रेस सचिव वसंत कुमार, राज्य सह सचिव सुशीला देवी, केंद्रीय कमिटी नेता सोनिया देवी, महिला सब कमिटी की सह कनवीनर अनीता देवी, संघ के वरिष्ठ

को आम जनता के बीच में खराब करने का कार्य किया जा रहा है। जो ट्रेड यूनियन नियम से गलत है। कर्मचारी नेताओं ने प्रशासन और हरियाणा सरकार से मांग करते हुए कहा कि नगर निगम गुरुग्राम में अधिकारियों और ठेकेदारों द्वारा मिली भागत करके भ्रष्टाचार का खेल खेला जा रहा है। नगर निगम गुरुग्राम के खजाने को दोनों हाथों से लूटने से लूटा जा रहा है। अधिकारियों द्वारा हजारों सफाई कर्मचारियों की नाजायब तरीके से मैनुअल कर के छंटनी किए गए कर्मचारियों और उनके परिवारों को भुखमरी की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया। यह ट्रेड यूनियन नियम और लोकतंत्र की हत्या है। इसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए व दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सीएम मनोहर लाल आज करेंगे वन टाइम सेटलमेंट योजना का शुभारंभ

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार 31 दिसंबर को गुरुग्राम से आबकारी एवं कराधान विभाग, हरियाणा (एसजीएसटी) की एक मशरूत व्यवस्थापन (वन टाइम सेटलमेंट) योजना का शुभारंभ करेंगे। उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला (आबकारी एवं कराधान विभाग मंत्री) भी कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से सेक्टर-44 स्थित अपैरल हाउस में आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर आबकारी एवं कराधान विभाग के प्रधान सचिव देवेन्द्र सिंह कल्याण व आबकारी एवं कराधान आयुक्त अशोक कुमार मीणा ने शनिवार को अशोक कुमार मीणा का दौरा किया और तैयारियों का जायजा लिया। प्रधान सचिव ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। कार्यक्रम में उपस्थित होने वालों की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जाए।

वेस्टर्न डेडिकेटिड फ्रंट कोरिडोर रेल लाइन फिर हुई चोरी, ढाई माह में दूसरी बार चोरी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

उत्तर प्रदेश के शहर दादरी से मुंबई के बीच बनी वेस्टर्न डेडिकेटिड फ्रंट कोरिडोर रेल लाइन पर गांव सांचौली के पास फीस प्लेट और बोल्ट चोरी होने से मालगाड़ी को भारी खतरा हुआ। रेल विभाग कर्मचारी की सजगता से घटना को होने से पहले ही बचा लिया। सोहना सदर थाना पुलिस ने रेल विभाग के अधिकारियों की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।



सोहना सदर थाना पुलिस रेल लाइन से चोरी वाले स्थान का निरीक्षण करते हुए।

दौड़ रही है। लेकिन लाइन पर तैनात गाई सतीश कुमार ने गाड़ी आने से पहले चोरी होने की सूचना उन्हे दे दी। जिससे रेलों का आवागमन पर रोक लगा दी गई। चोरी हुई फीस प्लेट और नट बोल्ट को फिर से लगाया गया। उसके बाद ही लाइन पर गाइयों को चलने की अनुमति दी गई। सोहना सदर थाना पुलिस रेल लाइन से चोरी करने वालों की तलाश शुरू कर दी है।

जिनका सदर थाना पुलिस आज तक सुराग नहीं लगा सकी है। चोरी की बढ़ती वारदातों से रेल विभाग के अधिकारियों के लिए चिंता का विषय बन गया है। रेल विभाग के अधिकारियों ने चोरियों पर अंकुश लगाने के इरादे से सुरक्षा को पहले से कड़ा कर दिया है।

बल्लभगढ़ के निगम सभागार में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे व लिफ्ट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद
बल्लभगढ़ में बनाए जा रहे नगर निगम सभागार में लिफ्ट और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। एक मंजिला सभागार में लिफ्ट लगाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। अगले चार माह के अंदर नगर निगम सभागार पूरी तरह तैयार होने की उम्मीद है। जिस जगह पर नगर निगम द्वारा सभागार बनाया जा रहा है। वहां पहले भी एक भवन था, जिसे गांधी भवन के नाम से जाना जाता था। इस भवन का 16 मई 1987 को

उद्घाटन किया था। सन् 1996 के जनवरी माह में यहां पर एसडीएम (सब डिविजनल मजिस्ट्रेट) कार्यालय बना दिया गया था। सन् 2005 तक यहां पर एसडीएम कार्यालय चलता रहा। 11 फरवरी सन् 2009 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने यहां पर सभागार बनाने के लिए शिलान्यास किया था। इसके पांच वर्ष बाद सन् 2014 के मई माह में यहां पर नगर निगम सभागार का निर्माण कार्य शुरू हो गया था। 40 फीसदी निर्माण कार्य होने के बाद बजट के अभाव में इसका कार्य ठप पड़ गया था।



नगर निगम के पास पैसों की कमी के कारण कार्य रुक गया। इसके बाद बल्लभगढ़ के विधायक एवं परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने प्रदेश सरकार से इसके निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये का फंड मंजूर करवा दिया था। बजट मिलने के बाद से इसके निर्माण कार्य में रफ्तार आई। अब इसका ढांचा खड़ा हो चुका है। अगले साल करीब चार माह के अंदर इसका निर्माण कार्य पूरा होने की उम्मीद है।

“ सभा में लिफ्ट, एयर कंडीशन, सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। अगले वर्ष दो-तीन महीने के अंदर यह पूरा काम होने की उम्मीद है।
-राकेश कुमार, एसडीओ, लोक निर्माण विभाग

नगर निगम सभागार एक मंजिला बनाया जा रहा है। इस परियोजना में लोगों की सुविधा के लिए लिफ्ट भी लगाई जाएगी। इसके अलावा यहां सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर करीब 20 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। इसके लोक

निर्माण विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने बजट मंजूरी के लिए मुख्यालय भेज दिया है। जबकि लिफ्ट लगाने के लिए कंपनी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अलावा विभाग द्वारा सभागार के मंच पर प्रकाश व्यवस्था, पर्दे और वीडियो प्रोजेक्शन की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके लिए विभाग द्वारा 65 लाख 84 हजार 568 रुपये का बजट खर्च किया जाएगा। सभागार वातानुकूलित होगा। इसके लिए यहां पर एयर कंडीशन भी लगाए जाएंगे।

कोहरे में कई घंटे लेट चल रही हैं ट्रेन, यात्रियों को भारी परेशानी

34 ट्रेनें 12 से 20 घंटे तक देरी से चलीं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोहरे के चलते पिछले कई दिनों से लगभग सभी ट्रेनें कई घंटे देरी से चल रही हैं, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। फरीदाबाद स्टेशन पर कुल 34 एक्सप्रेस और ईएमयू ट्रेनों का स्टॉपेज है। इनमें 22 सुपर फास्ट एक्सप्रेस ट्रेनें हैं और 12 ईएमयू लोकल ट्रेनें हैं। हरियाणा और दिल्ली में भोर में कोहरा पड़ने के कारण लगातार ट्रेनें देरी से चल रही हैं। शुक्रवार व शनिवार को कोहरे के चलते एक्सप्रेस ट्रेनें 12 से लेकर 20 घंटे तक लेट चलीं। इनमें कुरुक्षेत्र से खजुराहो को जाने वाली गीता जयंती एक्सप्रेस लगभग 20 घंटे से अधिक देरी से



चलीं। वहीं, झेलम एक्सप्रेस का समय बृहस्पतिवार रात 8.30 पर था। यह ट्रेन 14 घंटे लेट होकर सुबह 9.40 पर गई है। इसके अलावा ताज एक्सप्रेस, उक्तल, हिमसागर, मां वैष्णो देवी कटरा, सुरासन एक्सप्रेस, छत्तीसगढ़ आदि एक्सप्रेस ट्रेनें 12 घंटे से अधिक देरी से चल रही हैं। सुबह व शाम के समय कोहरा लोगों को

कोहरे के चलते फरीदाबाद में रुकने वाली 22 एक्सप्रेस और 12 ईएमयू ट्रेनें देरी से चल रही हैं। लंबी दूरी की कई ट्रेनें 12 से 20 घंटे तक लेट हैं।
अखिलेश कुमार, स्टेशन अधीक्षक

वजह से यात्रियों के बैठने की भी जगह नहीं है। प्रतिकूलता भी न होने के कारण यात्री रात से ट्रेनों का इंतजार करते हुए ठंड में ठिठुरते रहे। फरीदाबाद में फिलहाल ठंड का असर बढ़ा हुआ है। दिन में धूप कम निकले के कारण लोगों को ठंड से राहत नहीं मिल पाई। अधिकतम तापमान नौ डिग्री पड़ गया। यह एक्सप्रेस से पांच डिग्री कम रहा। कोहरे के चलते रात में ठंड में ठिठुरते रहे यात्री : फरीदाबाद स्टेशन पर यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य की

वजह से यात्रियों के बैठने की भी जगह नहीं है। प्रतिकूलता भी न होने के कारण यात्री रात से ट्रेनों का इंतजार करते हुए ठंड में ठिठुरते रहे। फरीदाबाद में फिलहाल ठंड का असर बढ़ा हुआ है। दिन में धूप कम निकले के कारण लोगों को ठंड से राहत नहीं मिल पाई। अधिकतम तापमान नौ डिग्री पड़ गया। यह एक्सप्रेस से पांच डिग्री कम रहा। कोहरे के चलते रात में ठंड में ठिठुरते रहे यात्री : फरीदाबाद स्टेशन पर यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य की

ढाबे से लौट रहे मजदूर की कार की टक्कर से मौत

पलवल। अलग अलग दुर्घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक लड़की का पैर टूट गया। पुलिस ने मृतक व घायल के परिजनों की शिकायतों पर केस दर्ज कर घायल को उपचार के लिए दाखिला करा दिया। जबकि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया।



शहर थाना प्रभारी राजेश कुमार के अनुसार, घोड़ी गांव निवासी उमेश ने दी शिकायत में कहा है कि वह मेहनत मजदूरी करता है। रात करीब 10 बजे वह अपने साथी जिला अलौड़गढ़ युपी के किसानपुर गांव निवासी प्रकाश चंद व जवाहर के साथ हरिओम ढाबा से खाना खाने के बाद वापस अपने कमरे पर लौटकर आ रहे थे। उसी दौरान दिल्ली की तरफ से एक आल्टो कार तेज गति से आई और प्रकाश चंद को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद कार चालक ने कार को कुछ देर के लिए रोका और फिर कार को लेकर फरार हो गया। पीड़ित घायल अवस्था में प्रकाश चंद को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल ले गए, जहां से चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान प्रकाश चंद की मौत हो गई।

वहीं, रसूलपुर गांव निवासी विधवा माला ने दी शिकायत में कहा है कि वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का लालन-पालन करती है। पीड़िता का कहना है उसने व उसकी बेटी सविता ने भोलुनगर बडौली में आठ रहे। उसी दौरान दिल्ली की तरफ से एक आल्टो कार तेज गति से आई और प्रकाश चंद को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद कार चालक ने कार को कुछ देर के लिए रोका और फिर कार को लेकर फरार हो गया। पीड़ित घायल अवस्था में प्रकाश चंद को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल ले गए, जहां से चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान प्रकाश चंद की मौत हो गई।

19 से 31 जनवरी तक होगा खेलों इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन

पलवल। छठे खेलों इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन 26 खेलों तथा एक डेम्पो स्पोर्ट्स में 19 से 31 जनवरी 2024 तक तमिलनाडु के चार शहरों चेन्नई, कोयंबटूर, मदुरई तथा त्रिचि में करवाया जा रहा है। जिसके लिए हरियाणा राज्य की महिला एवं पुरुष की हॉकी, कबड्डी, लड़कियों की फुटबॉल तथा लड़कों की बालीबॉल टीम का ट्रायल के आधार पर चयन किया जाना है। यह जानकारी देते हुए जिला खेल अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि इन खेलों में ट्रायल के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण नई दिल्ली ने विभिन्न मापदंड निर्धारित किए हैं, जिस खिलाड़ी का एक जनवरी 2005 या उसके बाद जन्म हुआ हो वह एथलीट खेलों इंडिया यूथ गेम्स-2023 में भाग लेने के लिए



आधार पर नामांकित किया जाएगा। इसके अलावा आठवीं टीम मेजबान राज्य की होगी। छठे खेलों इंडिया यूथ गेम्स-2023 तमिलनाडु में हरियाणा राज्य की ओर से भाग लेने वाली टीम का ट्रायल के आधार पर चयन किया जाना है। जिसमें खेलवार चयनित खिलाड़ियों की संख्या तथा चयन ट्रायल की तिथि व स्थान निर्धारित किए गए हैं। सभी टीमों का चयन पंचक्रूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में होगा। इनमें कबड्डी खेल की टीम में 12 खिलाड़ी होंगे तथा छह खिलाड़ी अतिरिक्त होंगे।

गदपुरी में भारत स्काउट एंड गाइड्स शिविर का आयोजन

पलवल। भारत स्काउट एंड गाइड्स पलवल के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा परिसर गदपुरी में छात्राओं के प्रशिक्षण के लिए तीन दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फोगाट पब्लिक स्कूल फरीदाबाद के प्रबंधक सतीश फोगाट ने किया, जबकि अध्यक्षता बाल विद्या निकेतन खांबी के प्रबंधक मोहन श्याम शर्मा ने की। संचालन संस्था के जिला प्रेरक बृजेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए डीओसी योगेश सौरात ने बताया छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है, जिसमें संस्था के मूलभूत सिद्धांतों आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा के साथ-साथ पेंटिंग, एकल नृत्य, समूह नृत्य, मैरिज ऑफ इंडिया, फूड प्लाज, प्रदर्शनी आदि विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा।

सर्जरी की मदद से साढ़े चार साल बाद खुला बच्ची का जबड़ा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-16 स्थित मैरिंगो एशिया अस्पताल में डॉक्टरों ने लंबे समय से बंद मुह के साथ आई मेवात निवासी आठ वर्षीय जर्नीन को सर्जरी द्वारा जबड़ा खोल उसे नया जीवन दिया। मैरिंगो एशिया अस्पताल फरीदाबाद में प्लास्टिक एवं रिंस्ट्रक्चर सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. कावेश्वर घुरा ने बताया कि एक साढ़े तीन साल की बच्ची अपने घर की छत से गिर गई थी। इस कारण उसके जबड़ा चलाने वाले दोनों ज्वाइंट्स टूट गए थे। इसके लिए परियोजना ने बच्चे की कर्फी पर सर्जरी कराई थी और बच्ची ठीक भी हो गई थी, लेकिन बच्ची के जबड़े का ज्वाइंट परमानेंटली चिपक गया, इस स्थिति को टीमएफ एनकाइलोलिस कहते हैं। फिर बच्ची का मुंह खुलना बंद हो गया। उसकी मां ने स्टूट्स के जरिए उसे पानी, दूध, जूस, मैंगो शेक, केला का शेक, कोल्ड ड्रिंक्स आदि देकर ही जिंदा रखा हुआ था। पीड़ा भरे लगभग साढ़े साल अपने जीवन के बच्ची ने इस तरह से बिताए। परिजन ने बच्ची को शहर के कई बड़े अस्पतालों में दिखाया, लेकिन सभी ने इसे बहुत ही जोखिम भरा मामला बता दिया। हाताश होकर फिर परिजन बच्ची को मैरिंगो एशिया अस्पताल लेकर आये। फिर हमने सर्जरी द्वारा धीरे-धीरे बच्ची के जबड़े के दोनों



ज्वाइंट्स को ठीक किया और उनके बीच में फ्लैप डाल दिया। फ्लैप का रिंस्ट्रक्शन भी किया गया। मुंह खोलने से संबंधित प्रोसीजर भी किया गया। इस प्रोसीजर के बाद तुरंत ही बच्ची का मुंह सामान्य रूप से खुल गया। स्वस्थ होने पर बच्ची को 3-4 दिन बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया। इस प्रोसीजर को किए आज लगभग एक साल हो गया है। अब बच्ची पूरी तरह मुंह खोलती है और सामान्य रूप से खाना खा रही है। इस दौरान प्लास्टिक एवं रिंस्ट्रक्चर सर्जरी विभाग से डॉ. नितिन शर्मा का भी खास योगदान रहा। लंबे समय तक शरीर को पर्याप्त रूप से भोजन न मिलने के कारण बच्ची का शरीर बहुत ही दुबला-पतला हो गया था। शरीर का विकास रुक गया था, वजन भी काफी कम हो गया था। बच्चे के मुंह से दुर्गंध आ रही थी, दांत गल गए थे और मसूड़े भी काफी खराब हो गए थे।

हर एक पात्र व्यक्ति को योजनाओं से लाभान्वित करना रथ यात्रा का उद्देश्य

पलवल के आठ गांवों में पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा, लोगों ने किया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल



योजनाओं से लाभान्वित करना इस रथ यात्रा का मुख्य उद्देश्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस रथ यात्रा में लोग योजनाओं का लाभ ले रहे हैं और स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाई गई स्टाल पर अपने स्वास्थ्य की जांच भी करवा रहे हैं। विधायक जगदीश नायर ने ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग कार्यालय में न जाने के कारण सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। इसलिए सरकार अब घर द्वार पर ही लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दे रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान चिरायु, जन-धन खाता, हर घर नल से जल, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा

पहुंचकर उन्हें जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की अंत्योदय की भावना से क्रियान्वित योजनाओं की सराहना करते हुए आमजन मानस को सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के स्वागत में जिला पलवल के विभिन्न गांवों में आयोजित किए गए जनसंवाद कार्यक्रमों में मुख्य अतिथियों ने सभी को विकसित भारत की शपथ दिलाई और विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों और विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों को सम्मानित किया और प्रधानमंत्री उज्वला योजना की पात्र महिलाओं को निशुल्क गैस कनेक्शन भेंट किए। कार्यक्रमों में एसडीएम रणधीर सिंह, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहर सिंह सौरात, पलवल निगरानी समिति के अध्यक्ष प्रवीण डायर ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने अपने लगभग साढ़े नौ साल के कार्यकाल में समाज के अंतिम व्यक्ति को सरकारी सेवाएं प्रदान करने की दिशा में ठोस कार्य उठाते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में कार्य किया है। उन्होंने कहा कि अगले 25 वर्षों के दौरान हम सबको मिलकर इस देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़ा करना है। इसी उद्देश्य से सरकार हर गांव व हर व्यक्ति तक

योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत, प्रधानमंत्री उज्वला योजना, बैंक ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, मेरी फसल-मेरा ब्योरा जैसी अनेक योजनाएं हैं, जिन्हें इस यात्रा के माध्यम से जनता के समक्ष रखा जा रहा है। इसके साथ ही विभिन्न विभाग आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा के साथ-साथ पेंटिंग, एकल नृत्य, समूह नृत्य, मैरिज ऑफ इंडिया, फूड प्लाज, प्रदर्शनी आदि विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा।

स्वास्थ्य है सबसे महत्वपूर्ण, इसके बिना जीवन अपूर्ण : एके पंडित



पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कालीबाड़ी सेक्टर-16 में आयोजित हुआ निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर महजुबा के पास लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। स्वास्थ्य जांच सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक चली, जिसमें आसपास के समाज के सभी वर्गों से लोगों ने उपस्थित होकर इसका लाभ उठाया। फरीदाबाद कालीबाड़ी अपने शुरुआती दिनों से ही समाज के हर प्रकार के सेवा कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती रही है। कालीबाड़ी के प्रधान डॉक्टर प्राणजीत भौमिक ने बताया कि कालीबाड़ी इस तरह के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन पहले भी करती आयी है और भविष्य में भी करती रहेगी। ऐसे शिविरों का मुख्य उद्देश्य समाज में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। शिविर में कार्डियोलॉजी चिकित्सक, ओर्थोपेडिक द्वारा हड्डी की जांच, खून में शक्कर, रक्तचाप, पल्सोमरी फंक्शन टेस्ट, अस्थि खनिज घनत्व, दांत जांच, नेत्र विशेषज्ञ एवं इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम इत्यादि की सुविधास्वा की गई थी। विशेषकर निचिकित्सक डॉक्टर विकास मिश्रा एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर

ज्वाइंट्स को ठीक किया और उनके बीच में फ्लैप डाल दिया। फ्लैप का रिंस्ट्रक्शन भी किया गया। मुंह खोलने से संबंधित प्रोसीजर भी किया गया। इस प्रोसीजर के बाद तुरंत ही बच्ची का मुंह सामान्य रूप से खुल गया। स्वस्थ होने पर बच्ची को 3-4 दिन बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया। इस प्रोसीजर को किए आज लगभग एक साल हो गया है। अब बच्ची पूरी तरह मुंह खोलती है और सामान्य रूप से खाना खा रही है। इस दौरान प्लास्टिक एवं रिंस्ट्रक्चर सर्जरी विभाग से डॉ. नितिन शर्मा का भी खास योगदान रहा। लंबे समय तक शरीर को पर्याप्त रूप से भोजन न मिलने के कारण बच्ची का शरीर बहुत ही दुबला-पतला हो गया था। शरीर का विकास रुक गया था, वजन भी काफी कम हो गया था। बच्चे के मुंह से दुर्गंध आ रही थी, दांत गल गए थे और मसूड़े भी काफी खराब हो गए थे।

संक्षिप्त समाचार



संगोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण पर विचार सांझा किए
पलवल। अंग्रेजी नव वर्ष के आगमन तथा पुराने वर्ष समाप्ति पर पर्यावरण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मास्टर थानसिंह की अध्यक्षता में मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति द्वारा पर्यावरण को बचाने के लिए गहन चिंतन करते हुए बरगद, पीपल, नीम आदि अति उपयोगी दैवीय वृक्षों की संख्या बढ़ाने पर विचार किया। संचालन करते हुए मास्टर मानिकचंद व ईश्वरराज ने अपने आसपास बेजुबान गोंवंध, खान आदि को सर्दी से बचाने के यथासंभव प्रयास करने को कहा। मुख्य वक्ता डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल ने कहा कि अंग्रेजी नव वर्ष में अपने स्वजनों, मित्रों आदि के साथ पर्यावरण और प्रकृति की रक्षा का संकल्प लेकर प्रकृति संग उत्सव मनाएं। हर व्यक्ति कम से कम एक और अन्य व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करे, ताकि यह मानव श्रृंखला देश को हराभाह, स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत बनने में सहयोगी साबित हो सके। इस अवसर पर मास्टर गुलवीर, योगेश, सुनील आदि उपस्थित रहे।



ऋषिकेश में आयोजित शिविर में लिया प्रशिक्षण
पलवल। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा द्वारा ऋषिकेश उतराखंड में आयोजित मैरिंगो एंड एस्टिमेशन शिविर में पलवल के तीन अध्यापिका, दो अध्यापक तथा दो रोवर्स ने भाग लिया। शिविर 26 से 30 दिसंबर तक चला। पलवल के टीचर्स ने अनुशासन के साथ शिविर की गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लिया। जिला सचिव रिशाल सिंह ने बताया कि जो टीचर्स मैरिंगो और एस्टिमेशन का कोर्स करके आए हैं, वो बच्चों को भी उन गतिविधियों को सिखाएंगे। शिविर में जाने वाले प्रतिभागियों में बबिता, दर्शन, शारदा, मोहन दत्त, धर्मेन्द्र, सचिन और रंजीत सामिल रहे।



एनजीएफ के एनएसएस शिविर में दिया बेटी बचाओ का संदेश
पलवल। एनएसएस कैंप में एनजीएफ डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने गांव में जाकर नुकड़ नटक के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। उन्होंने बहुत ही सुंदर तरीके से प्रस्तुति कर एक एक पहलू को बारीकी से बताया कि किस तरह आज भी बेटी को बोझ समझा जाता है। कहीं न कहीं बेटियों की शिक्षा इसके लिए अत्यंत आवश्यक है। शिक्षित परिवार ही बेटियों को बचाकर, पढ़ाकर समाज में सकारात्मक परिणाम दे सकता है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ संदेश के साथ उन्होंने एक नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने बहुत ही ध्यान से देखा और एनजीएफ कॉलेज को इस पहलू की सहारना की व कॉलेज के सीईओ अश्वनी प्रभाकर का धन्यवाद किया। इस मौके पर गांव के सरपंच ललित भी मौजूद रहे। रेडियो एनजीएफ पलवल की निदेशक दीप्ति शाह के अलावा समस्त रेडियो टीम ने भाग लिया। डिग्री कॉलेज से डॉन डॉ. नेहा शर्मा, राजकुमार सहित अन्य अध्यापक मौजूद रहे।



संस्कार बनने पर 24 घंटे फ्री बिजली देगी आम आदमी पार्टी
फरीदाबाद। हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला के हर दावे फेल होते जा रहे हैं। कई वर्ष पहले बिजली मंत्री ने कहा था कि प्रदेश में कई हजार गांव में 24 घंटे बिजली दी जा रही है, लेकिन जमीन पर उनके सभी दावे खोखले साबित हो रहे हैं। यह कहना है आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारणी के सदस्य धर्मवीर भड़ना का, जिन्होंने शनिवार धौज बिजली दफ्तर के बाहर प्रदर्शन करते हुए बताया कि एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के गांव सिरौही में पिछले तीन दिनों से बिजली नहीं आ रही है। सैकड़ों ग्रामीण बहुत परेशान हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण बिजली दफ्तर के चक्कर काट काटकर थक गए हैं, लेकिन उनकी कोई नहीं सुनता। उन्होंने कहा कि कई अन्य गांव का भी यही हाल है। उन्होंने कहा कि धौज के आसपास के दर्जन गांवों के साथ खट्टर सरकार लगातार भेदभाव कर रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सरकार बुरा फेल रही है। ग्रामीण सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पर मजबूर हैं। सरकार विकसित भारत संकल्प यात्रा नाम की नौटंकी कर रही है। लोगों की समस्याएं जस की तस हैं। प्रदर्शन के दौरान बिजली विभाग के जेई महेश ने धर्मवीर भड़ना को आश्वासन दिया कि कल तक ग्रामीणों की समस्या दूर कर दी जाएगी। इस मौके पर धर्मवीर भड़ना ने ग्रामीणों से कहा कि 2024 में हरियाणा में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। आप सबको 24 घंटे बिजली मिलेगी, वह भी फ्री में मिलेगी। प्रदर्शन में मुस्तफा, रती, जुबेर, मारु, बुद्धन, मुबीन, इमाम, साहिल, जुनैद, रफीक, जुमा, आमिर, आशिक, जाकिर शाहिद, आन सहित कई ग्रामीण शामिल थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदान किए जाएंगे पुरस्कार

पलवल। हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं से राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदनों की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2023 तक है। डीसी नेहा सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को अनेक प्रकार के पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है और यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आठ मार्च को प्रदान किए जाते हैं। नेहा सिंह ने बताया कि इन पुरस्कारों में सुधमा स्वराज अवॉर्ड के तहत प्रशस्ति पत्र व शॉल के साथ पांच लाख रुपये, इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के तहत एक लाख 50 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार के तहत एक लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, बहन शानो देवी पंचायती राज पुरस्कार के तहत एक लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, लाइफ टाइम अचिवमेंट पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपये तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया जाता है। इसके अतिरिक्त एएनएम/महिला एमपीएचडब्ल्यू (दो पुरस्कारों) के तहत 21 हजार रुपये व प्रशस्ति पत्र, महिला खिलाड़ी पुरस्कार के तहत 21 हजार रुपये व प्रशस्ति पत्र, साक्षर महिला समूह सदस्य (दो पुरस्कार) के तहत 21 हजार रुपये व प्रशस्ति पत्र, सरकारी कर्मचारी (दो पुरस्कार) के तहत 21 हजार रुपये व प्रशस्ति पत्र और सामाजिक कार्यकर्ता (दो पुरस्कार) के तहत 21 हजार रुपये व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।



नयन से नीर बहता है, हृदय में पीर उठती है....

● कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

संवाददाता। सोनभद्र

मानस यज्ञ समापन के बाद अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन रामलीला समिति चुरक के तत्वाधान में किया गया। वाणी वंदना ईश्वर विरागी ने किया तदुपरान्त वादेवी सरस्वती पूजा की अर्चना गीतम भाद्राज कथा वाचक अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश पंथी ओम प्रकाश यादव प्रदुमन तिवारी नगर पंचायत अध्यक्ष मीरा यादव व संचालक दिलीप सिंह दीपक द्वारा माल्यार्पण व कवियों का अभिनंदन किया गया, ओज व राष्ट्रवाद के मुखर स्वर प्रदुमन तिवारी ने करुणा से कविता का उद्गम को रेखांकित करते हुए, नयन से नीर बहता है हृदय में पीर उठती है, किसी दुष्कृत के खारिज शकुलला जब भी रोती है। तभी कवि की मुखर वाणी संवेदनशील भावों से, कोई कविता उतरती है और जन



कल्याण करती है सुनाया वाहवाही लुटी। कवि यथार्थ विष्णु प्रभात सिंह चंदेल शायर अशोक तिवारी जयराम सोनी अब्दुल हई कवियत्री कौशल्या चंदौली से पथारे मनोज मधुर ने कई रचनाओं का वाचन मिर्जापुर से आये नरसिंह साहसी गोरखपुर से आई श्रेष्ठ

कवियत्री अनुपमा वाणी अजय चतुर्वेदी काका राकेश शरण दयानंद दयालु, दिनेश चौबे दिलीप सिंह दीपक दिवाकर मेघ ने काव्य पाठ करवाया। अध्यक्षीय काव्य पाठ करते हुये श्रृंगार का गीत, तुम्हारी आंख का काजल सिंदूरी हो न जाये, इसलिए

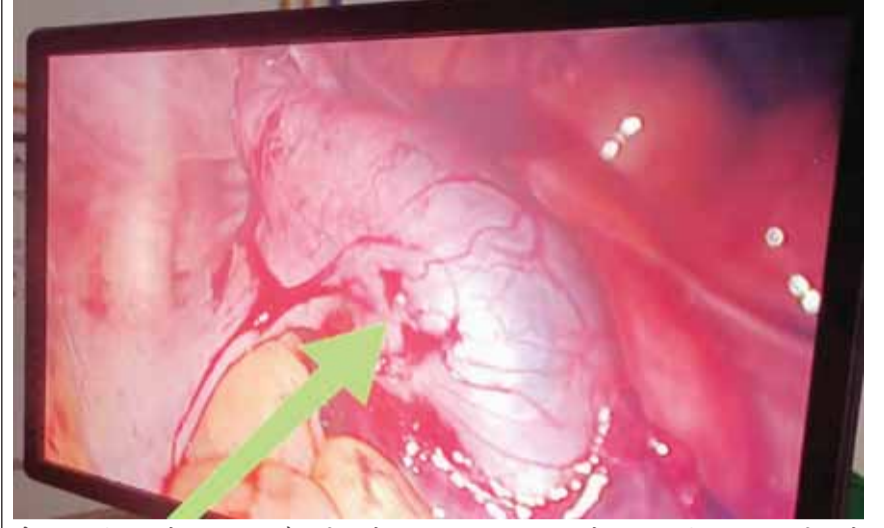
यहां में गा रहा हूँ, करतल ध्वनियों के बीच सुनाकर पूर्णता प्रदान किये और आयोजन स्थगित किया गया। इस अवसर पर शुभ्री सेठ राजन सिंह ब्लाक प्रमुख संजय जायसवाल संजय सिंह सूरज चंद्रवंशी अंशु खत्री आदि सैकड़ों लोग देर शाम तक जमे रहे।

नई शिक्षा नीति से तनावमुक्त होंगे छात्र: डॉ. प्रियंका

संवाददाता। फतेहपुर

सेंट जेवियर्स हाईस्कूल में भारत सरकार की नई शिक्षा नीति को लागू किए जाने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रधानाचार्या डॉ. प्रियंका गुप्ता ने नई शिक्षा नीति के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में दस प्लस 2 के फर्मेंट को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। अब इसे दस प्लस 2 के स्थान पर 5 प्लस 3 प्लस 3 प्लस 4 फर्मेंट में ढाला गया है। नई नीति में यह भी कहा गया है कि बोर्ड परीक्षाओं में अधिक अंक लाने हेतु छात्रों में होड़ लग जाती है जिससे छात्र कोचिंग सेंटर पर निर्भर हो जाते हैं। ऐसे में बोर्ड परीक्षा को आसान बनाया जाएगा। इसके अलावा छात्र-छात्राएं अपने मनपसंद आर्ट्स, कामर्स, साइंस स्ट्रीम के विभिन्न विषय रूचि के अनुसार पढ़ सकते हैं। छात्र-छात्राओं के बीच कविता, नाप फायर कुकिंग, डॉस, जंबा डॉस, आर्ट एंड क्राफ्ट, संगीत आदि गतिविधियों का आयोजन कराया गया। जिससे शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा को अत्यधिक व्यवहारिकतागत बनाये जाने पर बल दिया जा रहा है। ताकि छात्र-छात्राएं अधिक रूचि से शिक्षा ग्रहण कर सकें। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर प्रबंधक नितेश कुमार ने प्रधानाचार्या की सराहना की। इसी के साथ नये सत्र हेतु छात्र-छात्राओं के प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

सीएमओ ने सूझबूझ से महिला की जटिल सर्जरी कर बचायी जान



सोनभद्र।

हिण्डालको अस्पताल के सीएमओ डॉ. भास्कर दत्ता ने अपनी सूझ बूझ से समय पर ऑपरेशन कर एक महिला की जान बचाई। हिण्डालको रेणुकुट के पॉट रूम में कार्यरत राजेश कुमार यादव की पत्नी सरोज यादव के पेट में कई दिनों से दर्द बना हुआ था। जब मरीज ने हिण्डालको अस्पताल के स्त्री रोग विभाग की डॉ. प्रेमलता तथा डॉ. अभिलाषा को दिखाया तो उन्होंने महिला मरीज को तत्काल अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी। रिपोर्ट आने पर पता चला कि महिला की बच्चेदानी की ट्यूब में ही प्रेगनेंसी हो गई है उसी में बच्चा बड़ा हो रहा है। बात यहां तक खत्म नहीं हुई बल्कि महिला की हालत तब और गंभीर हो गई ट्यूब में बच्चा बड़ा होने की वजह से ट्यूब फट गई और बहुत

ज्यादा रक्त स्राव हो रहा था। जिस कारण मरीज को असहनीय पीड़ा का सामना करना पड़ रहा था। ऐसी परिस्थिति में डॉक्टर दत्ता ने बिना समय गवाए डॉ. प्रेमलता से बात की और मरीज का ऑपरेशन दूरबीन विधि से करने की सलाह दी। मरीज की सहमति मिलने के बाद डा. दत्ता ने एक अत्याधुनिक मशीन हार्मोनिक की सहायता से मात्र तीन छिद्र करके इसका सफल ऑपरेशन किया। डॉ. दत्ता ने दूरबीन विधि से बच्चेदानी के ट्यूब में बढ़ते हुए बच्चे का सफल ऑपरेशन कर मरीज की जान बचाई। गौरवलेख है कि ज्यादातर यह ऑपरेशन पेट चीर कर किया जाता है, लेकिन डा. दत्ता ने मात्र तीन छिद्र के माध्यम से ऑपरेशन कर मरीज की जान बचाई और दर्द से भी निजात दिलाया।

श्रीराम के धार्मिक और साहसी जीवन को किया गया जीवंत

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के धार्मिक और साहसी जीवन को जीवंत करते हुए सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के श्रीमद रामायण ने इस कालातीत महाकाव्य को फिर से रचा है और इसे दर्शकों के दिल और दिमाग में दोबारा जीवंत किया है। लाखों लोगों के जीवन में भक्ति और आस्थात्मकता की नई लहर प्रवाहित करते हुए निर्माताओं ने दर्शकों के अनुभव को बढ़ाने और गूँज पैदा करने के लिए श्री राम रथ को अरोपण किया है। श्री राम रथ को प्रयागराज में देखा जा सकता है और जब यह शहर के प्रसिद्ध स्थानों की

यात्रा कर रहा होगा तो इसका अनूठा डिजाइन दर्शकों को एक दिव्य अनुभव देगा। 28 दिसंबर से 29 दिसंबर के बीच यह रथ प्रयागराज के प्रसिद्ध स्थानों जैसे बड़े हनुमान मंदिर अलोपी मंदिर चुंगी आनंद भवन कंपनी बाग बैरहना दारगंज सहित अन्य स्थानों पर पहुंचेगा। श्री राम लक्ष्मण माता सीता और भगवान हनुमान की मूर्तियों को रथ में रखा गया है और एक पॉइंट जी समय समय पर श्रीराम स्तुति करेंगे और आशीर्वाद के रूप में प्रसाद बांटेंगे। अपने शहर में श्री राम रथ अवश्य देखें और श्रीमद रामायण के साथ इस दिव्य भावना को अपनाएं जिसका प्रीमियर एक जनवरी को होगा और

प्रत्येक सोमवार से शुक़रवार रात नौ बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा। रथ में उन लोगों के लिए एक राम नाम पुस्तक भी है जो इस पूजनीय देवता की शक्ति में विश्वास करते हैं और पुस्तक में उनका नाम लिखना चाहते हैं। पूरे भारत में दर्शकों को आकर्षित करने के लिए तैयार शो में सुजाय रेड मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की भूमिका में हैं। प्राची बंसल माता सीता की भूमिका में हैं। बसंत भट्ट लक्ष्मण की भूमिका में हैं निकितिन धीर लंका के दुर्जेय राजा रावण की भूमिका में हैं और निर्भय वाधवा भगवान हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं। जबकि अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता। फतेहपुर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम सी. इंदुमती ने समस्त एमओवाईसी को उक्त निर्देश देने के साथ मुख्य चिकित्साधिकारी को निगरानी का जिम्मा सौंपा। स्वास्थ्य विभाग के सभी पैरामीटर्स की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी प्रसव केंद्रों को आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया जाये इसके लिए सभी एमओवाईसी अपने-अपने क्षेत्र के प्रसव केंद्रों में क्या-क्या आवश्यकता है की कार्य योजना व सुझाव से अवगत कराए। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष कितने प्रसव हुए

जिसमें बालक-बालिका है की रिपोर्ट से अवगत कराए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं की सभी जांचे समय से किए जाने के साथ ही हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को संवेदनशीलता के साथ सभी अनुमत्य स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि अपने स्तर से चिकित्साधिकारियों, कर्मचारियों की समय-समय पर बैठक करें। साथ ही अपना पर्यवेक्षण बनाए रखें। आरसीएस पोर्टल पर पीडिंग समय से पूरी करें। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत जिन लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड नहीं बने हैं उनके गोल्डन कार्ड बनवाए जाएं।

हृदय-किडनी की कार्यप्रणाली में देखा गया सुधार

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

चिकित्सा के क्षेत्र में दिल्ली के अपोलो अस्पताल ने एक बार फिर बड़ी कामयाबी हासिल की है। डॉक्टरों की पहली बार रोबोट के जरिए मरीज की एओर्टिकवाल्व रिप्लेसमेंट कार्डियक सर्जरी में सफलता हासिल हुई। नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के कार्डियोलॉजी और कार्डियो थोरेसिक सर्जरी के सलाहकार डॉ. एमएम यूसुफ और डॉ. वरुण बंसल ने बताया हमारे लिए यह एक बेहद चुनौतीपूर्ण मामला था क्योंकि मरीज की हालत तेजी से बिगड़ रही थी। उसे और भी कई दिक्कतें थीं जिनके रहते हुए रोबोटिक असिस्ट, वीआर, ऑर्टिकवाल्व रिप्लेसमेंट सबसे अच्छी और सबसे कमजोर खिर भरी कार्डियक सर्जिकल

● रोबोट के जरिए मरीज की एओर्टिकवाल्व रिप्लेसमेंट कार्डियक सर्जरी में सफलता हासिल हुई

प्रक्रिया को अपनाया गया। यह शल्य चिकित्सा विशेषज्ञता और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के बीच एक सहजीवन का उदाहरण है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से मरीज को बड़ा चीरा लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इससे मरीज का रक्तस्राव कम होता है और उसकी रिकवरी भी काफी तेजी से होती है। बरेली के युवा रोगी से यह देखा जा सकता है कि 26 अक्टूबर को भर्ती होने वाला रोगी पूरी प्रक्रिया के बाद एक नवंबर को सकुशल अपने घर लौट गया। उस दौरान रोगी के हृदय और किडनी की कार्यप्रणाली में सुधार देखा गया। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी एक 29 वर्षीय मरीज को गंभीर हालत में दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहाँ मरीज को गंभीर महा धमनी वाल्वरिजिटेशन हृदय वाल्व रोग का पता चला जिसके लिए डॉक्टरों ने रोबोटिक सहायता वाली वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी की। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी यह उपलब्धि रोगी देखभाल में अपोलो की उन्नत चिकित्सा प्रौद्योगिकी की क्षमता को उजागर कर रही है। डॉक्टरों ने बताया कि जब मरीज को अस्पताल लाया गया तब सांस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द की शिकायत थी। चिकित्सा निदान करने पर गंभीर एनीमिया कम हीमोग्लोबिन किडनी की समस्या और हृदय की कार्यशीली मंद पाई गई।

श्रीकृष्ण और रुक्मणी विवाह पर निकली गाजे-बाजे संग बारात

संवाददाता। बिंदकी/फतेहपुर

सामंजस्य, संयम और अनुशासन के साथ परम्पराओं का सम्यक रूप से निर्वहन कर घर को तीर्थ बनाया जा सकता है। संवाद, पारस्परिक स्नेह और एकात्मता और प्रीति विवर्धन होता है। परिवार तथा समाज को तीर्थ बनाने के लिए हमे प्यार से रहना होगा। उक्त बातें बिंदकी नगर के बैलाही बाजार मूला देवी पार्क में चल रही श्रीमदभागवत कथा में आचार्य विष्णु गोस्वामी जी महाराज ने कही। षष्ठम दिवस कथा करते हुए आचार्य ने रूममणि विवाह, रास पंचाध्यायी लीलाओं के प्रसंग सुनाये। उन्होंने

बताया कि माता रुक्मणी ने भी समर्पण भाव से श्री कृष्ण को याद कर सर्वस्व मान कर विवाह निवेदन किया जिसके बाद श्री कृष्ण ने लीला माता रुक्मणी से विवाह किया। इस अवसर पर भूमधाम से श्री कृष्ण की बारात निकाली गई। कृष्ण-रुक्मणी विवाह की झांकी सजाई गई। आयोजक श्री बालाजी सेवा न्यास के अध्यक्ष लक्ष्मीचंद्र मोना ओमर, अनूप गुप्ता, संजय गुप्ता, विमलेश ओमर, आलोक गौड़, अनूप अग्रवाल, रिंकू तिवारी, अंशुल गुप्ता, राघव ओमर, रामेश्वर दयालू गुप्ता, रामेश्वर गुप्ता, शरद ओमर, आदर्श चौहान, नमिन ओमर, पार्थ, महेंद्र, विकास आदि रहे।

वाराणसी और तमिलनाडु के सांस्कृतिक संबंध को प्रगाढ़ करने का प्रयोग काशी-तमिल संगमम: मंत्री

भाषा। वाराणसी

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने शनिवार को कहा कि काशी-तमिल संगमम भारत के दो ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों को फिर से सुदृढ़ करने का एक प्रयोग है। मंत्री ने 17 दिसंबर को शुरू हुए काशी-तमिल संगमम के दूसरे संस्करण के समापन समारोह में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि काशी तमिल संगमम प्राचीन और आधुनिक तत्वों के समिश्रण को रेखांकित करता है और भारत के दो ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बीच सदियों पुराने संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए सांस्कृतिक संगम का एक प्रयोग



है। उन्होंने कहा, यह संदेश देता है कि हमारी समृद्ध संस्कृति एक अद्वितीय मिश्रण है जो दुनिया भर में तेजी से हो रही प्रगति को अपनाते हुए हमारे देश की परंपराओं के सार को संरक्षित करती है। 14 दिवसीय कार्यक्रम में तमिलनाडु और पुडुचेरी के 1,400

प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिनिधियों को देश की सात पवित्र नदियों के नाम पर समूहों में विभाजित किया गया था और प्रत्येक में 200 सदस्य शामिल थे। छात्रों के समूह को गंगा, शिक्षकों के समूह को यमुना, पेशेवरों के समूह को गोदावरी नाम के समूह में रखा गया था। आध्यात्मिक समूह को सरस्वती, किसानों और कारीगरों के समूह को नर्मदा, लेखकों के समूह को सिंधु और व्यापारियों और व्यवसायियों के समूह को कावेरी में विभाजित किया गया था। संगमम में हिस्सा लेने के लिए आठ दिसंबर तक 42,000 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1,400 लोगों का चयन एक समिति द्वारा किया गया था।

भाषा। वाराणसी वाराणसी में तीन ब्लॉकों के 1,364 आंगनवाड़ीयों में 50,000 बच्चों को मोटे अनाज से बनी कैंडी बार देने की एक पायलट पहल ने बाल कुपोषण को दूर करने में मदद की है। वाराणसी प्रशासन पीएम नरेन्द्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र में वेदांता लिमिटेड की एक सीएसआर शाखा- अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के साथ मिलकर मिलेट्स-बार पहल को लागू कर रहा है। वर्ष 2023 में मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के मद्देनजर इसकी शुरुआत की गई। वाराणसी जिले के नौ ब्लॉकों में इस समय कुल 3,914 आंगनवाड़ी केंद्र हैं। मिलेट्स-बार पहल को तीन ब्लॉकों - आराजीलाइन, काशी

विद्यापीठ और सेवापुरी के 1,364 आंगनवाड़ी केंद्रों में शुरू किया गया था। इनमें नंद घर कहे जाने वाले 264 आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्र भी शामिल थे। यह पहल एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना के माध्यम से शुरू किए गए सरकार के पोषण कार्यक्रम की पूरक है। इसके तहत आमतौर पर आंगनवाड़ी बच्चों और गर्भवती तथा स्तनपान कराने वाली माताओं को पका हुआ भोजन दिया जाता है। वाराणसी जिले के मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने कहा, हम जिले में बाल कुपोषण को दूर करने के लिए कई पहल कर रहे हैं। वेदांता के साथ मिलकर तीन ब्लॉकों में आंगनवाड़ीयों में मिलेट्स-बार का वितरण उनमें से एक है। इससे

निश्चित रूप से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार और उपस्थिति बढ़ाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि चूंक 2023 अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष है, इसलिए प्रधानमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में यह पहल शुरू की गई। उन्होंने कहा कि वाराणसी जिले में, नवंबर 2023 में गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएमएम) वाले बच्चे 0.6% और मध्यम तीव्र कुपोषण (एमएमएम) वाले बच्चे दो प्रतिशत पर आ गए हैं। नागपाल ने कहा कि 2019 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार एसएमएम 7.3% और एमएमएम 14 प्रतिशत था। उन्होंने बताया कि शेष पांच ब्लॉकों में भी स्थानीय प्रशासन ने पिछले महोने से अन्य निजी कंपनियों की सीएसआर परियोजनाओं के तहत ऐसी ही पहल शुरू की है।

काशी तमिल संगमम हमारी विविध पहचान का उत्सव है: सुभाष सरकार

भाषा। वाराणसी

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने कहा है कि काशी और तमिलनाडु के बीच संबंधों को फिर से तलाशने से बौद्धिक और व्यावहारिक दोनों क्षेत्रों में ज्ञान के भंडार का निर्माण हो सकता है और काशी तमिल संगमम हमारी विविध पहचान का उत्सव है। उन्होंने शुक़रवार को यहां काशी तमिल संगमम में शामिल होने के लिए अपनी यात्रा के दौरान यह टिप्पणी की। काशी तमिल संगमम के जरिए लोगों को तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों के बारे में जानने का मौका मिला है। मंत्री ने कहा, काशी तमिल संगमम एक भारत की भावना को आगे बढ़ाता है। काशी और तमिलनाडु के बीच संबंधों को फिर से तलाशने से बौद्धिक और व्यावहारिक दोनों क्षेत्रों में ज्ञान के भंडार का निर्माण हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह आदान-प्रदान हमारी विविध पहचान और उन्हें संरक्षित करने की प्रतिबद्धता का उत्सव है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित द्वितीय काशी-तमिल संगमम की शुरुआत 17 दिसंबर को हुई थी और यह शनिवार को संपन्न



होगा। काशी तमिल संगमम के दूसरे संस्करण के दौरान तमिलनाडु और पुडुचेरी के 1,400 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। देश की सात प्रमुख नदियों के नाम पर समूहों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक में 200 सदस्य शामिल हैं। इनमें छात्रों के समूह को गंगा

नाम दिया गया है, जबकि शिक्षकों के समूह को यमुना, पेशेवरों के समूह को गोदावरी, आध्यात्मिक समूह को सरस्वती, किसानों और दस्तकारों के समूह को नर्मदा, लेखकों के समूह को सिंधु और व्यवसायियों के समूह को कावेरी नाम दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, संगमम में भाग लेने के लिए आठ दिसंबर तक 42 हजार से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1,400 लोगों का चयन एक समिति द्वारा किया गया था। नमो घाट पर हथकरघा, हस्तशिल्प और व्यंजनों का प्रदर्शन करने वाली स्टॉल ने प्रतिनिधियों को तमिलनाडु और काशी की कला और संस्कृति के समृद्ध पहलुओं की जानकारी दी। काशी तमिल संगमम के दूसरे संस्करण में साहित्य, प्राचीन ग्रंथ, दर्शन, अध्यात्म, संगीत, नृत्य, नाटक, योग और आयुर्वेद पर व्याख्यान हुए। इसके अतिरिक्त नवाचार, व्यापार, ज्ञान विनिमय, शिक्षा तकनीक और आगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी पर संगोष्ठी हुई। पहला संस्करण पिछले साल आयोजित किया गया था, जो एक महोने तक चला था और इसमें तमिलनाडु के 2,500 से अधिक लोगों ने भाग लिया था।



अयोध्या में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को देखने जाते स्थानीय बच्चे

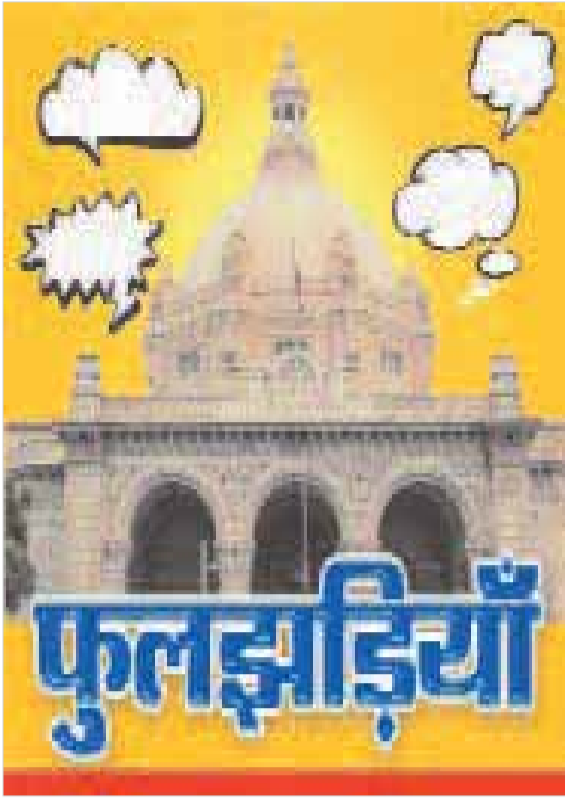
हम नहीं सुधरेंगे

भगवा सरकार के सहयोगी दल के एक मंत्रीजी गाहे-बगाहे चर्चा में बने रहते हैं। इसके पीछे उनके अथवा उनके विभाग की कोई उल्लेखनीय सफलता नहीं बल्कि उनकी खुद की कारगुजारी होती है। एक बार पहले भी वह उस समय चर्चा में आए थे जब उनका खुद का ईश्वर के रूप में पूजन कराते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिस पर उन्होंने सफाई दी थी कि वह तो उनके कार्यकर्ताओं की इच्छा, कि वह उन्हें इस प्रकार पूजते हैं। मंत्रीजी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उनका जो वीडियो वायरल हुआ है उसमें वह सीएम बनवा हुआ डाक्टर... के गाने पर अपने समर्थकों के साथ थिरकते हुए दिखाई दे रहे हैं। जानकारों का कहना है कि वीडियो उनके ही एक पारिवारिक समारोह के दौरान का है। वीडियो के वायरल होने के बाद उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनकी इच्छा है अपने नेता को बड़े पद पर देखना, और वो चाहते हैं कि उनके नेता समाज और प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें।



नंबर बढ़ाने की रेस

बड़े साहब के नजरों में आना है और नंबर बढ़ाना है। इसके लिए कुछ भी करना पड़े, सब मंजूर है। अपने दायित्वों के निर्वहन के साथ ही साथ भले ही झाड़ू लगानी पड़ जाए, उसके लिए भी तैयार है। शहर में बड़े साहब आने वाले हैं, इसकी सूचना लंबे समय से थी, फिर क्या था एक डिप्टी साहब झाड़ू लेकर निकाल लिए और शहर में सफाई में जुट गए। कहा पूरे शहर को साफ कर देंगे, गंदगी नहीं रहनी चाहिए। ऐसी स्थिति में दूसरे डिप्टी कैसे बैठे रहते हैं, वह भी झाड़ू लेकर निकाल पड़े और शहर की सफाई में जुट गए। बड़े साहब की नजरों में अपने नंबर बढ़ाने के चक्कर में, दोनों डिप्टी सारा काम काज छोड़कर बस झाड़ू लगाने में लग रहे। बड़े साहब के आने के एक दिन पहले भी दोनों डिप्टी एक साथ झाड़ू लगाते देखे गए। मानो दोनों में कंपटीशन चल रहा हो, कि कौन ज्यादा सफाई करता है। वैसे देखा जाए कंपटीशन होना भी चाहिए, क्योंकि पद के प्रमोशन में बड़े साहब का बड़ा हाथ होता है। यदि बड़े साहब की कृपा हो जाए तो उन्हें भी डिप्टी से बड़े बनने में देर नहीं लगेगी। ऐसी स्थिति में झाड़ू क्या यदि पोछा भी लगाना पड़ जाए तो भी जायज है।



मेरे सींग तो नहीं...

नगर निगम सदन में जब भगवा दल के एक वरिष्ठ पार्षद ने डॉ. साहब से कहा कि देखकर बताओ मेरे सींग तो नहीं हैं, तो आधे से ज्यादा हैरान हुए, तो कई के उठाके रकने का नाम नहीं ले रहे थे। अभी डॉ साहब कुछ समझ पाते कि फिर कार्यकारिणी में गुंजा कि डॉ. साहब आप को सत्यापित करना पड़ेगा कि मेरे सींग कहाँ हैं। पूर्व कार्यकारिणी उपाध्यक्ष व वरिष्ठ पार्षद ने यह कह कर अपनी नाराजगी कार्यकारिणी की बैठक में निकाली। यह सुनकर मैडम भी पहले मुस्कुरायीं, फिर पूछा आखिर माजरा क्या है? तब रुटे माननीय पार्षद ने कहा कि जलकल के एक साहब से मुझे पता चला कि मेरे सींग भी हैं। मैंने जन समस्याओं के लिए जलकल के साहब को फोन किया तो वे बुरा मान गए। उन्होंने समस्या को निस्तारित करने के बदले मुझसे अभद्रता करते हुए कहाँ बीच में सींग न अड़ाओ। अब इसका सत्यापन अपर नगर आयुक्त डॉ साहब ही कर सकते हैं। इस बात को कबिल पार्षद ने इतना घसीटा की जलकल के बड़े साहब ने हाथ जोड़कर कहा कि मेरी कुर्सी ले लो मेरी जान छोड़ दो। इस्तीफा देने के लिए जलकल के साहब तैयार हो गए। वहीं डॉ साहब मरते क्या न करते माननीय पार्षद के पास गए सिर खुजाते हुए कहा कि माननीय के सींग नहीं हैं।

भूत का असर

वे सिक शिक्षा वाले विभाग के साहब का ट्रांसफर जब से हुआ है, उनके भूत का असर अभी भी गुरुजी को डरा रहा है। साहब के जाने के बाद मैडम भी उसी तरह परफॉर्म कर रही हैं। अन्यथा, उनके ट्रांसफर के बाद गुरुजी ने चैन की सांस ली थी। यह सोच कर की अब उनकी नेतागिरी की दुकान फिर से चालू हो जाएगी लेकिन सारी सोच पर पानी फिर गया है। अभी हाल ही में एन बच्चों के नामांकन पोर्टल पर अपलोड न होने के कारण मैडम ने 61 जिलों को चेतावनी जारी की है। इसमें जिले के अधिकारियों की चूड़ी टाइट की गई है। अब जब अधिकारी टाइट हो गए हैं तो फिर गुरुजी की भी मुश्किल बढ़नी तय है क्योंकि जिले वाले साहब तो गुरुजी से ही काम कराएंगे। ऐसे में गुरुजी को साहब का डर अब भी बहुत डरा रहा है।



मोदी की मुस्कान पर फिदा हुई अयोध्या



पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

कड़क की टंड भी अयोध्यावासियों का होसला न डिगा सकी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीदार को समूची अयोध्या उमड़ पड़ी। रामनगरी में अभूतपूर्व स्वागत स्वागत से अभिभूत नरेंद्र मोदी ने भी शीश झुकाकर अयोध्यावासियों का अभिवादन किया। आलम यह रहा कि मोदी की मुस्कान पर फिदा रामनगरी ने गुलाब की पंखुड़ियों संग उनका स्वागत किया और मोदी-मोदी की गूंज से अयोध्या को गुंजायमान कर दिया। रास्तों में लगे फूलों की खुशबू में भी आज अलग ही महक थी क्योंकि अयोध्या के पुनर्विकास के नायक खुद यहां मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमन को लेकर अलग ही उमंग अयोध्यावासियों के मन में था। बच्चों हो या बुजुर्ग, महिलाएं हों या युवतियां, सभी पीएम मोदी की एक झलक पाने को आतुर दिखीं। धर्मपथ से लेकर रामपथ होते हुए अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पहुंचने के दौरान बच्चे भी जय जय श्रीराम के साथ मोदी-मोदी की गूंज करते रहे। पीएम मोदी ने भी बच्चों को निराश नहीं किया। वे भी यहां के लोगों का अभिवादन करते रहे। रोड शो में पीएम मोदी के चेहरे पर मुस्कान रही, जिसने समूचे अयोध्यावासियों का दिल जीत लिया। मोदी की मुस्कान पर फिदा अयोध्या में मोदी-मोदी की गूंज सुनाई दी। अयोध्या की सड़कों पर मोदी का यह स्वागत और भी महत्वपूर्ण हो गया क्योंकि इसके बाद मोदी जब आएंगे तो रामलला को उनके दिव्य-भय मंदिर में विराजमान करेंगे। यूं तो पूरे रोड शो के दौरान पीएम पर जोरदार पुष्पवर्षा हुई लेकिन लता चौक पर भी साधु-संतों ने पीएम मोदी पर पुष्पवर्षा भी की और उन्होंने आशीर्वाद भी दिया। अयोध्या की नई पहचान बन चुके लता चौक पर भी आम जनमानस की भीड़ ने जोरदार स्वागत किया। यहीं से पीएम अयोध्या रेलवे स्टेशन के लिए मुड़े तो यहां फूलों से बनी गणपति की छवि काफी आकर्षित कर रही थी। वैसे, आज अयोध्या का श्रृंगार काफी अद्भुत था। जिसने

रामनगरी की सड़कों पर प्रधानमंत्री का हुआ अभूतपूर्व स्वागत, साधु संतों ने भी की पुष्पवर्षा

भी देखाए यह श्रृंगार देख मनमोह उठा। रास्ते-रास्ते में बने तोरणद्वार और संत-साधु और आमजन ने अपने मन में भी मोदी को बसा लिया। पीएम मोदी के रोड शो के दौरान कुल 50 मंच बनाए गए थे जिसमें 1400 से कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी। इसके अतिरिक्त लता चौक पर एक विशाल मंच बनाया गया था। यहां पीएम मोदी के काफिले

के साथ मथुरा, 'बम रसिया' के प्रदर्शन के माध्यम से छाप छोड़ी। इसके अतिरिक्त, मथुरा के लोकप्रिय 'मयूर' नृत्य ने भी कई मंचों को शोभा बढ़ाई। अयोध्या के कई ख्यात स्थानीय कलाकारों ने भी विभिन्न मंचों पर प्रस्तुतियां दीं। 'अवधी वनटांगिया और 'फरुवाही' समेत विभिन्न संस्कृतियों की लोक कला प्रस्तुतियों के रंगों से सजी अयोध्या में पलवल (हरियाणा) के 'बीन-बांसुरी' डांस और राजस्थान के चकरी डांस ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पुर्व एवं अयोध्या-आनंद विहार टर्मिनल के बीच 6 वें भारत एक्सप्रेस ट्रेन, अयोध्या-दरभंगा एच महलदा टाउन-बेंगलुरु के बीच 2 अमृत भारत ट्रेन की सौगात दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रेन के कोच में जाकर बच्चों से संवाद भी किया। बच्चों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी। किसी ने पीएम मोदी को कविताएं सुनाई तो किसी ने अपने संस्मरण भी बताए। पीएम ने हाथ हिलाकर बच्चों, कर्मचारियों का अभिवादन भी किया। पीएम ने भी बच्चों से हालचाल जाना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टेशन की सुविधाओं को भी देखा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे स्टेशन के बारे में बारीकी से जानकारी दी।

पीएम मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया नव्य अयोध्या धाम



हरी झंडी दिखाकर नई ट्रेनों को किया रवाना, कोच में बच्चों से भी किया संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

अयोध्या के इतिहास में 30 दिसंबर 2023 की तिथि स्वर्णाक्षरों में लिख दी गई जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को पुनर्विकसित अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की सौगात दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुनर्विकसित अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली, अमृतसर-नई दिल्ली, कोयम्बटूर-बेंगलुरु, मंगलूरु-मडगांव, जालना-

रामनगरी में सीएम योगी ने किया पीएम मोदी का स्वागत



पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

जहां अयोध्यावासियों ने उनका अभूतपूर्व स्वागत किया। शनिवार को यहां पहुंचने पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीके सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश आनंद, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह समेत प्रदेश सरकार के कई मंत्री भी मौजूद रहे।

अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के लोकार्पण के उपरांत वापस एयरपोर्ट लौटते समय प्रधानमंत्री सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर चौक गए। गौरतलब है कि लता मंगेशकर के जन्मदिवस पर 28 सितंबर 2022 को इसका उद्घाटन किया गया था। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वचुंअल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में मौजूद थे। यहां 14 टन वजनी व 40 फीट लम्बी वीणा लगाई गई है। शनिवार को यहां वीणा के पास पहली बार पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाव विभोर हो गए। उन्होंने वीणा को निहारकर यहां की अलौकिक छवि का दीदार किया। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इसकी विस्तृत

लता मंगेशकर चौक की सुंदरता देख पीएम हुए भाव विभोर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

जानकारी भी ली। उन्होंने अयोध्या के समूचे जनमानस का यहीं से अभिवादन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यहां देख जनता भी अभिभूत हो गई। यहां प्रभु पुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के सुरों में श्रीराम के भजन भी गूंज रहे थे।



अयोध्या में मीरा के घर अचानक चाय पीने पहुंचे पीएम मोदी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

पीएम नरेंद्र मोदी की छवि ऐसे जनप्रिय नेता की है, जो सीधे जनता से संवाद करते हैं। इस बात की झलक शनिवार को अयोध्या में भी देखने को मिली, जब वे पीएम उज्वला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी के घर अचानक पहुंच गए। पीएम ने योजना की लाभार्थी के आवास पर चाय भी पी और उनसे संक्षिप्त बातचीत की। पीएम का यह कार्यक्रम पहले से निर्धारित नहीं था। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मीरा के घर अचानक पहुंचने पर पूरी बस्ती के लोग हैरान रह गए। पीएम के



पहुंचने पर पूरा क्षेत्र मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठा। इस दौरान पीएम मोदी ने मीरा के हाथों की बनी चाय पी और कहा कि चाय अच्छी है मगर थोड़ी मीठी हो गई है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने परिवार व पूरी बस्ती के बारे में हाल-चाल जाना।

अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाभार्थी मीरा के परिवारवालों से भी मिले। इस दौरान पीएम मोदी ने योजना के लाभ के बारे में जानकारी ली। इस पर मीरा ने पीएम मोदी से कहा कि मुझे फ्री में गैस और आवास मिल गया है। वह बोलीं पहले मेरा कच्चा घर था



पर अब पक्का हो चुका है। उन्होंने कहा कि आपके घर आने से बहुत खुशी हुई है। इस दौरान मीरा के परिवार से पीएम मोदी ने लगभग 10-15 तक बात की। मीरा ने कहा कि मुझे आज बहुत खुशी हो रही है। इस मौके पर पीएम मोदी ने एक बच्चे को ऑटोग्राफ भी दिया।

प्रधानमंत्री आए तो खुल गए माग्य, मिली आयुष्मान कार्ड की स्वीकृति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

उज्वला योजना की लाभार्थी मीरा के लिए शनिवार जीवन में बड़ी खुशियां लेकर आया। दोपहर में मीरा के घर अचानक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचने के बाद शाम को मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या के कमिश्नर गौरव दयाल और जिलाधिकारी नीतीश कुमार मुख्यमंत्री जन आरोग्य बीमा योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड प्रदान किया जाय। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जल्द ही उन्हें इस योजना से आच्छादित कर दिया जाएगा।

कार्यालय से प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को निर्देश जारी हुआ कि मीरा को मुख्यमंत्री जन आरोग्य बीमा योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड प्रदान किया जाय। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जल्द ही उन्हें इस योजना से आच्छादित कर दिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्रियों ने की पीएम के विजन व सीएम के कुशल क्रियान्वन की जमकर तारीफ

महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट के जरिए अयोध्या अब देश-दुनिया से जुड़ी: ज्योतिरादित्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

दिव्य, नव्य व भव्य अयोध्या के त्रेतायुगीन वैभव को लौटाने का जो संकल्प पीएम नरेंद्र मोदी ने लिया उसे उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के कुशल क्रियान्वन में पूर्ण किया जा रहा है। शनिवार को अयोध्या में हुई जनसभा में 15700 करोड़ की परियोजनाएं देश को समर्पित करने के दौरान जनसभा कार्यक्रम में संबोधन करते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व केंद्रीय नागर विमानन व उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने संबोधन में पीएम के विजन और सीएम योगी के कुशल क्रियान्वन की जमकर तारीफ की। दोनों ही मंत्रियों ने अपने संबोधन में कहा कि अयोध्या के इतिहास में 30 दिसंबर की तारीख

अयोध्या में दिख रहा विरासत और विकास का अनूठा संगम: अश्वनी वैष्णव स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गई है। 30 दिसंबर 2023 की तारीख विकास के प्रतिमान स्थापित करने के साथ ही पीएम मोदी के विजन और सीएम योगी के कुशल क्रियान्वन के लिए भी जाना जाएगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि आज अयोध्या विश्व से जुड़ रही है। 22 जनवरी के पूर्व 30 दिसंबर की तिथि भी अयोध्या जी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पीएम के विजन के कारण अयोध्या में विकास की बयार बह रही है। पीएम द्वारा आज अयोध्या धाम स्टेशन का उद्घाटन किया गया जो अयोध्या की विरासत को सहेजने के साथ ही नई सुविधाओं से लैस करने की प्रक्रिया को दर्शाता है। इसी प्रकार 6 वें भारत व 2 अमृत भारत ट्रेनें आज भारत को समर्पित की गई हैं। इनके जरिए अयोध्या समेत देश के विभिन्न कोनों को जोड़ा गया है। दिल्ली से वंदेभारत के ट्रेन के जरिए व पुश पुल टेक्नोलॉजी आधारित अमृत

भारत ट्रेन के जरिए माता सीता की स्थली अयोध्या से जुड़ चुकी है। केंद्रीय नागर विमानन व उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिवस ऐतिहासिक दिवस है। हजारों वर्षों के इंतजार की अब घड़ी अब खत्म होने जा रही है। 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीविग्रह को स्थापित करने का कार्य पूर्ण होगा जो सूर्यवंश समेत अयोध्या के वैभव लौट आएगा। भारत अब दुनिया में आर्थिक नक्षत्र के तौर पर उभर रहा है तो वहीं पीएम मोदी का प्रयास है कि भारत की आध्यात्मिक शक्ति से भी दुनिया अगवात हो। चाहे देवघर एयरपोर्ट हो, वाराणसी का एयरपोर्ट हो, महाकाल की नगरी उज्जैन की इंदौर एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी हो, पीएम के विजन के अंतर्गत देश के आध्यात्मिक केंद्रों को एयरपोर्ट व रेलवे स्टेशन के नेटवर्क के जरिए देश-दुनिया से जोड़ा जा रहा है।

बच्चों से हालचाल लेना नहीं भूले सीएम योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बालप्रेम किसी से छिपा नहीं है। शूंवार को अयोध्या आमन पर भी सीएम ने रामपथ पर बच्चों से हालचाल जाना था तो शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब अयोध्या पहुंचे तो यहां भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के बच्चों से मिलने लगे।



सर्द मौसम में बच्चे अपने बीच योगी आदित्यनाथ को पाकर विह्वल हो गए। सीएम ने बच्चों से पहले

नाम पूछा, फिर बोले-स्कूल जाते हो, क्या-क्या पढ़ाई करते हो। यह प्रश्न सुनकर मुस्कुराते बच्चों ने सीएम के प्रश्नों का जवाब भी

दिया। सीएम ने यहां कई बच्चों से बातचीत की।

अगले 25 साल में वैशिव मंच पर प्रमुखता से उभरेगा भारत : शाह

भाषा । अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अयोध्या के राममंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा एवं देश के अमृतकाल की शुरुआत मजह एक संयोग नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि देश अगले 25 साल में वैश्विक मंच पर प्रमुखता से उभरेगा। अमृतकाल भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष से 100 वर्ष तक की 25 वर्ष की अवधि को संदर्भित करता है। अयोध्या में अगले महीने होने वाले भव्य समारोह के बारे में शाह ने कहा कि पिछले कई वर्षों से देश उस स्थान पर मंदिर बनाने में असफल रहा, जहां भगवान राम का जन्म हुआ था और जिसे 550 साल पहले ध्वस्त कर दिया गया था।

शाह ने कहा, इन वर्षों में, कई संतों ने विभिन्न तरह की तपस्या की और इस देश को जागृत करने और अपनी वर्षों पुरानी, सनातन संस्कृति की ओर लौटने के लिए प्रार्थना की, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था। स्वामीनारायण गुरुकुल विश्व विद्या प्रतिष्ठानम (एसजीवीपी) की ओर से आयोजित पूज्य पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, (अवलती) मामलों को जटिल बनाया गया और इसमें देरी की गई। इसके बाद नरेंद्रभाई के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ और संतों के आशीर्वाद और प्रेरणा से सभी रास्ते आसान हो गए और 22 जनवरी को रामलला अपने घर में एक बार फिर से विराजेंगे। उन्होंने कहा, प्रभु श्री राम के मंदिर की पुनर्स्थापना और भारत के अमृतकाल को शुरुआत, यह इशारा है कि यह भारत का स्वर्णिम समय है और अगले 25 साल में हमारा देश विश्व में सर्वप्रथम बने



स्वामीनारायण गुरुकुल विश्व विद्या प्रतिष्ठानम की ओर से आयोजित पूज्य पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 22 जनवरी को एक शुभ मुहूर्त में अयोध्या के मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। शाह ने कहा, आज पूरे विश्व में हमारे योग और आयुर्वेद को स्वीकृति मिल रही है और हमारे वेदों, उपाधिपदों और दर्शन के सभी वैज्ञानिक दृष्टिकोणों को समझने के लिए पूरा विश्व लालायित है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी 22 जनवरी को अयोध्या जाएंगे और वहां संतों की उपस्थिति में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे, यह पूरे देश के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि सिर्फ अयोध्या ही नहीं, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर पुनर्निर्मित हुआ है, उज्जैन में महाकाल लोक बना है, बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण हुआ है, सोमनाथ के मंदिर को फिर से एक बार सोने का

बनाने की शुरुआत हो चुकी है और गुजरात के पावागढ़ पर सालों बाद फिर से शक्तिपीठ की स्थापना भी होगी, यह शुरुआत एक शुभ संकेत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मोदी के नेतृत्व ने देश की आत्मा को जागने का काम किया है। उन्होंने कहा, दुनिया आज भारत की विरासत के बारे में जानने को उत्सुक है। अध्येत्य से लेकर आयुर्वेद तक, सामाजिक विज्ञान से लेकर सौर ऊर्जा तक, गणित से लेकर मेटावर्स तक और शून्य से लेकर अंतरिक्ष तक, सभी क्षेत्रों में पूरे विश्व में भारत का दबदबा है। शाह ने कहा, भारत को आजादी मिलने के बाद, भारत में आस्था रखने वाले लोगों को यह लगने लगा कि देश भारत बनने के अपने प्रयासों में दिशा खो चुका है और कहीं और जा रहा है। उन्होंने कहा, फिर मोदी प्रधानमंत्री बने और

पूरी दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही है। उन्होंने कहा, यह तनाव हर किसी के मन में सालों से था। राजनीति के अंदर इस दिशा को बदलने के लिए हम सभी भाजपा कार्यकर्ता 1950 से प्रयासरत रहे हैं। फिर एक दिन ऐसा आया, जब गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री (नरेंद्र मोदी) देश के प्रधानमंत्री बन गए। आज पूरी दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही है। गृहमंत्री ने कहा, नरेंद्र भाई ने कहा है कि भारत की आजादी के 75 वर्ष से लेकर 100 वर्ष तक का काल अमृतकाल होगा। उन्होंने कहा, 2047 में जब देश अपनी आजादी की शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, तब कोई ऐसा क्षेत्र नहीं होगा, जहां भारत दुनिया में पहले स्थान पर न हो। शाह ने कहा, गांध देश की जनता ने ऐसा भारत बनाने का संकल्प लिया है।

घर-गृहस्थी संभालते-संभालते लगातार दूसरी बार डिप्टी कलेक्टर चुनी गई सिम्मी यादव

भाषा । इंदौर(मप्र)

मध्य प्रदेश की राज्य सेवा परीक्षा 2019 में उम्मीदवारों के संघर्ष और सफलता की कहानियों में इंदौर की सिम्मी यादव (31) की कहानी सबसे अलग है। शादी के बाद पिछले सात साल से घर-गृहस्थी संभालने के साथ सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाली यह महिला लगातार दूसरी बार उप जिलाधिकारी (डिप्टी कलेक्टर) चुनी गई है।

सिम्मी ने शनिवार को पीटीआई-भाषा से कहा, मेरी शादी 2016 में हुई थी। शादी के साल भर बाद मैंने राज्य सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की और तमाम पारिवारिक चुनौतियों के बावजूद मेरे पति रहलु यादव ने इसमें मेरा पूरा साथ दिया। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में सफलता का श्रेय अपने पति को देते हुए कहा, अगर शादी के बाद मेरे पति मुझे सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी से मना कर देते, तो मैं उनकी बात मान लेती

क्योंकि मेरे लिए पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों से बढ़कर कुछ भी नहीं है। सिम्मी ने कम्प्यूटर विज्ञान में एम.एस.सी की उपाधि हासिल की है। उन्होंने बताया कि राज्य सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान ऐसे कई मौके आए, जब उनके पति ने खाना बनाने में भी उनका हाथ बंटया। सिम्मी के पति रहलु यादव (33) चेन्नई की एक आईटी कम्पनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा था कि मेरी पत्नी का चयन डिप्टी कलेक्टर के पद के लिए होगा। अब मेरी दिली ख्वाहिश है कि वह एक दिन कलेक्टर भी बनें।

यादव ने कहा कि उन्होंने और सिम्मी ने मिलकर तय किया कि जब तक वह अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर लेतीं, तब तक वे अपना परिवार नहीं बढ़ाएंगे। सिम्मी राज्य सेवा परीक्षा 2020 में भी डिप्टी कलेक्टर चुनी गई थी जिसका परिणाम करीब सात महीने पहले नौ जून को घोषित किया गया था।

म्यांमा के 151 सैनिक भागकर मिजोरम आए

भाषा । आइजोल

म्यांमा में सैनिकों के शिविरों पर एक सशस्त्र जातीय समूह द्वारा कब्जा किए जाने के बाद कम से कम 151 सैनिक भागकर मिजोरम के लॉन्गलाई जिले में आ गए। असम राइफल के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि म्यांमा सेना के जवान जिन्हें तातमादाव भी कहा जाता है, वे शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास उनके शिविरों पर अराकान सेना के लड़ाकों द्वारा कब्जा किए जाने के बाद अपने हथियारों के साथ भाग कर लॉन्गलाई जिले के तुईसंतलांग में असम राइफल के पास पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से भारतीय सीमा के करीब के इलाकों में म्यांमा सेना और अराकान सेना के लड़ाकों के बीच भारी गोलीबारी हो रही थी। उन्होंने बताया कि मिजोरम में शुक्रवार को आने वाले म्यांमा सेना के कुछ जवान गंभीर रूप से घायल थे और उन्हें असम राइफल से प्राथमिक उपचार दिया। ए जवान म्यांमा सीमा के पास लॉन्गलाई जिले के पर्व में असम राइफल को देखेरेख में हैं।

मीडिया घरानों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करूंगा: ललन सिंह

भाषा । पटना

जदयू के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ललन ने शनिवार को उन मीडिया संगठनों के खिलाफ मुकदमा करने का संकल्प लिया जिन्होंने ऐसी खबरें दी थीं कि उन्होंने बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव के पक्ष में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ विद्रोह की साजिश रची है। ललन ने इस आशय का एक बयान ऐसे समय जारी किया, जब एक दिन पहले ही उन्होंने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के साथ ही कुमार को राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद सँभालने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। कड़े शब्दों में दिए गए बयान में आरोप लगाया गया है कि एक प्रमुख समाचार पत्र और कुछ विद्रोह के साथ मित्रता यहां के राजनीतिक हलकों में जागूजिर है। ललन ने आरोप लगाया कि खबरों के जरिए मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और पिछले 37 वर्षों में विकसित हुए हमारे संबंधों पर सवालिया निशान खड़ा

श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए छत्तीसगढ़ का 300 मीट्रिक टन सुगंधित चावल रवाना

भाषा । रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए शनिवार को 300 मीट्रिक टन सुगंधित चावल रवाना किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर के वीआईपी मार्ग स्थित श्रीराम मंदिर में छत्तीसगढ़ प्रदेश राईस मिलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सुगंधित चावल अर्पण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि साय ने श्रीराम मंदिर परिसर से 300 मीट्रिक टन चावल से भरे 11 ट्रक को इंडी दिखाकर श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए रवाना किया। अधिकारियों ने बताया कि सुगंधित चावल अर्पण समारोह में राईस मिलर्स एसोसिएशन ने भगवान श्रीराम के निहाल छत्तीसगढ़ से जन्मभूमि अयोध्या के लिए सुगंधित चावल भेजा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर में मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ भगवान श्रीराम, माता जानकी और भगवान लक्ष्मण की पूजा अर्चना करके प्रदेशवासियों को सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर सांसद सुनील सोनी, साय मंत्रिमंडल के सदस्य और छत्तीसगढ़ प्रदेश राईस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद थे। धान के कटोंरे के रूप में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ को भगवान श्रीराम का निहाल माना जाता है। माना जाता है कि प्रभु श्रीराम की माता कौशल्या कौशल प्रदेश (छत्तीसगढ़) की राजकुमारी तथा अयोध्या के राजा दशरथ की पत्नी थीं। मान्यता के अनुसार भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के दौरान छत्तीसगढ़ में कई स्थानों से होकर गुजरे थे। राजधानी रायपुर से लगभग 27 किलोमीटर स्थित चंदखुरी गांव को भगवान श्रीराम की मां माता कौशल्या की जन्मस्थली माना जाता है। गांव में स्थित प्राचीन माता कौशल्या मंदिर को राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान भव्य रूप दिया गया था।

बिहार शिक्षा विभाग नवनियुक्त एक लाख से अधिक शिक्षकों का फिर सत्यापन करेगा

भाषा । पटना

बिहार शिक्षा विभाग ने पिछले महीने भर्ती हुए लगभग एक लाख शिक्षकों के पुनः सत्यापन का आदेश दिया है। विभाग को शिकायत मिली थी कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले और नियुक्ति लेने वाले उम्मीदवार अलग-अलग थे, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया है। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के. पाठक ने 28 दिसंबर को सभी जिलाधिकारियों (डीएम) को लिखे पत्र में 15 जनवरी से पुनः सत्यापन अभियान चलाने का आदेश दिया है।

इस पत्र में विसंगतियों के लिए नवंबर में कार्डसिलिंग के समय प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के अंगुठे के निशान शिक्षा विभाग के साथ साझा करने में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के विफल रहने को जिम्मेदार ठहराया गया है। इस फर्जीबाड़े की शिकायतों के बाद, विभाग ने हाल ही में चयनित हुए चार

हजार शिक्षकों को औचक रूप से पुनः सत्यापन के लिए बुलाया था। इस दौरान यह पता लगाया गया कि प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थी और नियुक्ति पाने वाले व्यक्ति समान हैं या नहीं। इस प्रक्रिया में विभाग ने तीन धोखेबाजों की पहचान की। इसके अलावा, तीन ऐसे शिक्षक पहचाने गए जो नियुक्ति लेने के बाद फरार हो गए। विभाग ने ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिहार सरकार ने इस साल दो नवंबर को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआईई-एफ) उतीर्ण करने वाले 1,20,336 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे। आयोग ने हाल ही में राज्य में विभिन्न विषयों के शिक्षकों के कुल 86,557 पदों को भरने के लिए टीआईआई-दे के परिणाम भी घोषित किए हैं। पीटीआई-भाषा ने बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्र शेखर से इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया के लिए कई बार प्रयास किया गया, लेकिन वह टिप्पणी

मध्य प्रदेश के सीहोर में आरएसएस कार्यालय पर पथराव, जांच शुरू

भाषा । सीहोर (मप्र)

मध्य प्रदेश के सीहोर शहर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय पर शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि को कथित तौर पर पथराव किया गया। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

कोतवाली पुलिस थाना प्रभारी विकास खिंची ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और कानूनी कदम उठाए जाएंगे। आरएसएस कार्यालय इस थाने के अधिकार क्षेत्र में आता है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को शुक्रवार आधी रात के आसपास आरएसएस कार्यालय पर कथित पथराव की सूचना मिली।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के जिला अध्यक्ष जगदीश कुशवाहा ने कहा कि कुछ लोगों ने आरएसएस कार्यालय की बिजली बंद कर दी और फिर पथराव किया। उन्होंने बताया कि उस समय कार्यालय में कुछ आरएसएस कार्यकर्ता मौजूद थे।

कुशवाहा ने कहा कि पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस अधीक्षक (एसपी) मयंक अवस्थी और अन्य पुलिस अधिकारी आरएसएस कार्यालय पहुंचे। कुशवाहा ने कहा कि जिन लोगों ने पथराव किया, वे शहर का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

अरुण सारंगी को ओडिशा के डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया

भुवनेश्वर (भाषा)। ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सुनील बंसल के सेवानिवृत्त होने से एक दिन पहले राज्य सरकार ने शनिवार को कहा कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी अरुण कुमार सारंगी अगले आदेश तक डीजीपी पद का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। ओडिशा कैडर के 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी सारंगी फिलहाल प्रशिक्षण के विशेष पुलिस महानिदेशक और बीजू पटनायक राज्य पुलिस अकादमी के निदेशक हैं। गृह विभाग ने एक अधिसूचना में कहा कि सारंगी को राज्य के डीजीपी पद का अतिरिक्त प्रभार सँभालने को कहा गया है और वह राज्य पुलिस के निर्मात प्रमुख की नियुक्ति होने तक इस पद का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।

पेज एक का शेष राम के...

ने रास्ते में सांस्कृतिक दलों का प्रदर्शन भी देखा। मोदी लता मंगेशकर चौक भी गए जहां एक विशाल आकार की वीणा स्थापित की गई है। उनकी यात्रा के दौरान लता मंगेशकर का गाया एक भक्ति गीत बजाया जा रहा था। कड़ाके की ठंड के बीच, उत्तर प्रदेश के जीवंत 'देधिया' नृत्य से लेकर उत्तराखंड के 'छोलिया' के रंगीन प्रदर्शन तक, प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए अयोध्या की सड़कों पर भारत के लोक रंग बिखरे हुए थे। मोदी के कार्फिले के मार्ग का हिस्सा राम पथ का विस्तार को फूलों से सजाया गया था, विशेष रूप से लता मंगेशकर चौक चौराहे को। हाल ही में धर्म पथ पर स्थापित विशेष सूर्य-धीम वहाले स्टंभ - सूर्य स्तंभ - ने उत्सव के माहौल को और बढ़ा दिया। विशाल पोस्टर पर मोदी और अयोध्या के राम मंदिर की तस्वीरें थीं। पीएम उज्वला लाभार्थी मीरा माझी के घर भी रुके। वह उनके साधारण घर में परिवार से मिले और एक कप चाय पीते भी दिखे। रोज़ शो के बाद एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन का उड़ताउड़ता तय था। उनके साथ आदित्यनाथ, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और अन्य लोग थे।

विकसित भारत...

मेट्रो 22 शहरों तक पहुंच गई है जबकि एम्स

की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो गई है। उन्होंने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का उदाहरण देते हुए जोर देकर कहा कि सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर ध्यान केंद्रित किया है।

👉 **जनवरी-** साल के पहले महीने को थीम 'संभावना को उजागर करना, भारत को आत्मनिर्भर बनाना' है। भारत ने 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' जैसी पहलों की बंदौलत अद्वितीय सफलता हासिल की है और जनवरी को थीम 'आत्मनिर्भर और सशक्त भविष्य की दिशा में हमारे सामूहिक प्रयासों की याद दिलाती है।

👉 **फरवरी-** इस महीने की थीम है 'राष्ट्रीय विकास के लिए युवा शक्ति' उद्यमशीलता को बढ़ावा देने से लेकर प्रौद्योगिकी को अपनाते तक, फरवरी युवाओं के योगदान को बढ़ाने, देश को एक उज्ज्वल और अधिक समावेशी भविष्य की ओर प्रेरित करने का आह्वान है।

👉 **मार्च-** मार्च का महीना 'वंचितों को प्राथमिकता' को अपनी थीम के साथ एक तथ्य है कि सच्ची प्रगति उन लोगों को सहायता प्रदान करने में निहित है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करके कि हमारे कार्य और नीतियां समावेशित और न्याय के प्रति समर्पण को प्रतिबिंबित करती हैं। अप्रैल-महिलाएं समाज में एक अभिन्न भूमिका निभाती हैं, उनकी प्रगति के बिना समाज की समग्र प्रगति रुक जाती है।

👉 **अप्रैल-** अप्रैल की थीम सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने, एक ऐसे भविष्य को

बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने को प्रोत्साहित करती है जहां उनका नेतृत्व और योगदान निर्णय लेने और सतत विकास के अभिन्न अंग हों।

👉 **मई-** हमारे समर्पित किसानों के अविश्वसनीय काम को बढ़ावा देना इस महीने का मुख्य आकर्षण है। यह कृषि उन्नति के लिए नीतियों, टिकाऊ प्रथाओं का समर्थन करने और देश को खिलाने वालों की भलाई सुनिश्चित करने पर सरकार द्वारा दिए गए महत्व पर जोर देता है।

👉 **जून-** पिछले दस वर्षों में पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्म और मुद्रा योजना जैसी कई सरकारी पहलों ने भारत में नौकरियों की संख्या, रोजगार और स्व-रोजगार के अवसरों में वृद्धि के साथ रोजगार सृजन और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो बदले में आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है।

👉 **जुलाई-** जुलाई हमारे समाज की रीढ़, मध्यम वर्ग का जश्न मनाने के बारे में है। उनकी कड़ी मेहनत नए भारत की भावना को परिभाषित करती है और वे विकास और नवाचार को बढ़ावा देने में सबसे आगे हैं। हमारी सरकार ने मध्यम वर्ग के लाभ के लिए 'इंज ऑफ लिविंग' की दिशा में लगातार काम किया है।

👉 **अगस्त-** आगस्त का महीना विश्व आर्थिक मंच पर भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और वोकेल फॉर लोकल जैसी प्रमुख पहलों के साथ भारत ने दुनिया की

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त किया है।

👉 **सितंबर-** अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ आधुनिक बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश से लेकर व्यापक परिवहन नेटवर्क तक, सितंबर देश की प्रगति के लिए एक लचीली नींव बनाने में पिछले दस वर्षों में देश द्वारा की गई परिवर्तनकारी प्रगति का एक प्रमाण है।

👉 **अक्टूबर-** अक्टूबर हमें देश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने वाले आयुष्मान कार्ड, जन औषधि केंद्रों और नए एम्स और जिला अस्पतालों के साथ स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच और सामर्थ्य में हुई प्रगति पर जोर देकर स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित करता है।

👉 **नवंबर-** हमारी अंतर्निहित जीवंत संस्कृति पर गर्व करने से लेकर विभिन्न कला रूपों को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक वंशवाली को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तक, नवंबर को थीम समग्र और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए हमारे मूल्यों और संस्कृति को संजोने के बारे में है।

👉 **दिसंबर-** वसुधैव कुटुंबकम के आदर्श वाक्य- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य - और मिशन लाइफ जैसी पहल के साथ, भारत ने विश्व मित्र, विश्व मित्र के रूप में अपनी जगह बनाई है। कैलेंडर को हमारे देश के विकास और प्रगति के प्रति हमारे समर्पण की दैनिक याद दिलाने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है। यह सभी को दृढ़ संकल्प, एकता और साझा दृष्टिकोण के साथ काम करने के लिए प्रेरित

करता है और सभी भारतीयों को सभी के लिए एक संपन्न और विकसित भारत की दिशा में यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित करता है।

सात महीने...

सख्ती से पालन करना चाहिए। लोग नए साल का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं, लेकिन बड़ी सभाओं में इसके फैलने को संभावना भी बढ़ जाती है। ओडिशा सरकार में सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक निरंजन मिश्रा ने सभी मेडिकल कॉलेजों और सीडीएमओ को लिखे एक पत्र में कहा कि भारत भर में कोविड-19 मामलों में हालिया वृद्धि के कारण राज्य में कोविड-19 मामलों में किसी भी वृद्धि से निपटने के लिए तत्काल और सक्रिय उपायों की आवश्यकता है। पहले के निर्देशों को जारी रखते हुए, आपसे अनुरोध है कि आप उसमें दिए गए कार्य बिंदुओं को लागू करें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहें।

उत्तर भारत...

कोहरा जारी रहने की संभावना है और अगले दो दिनों के दौरान इसके पूर्वी भारत तक बढ़ने की संभावना है। आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि दिन में ठंड बनी रहेगी क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कोहरा के एक परत जो सूरज को रोक रही है, अगले कुछ दिनों तक इसके हटने की उम्मीद नहीं है। दिन के समय कम तापमान से लोगों का ठंड के प्रति जोखिम बढ़ सकता है। ठंडा दिन वह होता है जब अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस

करता है और सभी भारतीयों को सभी के लिए एक संपन्न और विकसित भारत की दिशा में यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित करता है।

या अधिक नीचे होता है, और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे होता है। अधिकतम और न्यूनतम के बीच घटना अंतर चरम सर्दियों की स्थिति की शुरुआत का संकेत देता है, जो दिसंबर के अंत में होता है और जनवरी के मध्य तक रहता है। जैसे ही दिसंबर समाप्त होता है, दिल्ली में तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है, कोई 'शीत लहर' या 'ठंडे दिन' नहीं होते हैं। इस वर्ष अब तक दिसंबर का औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान पिछले महीने की तुलना में अधिक है। हाल के वर्ष। 24.36 डिग्री सेल्सियस का औसत अधिकतम तापमान 2017 के बाद से शहर के लिए सबसे अधिक है, जबकि औसत न्यूनतम तापमान 8.36 डिग्री सेल्सियस 2018 के बाद से सबसे अधिक है।

केरल में...

की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार देर शाम देवस्वम के पदाधिकारियों के साथ एक ऑनलाइन बैठक कर सरकार के फैसले का ऐलान किया। क्रियाएं में बदौतीरी के फैसले से पूरे राज्य में व्यापक आक्रोश फैल गया था और हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया था कि सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली सरकार चुनिंदा रूप से उनके त्यहारों को निशाना बना रही है। नवंबर-दिसंबर त्योहार के दौरान सरकारीमाला मंदिर में भीड़ अधिक के खराब कुप्रबंधन के लिए लिए सरकार पहले से ही कटघरे में है क्योंकि तीर्थयात्रियों को मंदिर में पूजा करने के लिए अपनी बारी के लिए कतार में 20 घंटे इंतजार करना पड़ा।

राजस्थान मंत्रिपरिषद् का विस्तार, 12 कैबिनेट व 10 राज्य मंत्री बने

भाषा। जयपुर

राजस्थान में मंत्रिपरिषद् का बहुप्रतीक्षित विस्तार शनिवार को हुआ जब 12 कैबिनेट व 10 राज्य मंत्री बनाए गए। इनमें पांच राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं। इसके साथ ही भजनलाल शर्मा मंत्रिपरिषद् में मुख्यमंत्री व दो उपमुख्यमंत्रियों सहित कुल मंत्रियों की संख्या 25 हो गई। इनमें से 20 चेहरे ऐसे हैं जो पहली बार मंत्री बने हैं।



शर्मा, गौतम कुमार, झाबर सिंह खी, सुंदरपाल टोटी व हीरालाल नागर को राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ दिलाई गई। इसके अलावा ओटाराम देवासी, डॉ. मंजू बाघमार, विजय सिंह चौधरी, के के बिस्नोई व जवाहर सिंह बेदम ने राज्यमंत्री पद की शपथ ली। कैबिनेट मंत्री बनाए गए किरोड़ी मीणा (सवाई माधोपुर) छठी बार के विधायक हैं। वह दो बार लोकसभा सांसद और एक बार राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं। वह पूर्व मंत्री भी रहे हैं। वहीं गजेंद्र सिंह खींवरर चौथी बार के विधायक हैं। वह जोधपुर जिले की लोहावट सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह भी पहले मंत्री रह चुके हैं। जयपुर की झोटाड़ा विधानसभा सीट से जीतने वाले राज्यबंधन सिंह राठौड़, बाबूलाल खराड़ी, मदन दिलावर, जोगाराम पटेल, सुरेश सिंह रावत, अविनाश गहलोट, जोगराम कुमावत, हेमंत मीणा, कन्हैयालाल चौधरी व सुमित गोदार शामिल हैं। वहीं संजय

को भी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया है। इस सीट पर पांच जनवरी को मतदान होना है। कांग्रेस ने इसके लिए भाजपा की आलोचना की है। नवनियुक्त कैबिनेट मंत्रियों में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, गजेंद्र सिंह खींवरर, राज्यबंधन सिंह राठौड़, बाबूलाल खराड़ी, मदन दिलावर, जोगाराम पटेल, सुरेश सिंह रावत, अविनाश गहलोट, जोगराम कुमावत, हेमंत मीणा, कन्हैयालाल चौधरी व सुमित गोदार शामिल हैं। वहीं संजय

उदयपुर की झाड़ोल विधानसभा सीट से विधायक हैं। वह चौथी बार विधायक चुने गए हैं। मदन दिलावर छठी बार विधायक चुने गए हैं। वे पूर्व मंत्री हैं। लृणी से विधायक जोगाराम पटेल व पुष्कर से विधायक सुरेश सिंह रावत तीसरी बार के विधायक हैं। दूसरी बार विधायक बने अविनाश गहलोट पाली जिले की जैतारण सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरी बार विधायक बने कुमावत पाली की सुमेरपुर सीट से हैं। वहीं हेमंत मीणा प्रतापगढ़ से पहली बार विधायक बने हैं। वह पूर्व मंत्री नंदलाल मीणा के बेटे हैं। कन्हैया लाल चौधरी मालपुर (टोंक) से तीसरी बार के विधायक हैं। दूसरे कैबिनेट मंत्री सुमित गोदार बीकानेर जिले की लुणकराणर सीट से हैं, दूसरी बार विधायक बने हैं। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा (अलवर शहर), गौतम कुमार खर्क (बड़ी सादड़ी), झाबर सिंह खाँ (श्रीमामधोपुर), हीरालाल नागर

(सांगोद) दूसरी बार के विधायक हैं। तीसरी बार विधायक बने ओटाराम देवासी (सिरोही), वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में राज्य मंत्री थे। उन्हें भी राज्य मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। नागौर जिले की जायल सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली दलित चेहरा मंजू बाघमार को भी राज्यमंत्री बनाया गया है। वहीं राज्यमंत्री बने विजय सिंह चौधरी नावां (नागौर) से विधायक हैं। वह दूसरी बार के विधायक हैं। मंत्रिपरिषद् में शामिल किए गए के के बिस्नोई (गुड़मालानी), जवाहर सिंह बेदम (नगर) पहली बार विधायक बने हैं। जाति के हिसाब से देखा जाए तो नवगठित मंत्रिपरिषद् में मुख्यमंत्री शर्मा सहित ब्राह्मण समाज के दो, जाट समाज के चार, राजपूत समाज के तीन, अनुसूचित जाति व जनजाति समाज के तीन-तीन विधायकों को मंत्री बनाया गया है। पूरे मंत्रिपरिषद् को देखा जाए तो मुख्यमंत्री व दो

उपमुख्यमंत्रियों को मिलाकर कुल 25 मंत्री हो गए हैं इनमें से 20 ऐसे हैं जो पहली बार मंत्री बने हैं। कैबिनेट में सबसे उम्रदराह मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की उम्र 72 साल है। वहीं अविनाश गहलोट की उम्र 42 साल है। शरणाग्र समारोह में मुख्यमंत्री शर्मा ने कैबिनेट मंत्रियों को बधाई देते हुए लिखा, नया विजन और नया मिशन... हमारा लक्ष्य - आत्मनिर्भर व सर्वश्रेष्ठ राजस्थान। उन्होंने लिखा, पराक्रम एवं पुरुषार्थ की वीर भूमि राजस्थान प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री पद की शपथ लेने पर सभी ऊर्जावान सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। शर्मा ने अन्य मंत्रियों को भी बधाई दी। उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा की 200 में से 199 सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान हुआ था। चुनाव परिणाम तीन दिसंबर को घोषित किया गया था। इसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 115 व कांग्रेस को 69 सीट मिलीं।

रेलवे को दिव्यांग लोगों के लिए और सुविधाजनक बनाने के लिए मसौदा जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिव्यांग लोगों के लिए रेल यात्रा को और सुविधाजनक बनाने के लिए मसौदा दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसमें रेलवे स्टेशन और ट्रेन में बेहतर सुविधाएं सुलभ करने के साथ ही टेक्स्ट-टू-स्पीच (ऐसा फीचर जिसमें कोड पर व्यक्ति स्क्रीन पर लिखता है, तो इसे श्रव्य ध्वनि के रूप में बदल दिया जाता है ताकि दूसरे लोग इसे सुन सकें) और उपयोगकर्ता के अनुकूल चित्रलेख या चित्र वाले चार्ट जैसी तकनीक आधारित सुविधाएं उपलब्ध करने की जरूरत पर जोर दिया गया है।

समर्पित एक वेबसाइट की आवश्यकता का भी उल्लेख किया गया है जो उन्हें सभी सुविधाओं तक पहुंच बनाने में मदद करे। मसौदा दिशानिर्देशों के मुताबिक, ए सुविधाएं दुनिया के दूसरे देशों में प्रयोग की जा रही सुविधाओं के सिद्धांतों पर आधारित होंगी और वेबसाइट, वर्ल्ड वाइड वेब दिशानिर्देशों के अनुरूप होंगी, जिसमें टेक्स्ट-टू-स्पीच और चित्रलेख जैसी सुविधाएं मौजूद होंगी। मसौदे में दिव्यांग जनों के लिए एक समर्पित मोबाइल ऐप और वन-क्लिक टेम्पलेट बनाया भी शामिल है, जो स्टेशनों के सहाय-साथ ट्रेन में भी उनके लिए उपलब्ध सभी जानकारी और सुविधाओं को प्रदर्शित करेगा। सभी स्टेशनों पर रोशनीयुक्त संकेत बोर्ड लगाने का प्रस्ताव भी दिया गया है जिसमें ब्रेल संकेत भी होंगे। दिव्यांगजनों के साथ प्रभावी संचार टिप्पणियां, आपतियां और सुझाव देने के लिए कहा है। प्रस्तावित दिशानिर्देश में दिव्यांगजनों के लिए

छह ईरानी नागरिकों को नेपाल की सीमा पार करते हुए पकड़ा गया

भाषा। महाराजगंज

दो महिलाओं और दो बच्चों समेत छह ईरानी नागरिकों को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और आरजन विभाग द्वारा इस जिले के सोनौली में भारत-नेपाल सीमा अवैध रूप से पार करके नेपाल जाने का प्रयास करते हुए पकड़ा गया है। अपर पुलिस अधीक्षक अतीश कुमार सिंह ने बताया कि एसएसबी और आरजन विभाग की टीम ने शनिवार को छह ईरानी नागरिकों को भारत-नेपाल सीमा पार रोक लिया। उन्होंने बताया कि ईरानी नागरिक नेपाल जाने की फिराक में थे।

अमित शाह ने हाल में पारित नए अपराधिक न्याय कानूनों पर संदर्भ पुस्तकों का विमोचन किया

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में बनाए गए अपराधिक न्याय कानूनों से जुड़ी 12 संदर्भ पुस्तकों का शनिवार को विमोचन करते हुए कहा कि इन किताबों ने कानूनों में किए गए परिवर्तनों को सक्षिप्त और सरल तरीके से व स्पष्ट रूप से समाने रखा है।



के क्रमशः भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। शाह ने सोशल मीडिया मंच पर एक पत्र कहा, 'मैं रिकॉर्ड समय में नवनिर्मित दूरदर्शी अपराधिक न्याय कानूनों से संबंधित संदर्भ पुस्तकें प्रकाशित करने के लिए एम्प्लॉय लॉ हाउस को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि इन पुस्तकों में विभिन्न प्रावधानों को आसानी से समझने के लिए तुलनात्मक संदर्भ शामिल हैं और नए कानूनों में लागू परिवर्तनों पर भी प्रकाश डाला गया है। गृह मंत्री ने

कहा कि महिलाओं के खिलाफ बलात्कार जैसे जघन्य अपराध आईपीसी को धारा 375 के तहत आते थे, लेकिन अब नए कानून की धारा 63 में हैं। हत्या जैसा गंभीर अपराध आईपीसी की धारा 300 के तहत आता था, लेकिन अब नए कानून में इसे धारा 101 के तहत शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रकाशन संस्थान के प्रबंध निदेशक डॉ विनय आहूजा को आभार जताते हैं। मुझे हमारे कानून के प्रति उसाही और विशेषज्ञों के लाभ के लिए आज पुस्तकों का विमोचन करते हुए खुशी हो रही है। एक अन्य पोस्ट में शाह ने पुस्तकों का तेजी से विमोचन करने के लिए प्रकाशन कंपनी लेक्सिस नेक्सस के प्रबंध निदेशक उदित माथुर और बिक्री निदेशक महेंद्र चतुर्वेदी को बधाई दी और लिखा कि नई प्रकाशित पुस्तकें कानूनों के बारे में समझ को बढ़ाएंगी।

स्टालिन ने बारिश प्रभावित जिलों के लिए 1,000 करोड़ के राहत पैकेज की घोषणा की

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्य में बारिश से प्रभावित जिलों के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा स्वयं सहायता समूहों के वास्ते आवास सुविधाओं और ऋण सुविधाओं के लिए 1,000 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की शनिवार को घोषणा की।



दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे। स्टालिन ने तुतुकुडि और तिरुनेलवेली जिले में 17 और 18 दिसंबर को हुई मूसलाधार बारिश के कारण पैदा हुए जलानों का दौरा करने के दौरान प्रभावित लोगों को सांत्वना दी और उन्हें उचित सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने घोषणा की कि 2.64 लाख हेक्टेयर में क्षेत्र में बर्बाद हुई फसल की भरपाई के लिए आठ जिलों के किसानों को 250 करोड़ रुपए की राहत दी जाएगी। इन किसानों को सहकारी समितियों के माध्यम से फसल ऋण और कृषि उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता देने में प्राथमिकता दी जाएगी। तुतुकुडि और तिरुनेलवेली जिलों में भीषण बाढ़ के कारण कृषि भूमि पर जमा हुई गंद को कृषि इंजीनियरिंग इकाई द्वारा निशुल्क हटाया जाएगा और भूमि को खेती योग्य बनाया जाएगा।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, मुख्यमंत्री ने पूरी तरह से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए चार लाख रुपए और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए दो लाख रुपए तक प्रदान करने का आदेश दिया है। ग्रामीण विकास विभाग तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टु जिलों में इस योजना को लागू करेगा। विज्ञप्ति के अनुसार, कुल 385 करोड़ रुपए की लागत से 4,577 नए मकानों की निर्माण किया जाएगा और 9,975 आवासों की मरम्मत की जाएगी। इसका पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। इस योजना के लिए जल्द ही

मोहन भागवत दो दिवसीय यात्रा पर पश्चिम बंगाल पहुंचे

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौर पर शनिवार दोपहर कोलकाता पहुंचे। भागवत यहां पहुंचने के तुरंत बाद अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे के आवास पर गए और एक बंद कमरे में उनके साथ बैठक की। चौबे ने 2019 के लोकसभा चुनाव में कृष्णानगर सीट पर तुणलु कोंग्रेस (टीएमसी) की मीडआ मोड़ना के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन वह हार गए थे। भागवत के शाम को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पूर्व संयुक्त निदेशक उपेन बिस्वास से भी मिलने की उम्मीद है। बिस्वास सीबीआई से सेवानिवृत्त होने के बाद सत्तारूढ़ टीएमसी में शामिल हो गए थे और 2011 से 2016 तक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री थे। राज्य में शिक्षक वर्गों में अनियमितताओं को सामने लाने में अहम भूमिका निभाने वाले बिस्वास ने 2021 में टीएमसी से इस्तीफा दे दिया था।

ऐसा कुछ न करूंगा जिससे गठबंधन को नुकसान हो: उद्धव ठाकरे

मुंबई। के नेता संजय राउत की महाराष्ट्र में आगामी लोकसभा चुनाव में 23 सीट पर चुनाव लड़ने संबंधी टिप्पणी पर विवाद के बीच पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि वह ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे जिससे महाविकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन को कोई नुकसान पहुंचे। राउत ने शुक्रवार को कहा था कि उनकी पार्टी अगले साल लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 में से 23 सीट पर लड़ेगी। प्रदेश कांग्रेस ने राउत की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। ठाकरे ने यहां पत्रकारों से कहा कि टिकट वितरण सुचारू रूप से हो रहा है। ठाकरे ने कहा, मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगा जिससे एमवीए को कोई नुकसान पहुंचे। इसलिए मैं कुछ भी कहने वाले लोगों पर ध्यान नहीं दूंगा। जब तक कांग्रेस अध्यक्ष इस मुद्दे (सीट-बंटवारे) पर नहीं बोलेंगे, तब तक न तो मैं और न ही मेरी तरफ से कोई टिप्पणी करेगा। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख ने कहा कि टिकट वितरण सुचारू रूप से होगा। उन्होंने कहा, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के बीच चर्चा अच्छी रही है। ठाकरे ने यह भी कहा कि एमवीए के तीन घटक दलों-शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस तथा राकंपा (शरद पवार) और प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) के साथ एक संयुक्त बैठक करने के प्रयास जारी हैं।

(कांग्रेस के) पास कोई भी सीट नहीं है। ठाकरे ने कहा, मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगा जिससे एमवीए को कोई नुकसान पहुंचे। इसलिए मैं कुछ भी कहने वाले लोगों पर ध्यान नहीं दूंगा। जब तक कांग्रेस अध्यक्ष इस मुद्दे (सीट-बंटवारे) पर नहीं बोलेंगे, तब तक न तो मैं और न ही मेरी तरफ से कोई टिप्पणी करेगा। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख ने कहा कि टिकट वितरण सुचारू रूप से होगा। उन्होंने कहा, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के बीच चर्चा अच्छी रही है। ठाकरे ने यह भी कहा कि एमवीए के तीन घटक दलों-शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस तथा राकंपा (शरद पवार) और प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) के साथ एक संयुक्त बैठक करने के प्रयास जारी हैं।

कबाड़ घोषित विमान ले जा रहा ट्रक मोतिहारी में पुल के नीचे फंसा

कबाड़ घोषित विमान को लखनऊसे असम ले जा रहा ट्रक बिहार के पूर्वी चंचारण जिले में एक पुल के नीचे फंसा गया, जिसकी वजह से सड़क पर भारी जाम लग गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक घटना शुक्रवार को पूर्वांचल करीब 11 बजे मोतिहारी के पिपरा कोठी के समीप हुई। मोतिहारी (राज) के सहायक पुलिस अधीक्षक राज ने बताया, एक ट्रक पर लखनऊसे असम ले जा रहा कबाड़ घोषित विमान मोतिहारी में पिपरा कोठी पुल के नीचे फंसा गया, जिसकी वजह से सड़क पर भारी जाम लग गया। विमान का आला हिस्सा पुल के नीचे से गुजर गया था, लेकिन इसका पिछला हिस्सा फंसा गया। पिपराकोठी पुलिस, अन्य ट्रक चालकों और स्थानीय लोगों की सहायता से हम कुछ घंटों के बाद विमान को पुल के नीचे से निकालने में सफल रहे, जिसके बाद मार्ग पर यातायात बहाल हो गया।

संक्रांति के बाद खुशाखबरी मिलेगी: कुमारस्वामी

भाषा। बेंगलुरु

जनता दल (सेकुलर) के प्रदेश अध्यक्ष एच डी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि वह लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सीट बंटवारे के समझौते के बारे में संक्रांति के बाद खुशाखबरी देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी दोहराया कि जद(एस) कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, यह उनके या उनकी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का लक्ष्य राज्य की सभी 28 लोकसभा सीटें जीतना है। कुमारस्वामी ने जद(एस) के संरक्षक एच डी देवेगौड़ा के साथ हाल में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नेन्द्रे मोदी से मुलाकात की थी। कुमारस्वामी ने भाजपा के साथ सीट बंटवारे पर एक सवाल के जवाब में कहा, संक्रांति (14 जनवरी) के बाद मैं आपकी खुशाखबरी दूंगा। कोई मुद्दा नहीं है। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या से

सामना करना पड़ रहा है..। कुमारस्वामी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को विपक्षी गठबंधन इंडिया का प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने के प्रस्ताव का समर्थन नहीं करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पर भी निशाना साधा। कुमारस्वामी ने कहा, वह (खरगे) प्रधानमंत्री बनेंगे या नहीं, यह अलग बात है। कम से कम कुछ अन्य रण्यों के मुख्यमंत्रियों ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा, लेकिन आपने (सिद्धरमैया) कहा कि रहलु गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहिए...न्या दलित समुदाय को अब भी ऐसे नेता (सिद्धरमैया) पर विश्वास है। मैं फैसला उन पर छोड़ता हूं। सिद्धरमैया ने बृहस्पतिवार को कहा कि रहलु गांधी को देश का प्रधानमंत्री होना चाहिए। उनका बयान ऐसे वक्त आया है जब इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के कुछ नेताओं ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए मल्लिकार्जुन खरगे को गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने की वकालत की है।

शांति बना करने की कोशिश कर रही शैतानी शक्तियां : बीरेन सिंह

भाषा। इंपाल

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शनिवार को समाज के सभी वर्गों से हिंसा छोड़ने और राज्य में शांति बहाल करने के लिए बातचीत में शामिल होने की अपील की। उन्होंने इंपाल पश्चिम जिले के कदंगबंद में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक ग्राम रक्षक की हत्या की निंदा करते हुए कहा कि शैतानी शक्तियां शांति को भंग करने का प्रयास कर रही हैं। मुख्यमंत्री सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन के संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, आइए हिंसा छोड़ें, बातचीत की मेज पर आएँ और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए बातचीत शुरू करें। उन्होंने बताया कि ग्राम रक्षक की हत्या मामले की जांच की जा रही है और सुरक्षाबल हत्यारों को

केंद्र सरकार 2024 में राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल का दूसरा संस्करण लाएगी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार 2024 में राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल का दूसरा संस्करण लाएगी। साथ ही कारोबारी सुगमता को बढ़ाने के लिए असंगठित श्रमिकों, विशेष रूप से अस्थायी और गिरा कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने पर जोर होगा। इसके तहत रण्यों को श्रम सुधार लागू करने के लिए कहा जाएगा। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेन्द्र यादव ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उनका मंत्रालय जल्द ही राष्ट्रीय करियर सेवा का उन्नत संस्करण एनसीएस 2.0 लाएगा, जो नौकरी चाहने वालों के लिए बेहतर नौकरी खोज सुविधा देगा। साथ ही कोशल के

केंद्र सरकार 2024 में राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल का दूसरा संस्करण लाएगी। साथ ही कारोबारी सुगमता को बढ़ाने के लिए असंगठित श्रमिकों, विशेष रूप से अस्थायी और गिरा कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने पर जोर होगा। इसके तहत रण्यों को श्रम सुधार लागू करने के लिए कहा जाएगा। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेन्द्र यादव ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उनका मंत्रालय जल्द ही राष्ट्रीय करियर सेवा का उन्नत संस्करण एनसीएस 2.0 लाएगा, जो नौकरी चाहने वालों के लिए बेहतर नौकरी खोज सुविधा देगा। साथ ही कोशल के

लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों के उपयोग और कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग (मैपल) का इस्तेमाल भी किया जाएगा।

Public Notice
General Public is hereby informed that I Vipin Kumar Vijani are filing application in L&CO for substitution/nomination of property no. 5/194 Subhash Nagar, Delhi -27 in the name of Vipin Kumar Vijani on the grounds of Relinquishment/Deed. If there are any objections/claims from the general public on this application, the same shall be communicated to L&CO with supporting documents through registered post or by visiting L&CO at Nandan Bhawan, New Delhi or through an email at ldo@nic.in, within 30 days of the publication of this notice.
Vipin Kumar Vijani
5/194 Subhash Nagar,
Delhi- 27 Ph: 981965427

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that my client Shri Jagat Bahadur S/O Madhu Bhagat R/O C-92 Platinium Towers, MG Road, Gurgaon, Haryana-122002 has Disowned/Severed/Closed all personal, business and social tie-ups with his name- Raj Kumari Bhagat, mama - Hernant Bhagat, mami - Vandana Bhagat, brother - Hritikh Gopal Bhagat, masti - Rekha Kohli, maddam - Sanjay Kohli, brother-karan Kohli, Sister- Divya Goenka and brother-in-law-Rounak Goenka due to their persistent misconduct, cruelty, exploitation, manhandling, beating, abusing, illegal demands from me and my wife and I have also debarred all of them from claiming any rights, share, concern of whatsoever nature in my movable and immovable properties. Anybody dealing with the aforesaid people shall do at his own peril and risk and my client shall not be responsible in either manner or concern.

Shankar Wig
Advocate
Enr. No. P/1061/2021
Ch. No. 5/102, 2nd Floor, Deep Plaza Complex, Opp. District Court Gurugram (HR)
Mob.: 7290051164

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of our client i.e. Piramal Capital & Housing Finance Limited that Mrs. Meenu Verma intends to purchase & mortgage the Ground Floor of Property No. G-20-A, admeasuring 56.5 Sq. Yds., Khasra No. 16/28, at Jagat Puri Extension, Khureji Khas, Sahyadra, Delhi with our client, against the financial assistance. Whereas Mr. Amit Kapoor & Mrs. Pooaja Kapoor had acquired the Said Floor by way of Regd. GPA Dt. 23-11-2011 Doc. No. 10779 and Gift Deed Dt. 09.10.2015. The said GPA was already lost and, in this regard, online NCR/FIR No. 1292311/2023 has been lodged on 30-12-2023. Now they intend to sell the same to Mrs. Meenu Verma. Public is hereby warned not to deal with the above-mentioned documents & the property. If anyone do the same, then he will be responsible for all consequences. If any person(s) having objection with regard to mortgage of the said property is/are requested to intimate in writing to undersigned within 07 days from the date of issue of this notice at below address.
DEEPIYOT SINGH, ADVOCATE
A-13, LGF, South Extn-II,
New Delhi-49 Ph: 011-40587824

केंद्र सरकार के सामने दिल्ली क्षेत्र
कंपनी अधिनियम, 2013 के मामले में, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30(6)(ए) और अग्रार्ते इफ्रा लिमिटेड के पंजीकृत कार्यालय होने के मामले में डीटीजे- 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला नई दिल्ली - 110025 आईएन. याचिकाकर्ता।
आम जनता को एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केंद्र सरकार को आवेदन करने का प्रस्ताव रखती है, जिसमें कंपनी के मेमोरेडम ऑफ एंशोसिपेशन में बदलाव की पुष्टि के लिए विशेष प्रस्ताव पारित किया गया है। कंपनी को अपने पंजीकृत कार्यालय को "दिल्ली राज्य से "हरियाणा राज्य" में बदलने में सहम बनाने के लिए 09 सितंबर 2022 को साधारण आम बैठक आयोजित की।
कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक हलफनामे द्वारा समर्थित अपनी आपत्तियों को विवरित कर सकता है या भेज सकता है। पंजीकृत पते के विरोध का आधार डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला नई दिल्ली - 110025 में इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से चौदह दिनों के भीतर आवेदक कंपनी की एक प्रति के साथ उसके पंजीकृत कार्यालय में नीचे दिए गए पते पर:
अग्रार्ते इफ्रा लिमिटेड पता- डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला, नई दिल्ली - 110025 आवेदक के लिए और उसकी ओर से निदेशक : अरविंदर सिंह डिन: 001121063
दिनांक: 31.12.2023 स्थान: नई दिल्ली

केंद्र सरकार के सामने दिल्ली क्षेत्र
कंपनी अधिनियम, 2013 के मामले में, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30(6)(ए) और अग्रार्ते डेवतार्ष प्रावर्टे लिमिटेड के पंजीकृत कार्यालय होने के मामले में डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला, नई दिल्ली - 110025 आईएन. याचिकाकर्ता।
आम जनता को एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केंद्र सरकार को आवेदन करने का प्रस्ताव रखती है, जिसमें कंपनी के मेमोरेडम ऑफ एंशोसिपेशन में बदलाव की पुष्टि के लिए विशेष प्रस्ताव पारित किया गया है। कंपनी को अपने पंजीकृत कार्यालय को "दिल्ली राज्य से "हरियाणा राज्य" में बदलने में सहम बनाने के लिए 09 सितंबर 2022 को साधारण आम बैठक आयोजित की।
कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक हलफनामे द्वारा समर्थित अपनी आपत्तियों को विवरित कर सकता है या भेज सकता है। पंजीकृत पते के विरोध का आधार डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला, नई दिल्ली - 110025 में इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से चौदह दिनों के भीतर आवेदक कंपनी की एक प्रति के साथ उसके पंजीकृत कार्यालय में नीचे दिए गए पते पर:
अग्रार्ते डेवतार्ष प्रावर्टे लिमिटेड पता- डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला, नई दिल्ली - 110025 आवेदक के लिए और उसकी ओर से निदेशक : गुरमीत सिंह खालरि डिन: 02128421
दिनांक: 31.12.2023 स्थान: नई दिल्ली

केंद्र सरकार के सामने दिल्ली क्षेत्र
कंपनी अधिनियम, 2013 के मामले में, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30(6)(ए) और अग्रार्ते लीजर प्रावर्टे लिमिटेड के पंजीकृत कार्यालय होने के मामले में डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला नई दिल्ली - 110025 आईएन. याचिकाकर्ता।
आम जनता को एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केंद्र सरकार को आवेदन करने का प्रस्ताव रखती है, जिसमें कंपनी के मेमोरेडम ऑफ एंशोसिपेशन में बदलाव की पुष्टि के लिए विशेष प्रस्ताव पारित किया गया है। कंपनी को अपने पंजीकृत कार्यालय को "दिल्ली राज्य से "हरियाणा राज्य" में बदलने में सहम बनाने के लिए 09 सितंबर 2022 को साधारण आम बैठक आयोजित की।
कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक हलफनामे द्वारा समर्थित अपनी आपत्तियों को विवरित कर सकता है या भेज सकता है। पंजीकृत पते के विरोध का आधार डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला नई दिल्ली - 110025 में इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से चौदह दिनों के भीतर आवेदक कंपनी की एक प्रति के साथ उसके पंजीकृत कार्यालय में नीचे दिए गए पते पर:
अग्रार्ते लीजर प्रावर्टे लिमिटेड पता- डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला नई दिल्ली - 110025 आवेदक के लिए और उसकी ओर से निदेशक : अरविंदर सिंह डिन: 00112063
दिनांक: 31.12.2023 स्थान: नई दिल्ली

केंद्र सरकार के सामने दिल्ली क्षेत्र
कंपनी अधिनियम, 2013 के मामले में, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30(6)(ए) और अग्रार्ते डेवतार्ष प्रावर्टे लिमिटेड के पंजीकृत कार्यालय होने के मामले में डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला, नई दिल्ली - 110025 आईएन. याचिकाकर्ता।
आम जनता को एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केंद्र सरकार को आवेदन करने का प्रस्ताव रखती है, जिसमें कंपनी के मेमोरेडम ऑफ एंशोसिपेशन में बदलाव की पुष्टि के लिए विशेष प्रस्ताव पारित किया गया है। कंपनी को अपने पंजीकृत कार्यालय को "दिल्ली राज्य से "हरियाणा राज्य" में बदलने में सहम बनाने के लिए 09 सितंबर 2022 को साधारण आम बैठक आयोजित की।
कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, अपने हित की प्रकृति बताते हुए एक हलफनामे द्वारा समर्थित अपनी आपत्तियों को विवरित कर सकता है या भेज सकता है। पंजीकृत पते के विरोध का आधार डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला, नई दिल्ली - 110025 में इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से चौदह दिनों के भीतर आवेदक कंपनी की एक प्रति के साथ उसके पंजीकृत कार्यालय में नीचे दिए गए पते पर:
अग्रार्ते डेवतार्ष प्रावर्टे लिमिटेड पता- डीटीजे - 704, 7वीं मंजिल डीएलएफ टावर-बी, जसोला, नई दिल्ली - 110025 आवेदक के लिए और उसकी ओर से निदेशक : गुरमीत सिंह खालरि डिन: 01137469
दिनांक: 31.12.2023 स्थान: नई दिल्ली

चीन की सेना के नौ शीर्ष जनरल बर्खास्त किए गए

भाषा। बीजिंग

चीन की संसद से जन मुक्ति सेना (पीएलए) के नौ वरिष्ठ जनरल को बर्खास्त कर दिया गया है जिनमें रॉकेट बल के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। आधिकारिक मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक देश की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) से बर्खास्त अधिकारियों में पीएलए के रॉकेट बल के पांच शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं जो देश के परमाणु हथियारों के घटक मिसाइल प्रभाग का कामकाज देखते थे। इनके अलावा बर्खास्त किए गए अधिकारी वायुसेना के पूर्व कमांडर हैं। रिपोर्ट में एनपीसी की स्थाई समिति के फैसले की घोषणा की गई। हालांकि, इन

अधिकारियों को बर्खास्त करने का कारण नहीं बताया गया है। सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) का हिस्सा चीनी सेना के सदस्यों की एक बड़ी संख्या को एनपीसी में नामित किया गया है। एनपीसी द्वारा नौसेना के पूर्व कमांडर जनरल दोंग जून को नए रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किए जाने के बाद इन अधिकारियों को बर्खास्त किया गया है। इन अधिकारियों की बर्खास्तगी बिना किसी स्पष्टीकरण के जनरल ली शांगफू की बर्खास्तगी की दो महीने बाद हुई है। एनपीसी की घोषणा के मुताबिक जिन अधिकारियों की सदस्यता समाप्त की गई है उनमें झांग झेनझोंग, झांग यूज़िन, राव वेनमिन, ज़ु शीनचुन, दिंग लाइहांग, लु हांग, ली युचाओ, ली चुआंगुआंग

● संसद ने की कार्रवाई, इनमें रॉकेट बल के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल

और झोंग यांगिंग शामिल हैं। हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइना मॉनिंग पोस्ट ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि चीन में नए भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के कारण रॉकेट बल के कई पूर्व और वर्तमान वरिष्ठ कमांडरों की पदावनति हुई है। सेना का भ्रष्टाचार विरोधी निकाय बल के वर्तमान कमांडर ली युचाओ, साथ ही उनके पूर्व और वर्तमान उप झांग झेनझोंग और लियू गुआंगबिन की जांच कर रहा है। ली नवीनतम जांच में पकड़े जाने वाले सबसे वरिष्ठ जनरल और रॉकेट बल

के मात्र तीसरे कमांडर हैं। उन्हें 2015 में सेना के एक बड़े बदलाव के दौरान कमांडर बनाया गया था। ली अगस्त के अंत से सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं और उन्हें हटाने का कोई कारण नहीं बताया गया था। साउथ चाइना मॉनिंग पोस्ट ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया, लगभग सभी वरिष्ठ जनरलों की (रॉकेट बल में) में पदोन्नति से पहले अच्छी प्रतिक्रिया थी। बीजिंग मुख्यालय में जाने के बाद वे अनैतिक हो गए क्योंकि उन्हें रक्षा-संबंधी उद्यमों से जुड़ने के अधिक अवसर मिले।

रॉकेट बल से बर्खास्त किए गए अधिकारी कथित तौर पर बर्खास्त रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू के करीबी हैं। शुक्रवार को की गई आधिकारिक घोषणा में कहा गया कि एनपीसी में

प्रतिनिधियों से संबंधित जनवादी चीन के कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत इनकी सदस्यता समाप्त की गई है। यह पहली बार नहीं है कि जब पीएलए के शीर्ष जनरल को भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त किया गया है। शी चिनफिंग के 2012 में सत्ता में आने के बाद से कई अधिकारियों को भ्रष्टाचार और सत्ता के दुसुर्योग के आरोप में हटाया गया है। आधिकारिक मीडिया के मुताबिक एक आकलन के अनुसार चिनफिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में अबतक दस लाख से अधिक अधिकारियों को दंडित किया गया है। भ्रष्टाचार रोधी अभियान की तीव्र आलोचना भी हुई है और आरोप लगा कि चिनफिंग ने पार्टी के भीतर अपने आलोचकों और प्रतिद्वंद्वियों को खामोश करने के लिए इस अभियान का उपयोग किया।



न्यूयॉर्क में टाइम्स स्क्वायर में नए साल के जश्न की तैयारियों के लिए जुटे लोग

मुझे सत्ता से हटाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का लोग चुनाव में करा रा जवाब देंगे: शेख हसीना

ढाका (भाषा)। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शनिवार को भरोसा जताया कि बांग्लादेश के लोग सात जनवरी के चुनाव में उन्हें सत्ता से हटाने के अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्रकारियों के प्रयासों का करा रा जवाब देंगे। सत्ताधारी अवामी लीग पार्टी की अध्यक्ष हसीना ने कहा कि वह चाहती हैं कि 12वें संसदीय चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। उन्होंने कहा, हम अपनी पार्टी के चुनाव चिन्ह नाव के साथ सात जनवरी के चुनाव में भाग लेंगे। वोट (नाव के लिए) डालने के लिए मतदान केंद्रों पर जल्दी जाएं और दुनिया को दिखाएं कि हम स्वतंत्र, निष्पक्ष और उदरस्थ तरीके से चुनाव करा सकते हैं। हसीना ने ढाका से

लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में तुंगीपाड़ा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, चुनाव को विफल करने के लिए तरह-तरह की साजिशें रची जा रही हैं। कई लोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शामिल हैं। वे बांग्लादेश में तीसरी पार्टी को सत्ता में लाने के लिए काम कर रहे हैं...हम सात जनवरी के चुनाव के माध्यम से साजिशों का करा रा जवाब देंगे।

हसीना के हवाले से देश की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी बांग्लादेश संबन्ध संस्था ने कहा, तीसरी पार्टी क्या कर सकती है? वे देश में कोई विकास नहीं कर सकते। अपने देखा था कि उन्होंने 2007 में क्या किया

दक्षिण अफ्रीका के तटीय प्रांत क्वाजुलु-नटाल में बाढ़ के कारण 21 लोगों की मौत

जोहानिसबर्ग (एपी)। दक्षिण अफ्रीका के तटीय प्रांत क्वाजुलु-नटाल के छोटे से शहर लेडीस्मिथ में अचानक आई बाढ़ के कारण 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता कर्नल रॉबर्ट नेटशिंगंडा ने कहा, शुक्रवार यानी 29 दिसंबर 2023 तक 21 शव बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि क्रिसमस के दिन शहर में आई बाढ़ में लगभग 1400 घर पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि अब भी दर्ज संख्या में लोग लापता हैं, ऐसे में मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई गई है। उन्होंने कहा कि अभी तक यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि लापता लोगों की कुल संख्या कितनी है। नेटशिंगंडा ने बताया कि बचाव दल नदियों से शवों को निकालने में जुटा हुआ है और यह अभियान पूरे सप्ताहांत जारी रह सकता है। लेडीस्मिथ में बाढ़ के दौरान एक वाहन नदी में बह गया, जिससे उसमें सवार एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई। स्थानीय समाचार संस्थान आईबिटेन्स न्यूज़ ने शनिवार को बताया कि बचाव दल ने विंसेंट मिंसिमांगो, उनकी पत्नी, दो बच्चों, भाई, भतीजी और भतीजे के शव बरामद कर लिए हैं। इसी साल जून में क्वाजुलु-नटाल प्रांत के डबन शहर और उसके आसपास के क्षेत्र में बाढ़ का प्रकोप देखने को मिला था, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई थी और सात अन्य लापता हो गए थे। इतना ही नहीं, पिछले साल अप्रैल में आई विनाशकारी बाढ़ में 440 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

ब्रिटिश सिख डॉ. अमृतपाल सिंह हंगिन नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित

लंदन (भाषा)। ब्रिटेन में 30 साल से अधिक समय से चिकित्सा के क्षेत्र में सक्रिय डॉ. अमृतपाल सिंह हंगिन को सम्मानक डीन और ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन (बीएमए) के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, नव वर्ष सम्मान सूची में देशभर के लोगों और उन लोगों की असाधारण उपलब्धियों को मान्यता दी गई है जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के और कष्टना के प्रति सर्वोच्च प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने कहा, आप इस देश का गौरव और हम सभी के लिए प्रेरणा हैं। सरकार के कैबिनेट कार्यालय द्वारा हर साल ब्रिटेन के सम्राट के नाम से जारी की जाने

वाली सूची में जनरल प्रैक्टिस में सेवाओं के लिए स्टेफेडेशायर जनरल प्रैक्टिस के लिए कमांडर्स ऑफ द ऑर्डर ऑफ ब्रिटिश एम्पायर (सीबीई) डॉ. चंद्र मोहन कर्नोगांती और जन स्वास्थ्य में सेवाओं के लिए इम्पीरियल कॉलेज लंदन के सीनियर विक्रिनिकल फेलो डॉ. माला राव शामिल हैं। प्रतिष्ठित सीबीई सम्मान पाने वालों में जन सेवा के लिए कारोबार व व्यापार विभाग के मुख्य वित्त अधिकारी बिदेश सरकार भी शामिल हैं। कैबिनेट कार्यालय ने बताया कि इस साल 1,200 से अधिक लोगों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया है।

यह सूची शुक्रवार रात को जारी की

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने दो सीट के लिए दाखिल इमरान के नामांकन पत्र खारिज किए

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को झटका देते हुए शनिवार को पंजाब प्रांत में नेशनल असेंबली की दो सीट के लिए दाखिल उनके नामांकन पत्र खारिज कर दिए। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव के लिए मतदान होगा। लाहौर में निर्वाचन आयोग ने बताया, पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने नेशनल असेंबली चुनाव के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक इमरान खान के नामांकन को लाहौर (एनए 122) और मियांवाली (एनए-89) से खारिज कर दिया है।



आयोग ने नामांकन खारिज करने का कारण तोशाखाना मामले में खान को दोषी ठहराया जाना और उनके नामांकन पत्र के प्रस्तावक और अनुमोदक का संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों का नहीं होना बताया है। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि खान की सजा को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने स्थगित कर दिया है, लेकिन उन्हें अयोग्य करार देने का फैसला अब भी बरकरार है। जियो न्यूज़ ने खबर दी, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (पीएमएन-एन) के मियां नसीर द्वारा उठाई गई आपत्तियों में तोशाखाना मामले में

इजराइल ने मध्य गाजा में शरणार्थी शिविरों पर हवाई हमले किए

एपी। दीर अल-बत्लाह

इजरायल के युद्ध विमानों ने शनिवार को मध्य गाजा में दो शहरी शरणार्थी शिविरों पर हमला किया। इस बीच दुनिया के संघर्ष विषय के आह्वान के बावजूद बाइडन प्रशासन ने इजराइल को एक नए आपात हथियार की बिक्री के लिए मंजूरी दे दी। इजराइल का कहना है कि वह हमला के खतमे तक अपने जबरदस्त हवाई और जमीनी हमले को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिकन ने कूटनीतिक रूप से इजराइल की रक्षा की है और हथियारों का आपूर्ति जारी रखी है। इजराइल का तर्क है कि अब युद्ध समाप्त करने का मतलब हमला की जीत होगी। दक्षिण इजराइल पर

● संघर्ष विराम की चर्चा के बीच बाइडन प्रशासन ने इजराइल को एक नए आपात हथियार की बिक्री के लिए मंजूरी दे दी

सात अक्टूबर को हमला के हमले के कारण शुरू हुए युद्ध में गाजा पट्टी में लगभग 85 प्रतिशत लोग विस्थापित हो चुके हैं। नुसीरत और ब्यूरिज के शहरी शरणार्थी शिविरों के निवासियों ने रात भर और शनिवार को इजराइली हवाई हमलों की सूचना दी। नुसीरत निवासी मुस्तफा अबू वावी ने कहा कि उनके एक रिश्तेदार के घर पर हमला हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो

गई। नुसीरत में शुक्रवार दे रात दूसरे हमले में अल-कुदस टेलीविजन चैनल के एक पत्रकार के घर को निशाना बनाया गया। चैनल ने कहा कि पत्रकार जावेद अबू हैद्रेस और उनके परिवार के छह सदस्य मारे गए। ब्यूरिज निवासी रमी अबू मोसाब ने कहा कि रात पूरे शिविर में गोलियों की आवाजें गुंजती रहीं। इस बीच अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को कहा कि विदेश मंत्री एंटीनी ब्लिंकन ने कांग्रेस को बताया कि उन्होंने प्यूज़, चार्ज और प्राइमर सहित विभिन्न उपकरणों के लिए 14.75 करोड़ डॉलर की बिक्री को मंजूरी दे दी है। विभाग ने मंजूरी दिए के कारण के रूप में इजराइल की रक्षात्मक जखतों का हवाला दिया और कहा कि यह

सुनिश्चित करना अमेरिकी राष्ट्रीय हितों के लिए महत्वपूर्ण है कि इजराइल अपने समक्ष खतरों के खिलाफ खुद को रक्षा करने में सक्षम हो सके।

यूक्रेन में हमले के बाद, रूस के बेलग्राद शहर में गोलाबारी में 14 लोगों की हुई मौत

मास्को (एपी)। रूस के सीमाई शहर बेलग्राद में शनिवार को गोलाबारी में दो बच्चों समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 108 घायल हो गए। रूस के आपात स्थिति मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। रूसी

अधिकारियों ने इस हमले के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है। बेलग्राद में हुए हमले से एक दिन पहले यूक्रेन पर 18 घंटे तक रूसी हमले किए गए थे, जिसमें 39 नागरिकों की मौत हो गई थी। सोशल मीडिया पर जारी बेलग्राद की तस्वीरों में जलती कारों और क्षतिग्रस्त इमारतों से निकलते काले धुआं का गुबार देखा जा सकता है। इस बीच हवाई हमलों का सायत भी सुनाई दिया। यह हमला शहर के मध्य में एक सार्वजनिक आइस रिक के निकट हुआ। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने हमले में इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद की पहचान चेक (गणराज्य)-निर्मित वैम्यार रॉकेट और ओलखा क्लस्टर गोला-बारूद के

रूप में की गई है। मंत्रालय ने इसके अतिरिक्त कोई जानकारी नहीं दी है। एसोसिएटेड प्रेस इन दावों की पुष्टि नहीं करता है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, यह अपराध बख्शा नहीं जाएगा। क्रैमलिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को स्थिति के बारे में जानकारी दी गई है और देश के स्वास्थ्य मंत्री, मिखाइल मुराशको को मास्को से बेलग्राद की यात्रा करने वाले चिकित्साकर्मियों और बचावकर्मियों के एक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने का आदेश दिया गया। इससे पहले शनिवार को रूस के अधिकारियों ने देश के मास्को, ब्रेयांसक, ओरिओल (गणराज्य)-निर्मित वैम्यार रॉकेट और ओलखा क्लस्टर गोला-बारूद के

अमेरिका में भारतीय मूल के दंपति और उनकी बेटी मृत पाए गए

न्यूयॉर्क (भाषा)। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में भारतीय मूल का एक दंपति और उनकी किशोरी बेटी अपने आलीशान घर में मृत पाए गए हैं। यह मामला प्रत्यक्ष तौर पर घरेलू हिंसा से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नौरफॉक जिले के अर्टोर्नी (डीए) माइकल मॉरिससे ने बृहस्पतिवार को बताया कि राकेश कमल (57), उनकी पत्नी टीना (54) और उनकी बेटी एरियाना (18) के शव शाम लगभग साढ़े सात बजे डोवर स्थित उनके आवास में पाए गए। मैसाचुसेट्स की रिपोर्ट में

भारतीय मूल के दंपति और उनकी बेटी मृत पाए गए

बोस्टन शहर से डोवर लगभग 32 किलोमीटर दूर दक्षिण पश्चिम में है। टीना और उनके पति पहले एडुनोवा नाम की शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी कंपनी चलाते थे जो बाद में बंद हो गई थी। जिले के अर्टोर्नी ने घटना को घरेलू हिंसा कारण दिया और कहा कि कमल के शव के पास एक बंदूक मिली। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक खबर के अनुसार, उन्होंने यह बताने से इंकार कर दिया कि क्या परिवार के तीनों सदस्यों की गोली मारकर हत्या की गई थी और इसे किसने अंजाम दिया। मॉरिससे ने कहा कि यह घटना हत्या

है या आत्महत्या इस पर कुछ कहने से पहले वह चिकित्सकीय जांच ने नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। जांच के परिणाम जल्द आने की उम्मीद है। दंपति हाल के वर्षों में वित्तीय समस्याओं का सामना कर रहा था। उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और हमारी संवेदना पूरे कमल परिवार के साथ है। दस्तावेजों के अनुसार दंपति की कंपनी वर्ष 2016 में शुरू हुई थी लेकिन दिसंबर 2021 में यह बंद हो गई। टीना कमल को एडुनोवा की वेबसाइट पर कंपनी का मुख्य परिचालन अधिकारी बनाया गया है।

कनाडा में रिश्तेदार की हत्या के आरोप में सिख महिला गिरफ्तार

ओटावा(भाषा)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में भारतीय मूल की सिख महिला को अपनी महिला रिश्तेदार की मौत के मामले में हत्या का आरोपी बनाया गया है। मीडिया की एक खबर में यह जानाकारी दी गई। सीटीवी न्यूज़ वेक्चर की खबर के अनुसार, ब्रिटिश कोलंबिया की डेल्टा कउंटी में पुलिस को 18 दिसंबर को एक महिला का शव मिला था, जिसके एक दिन बाद प्रीति टीना कोर पतंसर को गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले सप्ताह को इस खबर में डेल्टा पुलिस विभाग के हवाले से कहा गया है, प्रीति टीना कोर को हत्या के मामले में आरोपी बनाया गया है।

अमेरिका में वीजा धोखाधड़ी के आरोप में भारतीय मूल के दो लोग गिरफ्तार

न्यूयॉर्क (भाषा)। अमेरिका में वीजा धोखाधड़ी से जुड़े आरोप में भारतीय मूल के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने पूरे अमेरिका में कथित तौर पर सशस्त्र डकैती करने का दिखावा किया ताकि पीड़ित आव्रजन लाभ के लिए आवेदन कर सकें। उन्होंने बताया कि यदि आरोप साबित हो जाते हैं, तो दोनों आरोपियों को पांच साल तक की जेल, तीन साल निगमनी में रिहाई और 2,50,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना हो सकता है। मैसाचुसेट्स जिले के अमेरिकी अर्टोर्नी कार्यालय की ओर से शुक्रवार दे रात जारी एक प्रेस विज्ञापन में कहा गया है कि रामभाई पटेल (36) और बलविंदर सिंह (39) पर वीजा धोखाधड़ी की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है और इन दोनों को 13 दिसंबर को क्रमशः न्यूयॉर्क के सिएटल और ब्रीस से गिरफ्तार किया गया था। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार मार्च 2023 से पटेल और सिंह तथा उनके साथ साजिश में शामिल अन्य लोगों ने अमेरिका के मैसाचुसेट्स समेत अन्य हिस्सों में शराब की कम से कम आठ टुकानों और फ़स्त फूड रेस्तरां में फर्जी सशस्त्र डकैतियों की साजिश रची और इन्हें अंजाम दिया। यह आरोप लगाया गया है कि डकैतियों का दिखावा करने का उद्देश्य यह साबित करना था कि पीड़ित हिंसक अपराध के शिकार हैं ताकि वे यू गैर-आव्रजन (यू वीजा) के लिए एक आवेदन कर सकें।

प्राचीन हाथी के असामान्य निशानों से जीवाश्म विशेषज्ञ हैरान

द कन्वर्सेशन। गब्रेह्ला (दक्षिण अफ्रीका)

पिछले 15 वर्षों में, चिन्हों और निशानों के हमारे वैज्ञानिक अध्ययन के माध्यम से, हमने दक्षिण अफ्रीका के केप दक्षिण तट से 350 से अधिक जीवाश्म कशेरुकी ट्रेकसाइट्स की पहचान की है। अधिकांश सीमेंटेड रेत के टीलों में पाए जाते हैं, जिन्हें एओलियनाइट्स कहा जाता है, और सभी प्लेस्टोसिन युग के हैं, जिनकी उम्र लगभग 35,000 से 400,000 वर्ष तक है। उस दौरान हमने अपने पहचान कौशल को निखारा है और ट्रेकसाइट्स को खोजने और उनकी व्याख्या करने के आदी हो गए हैं – एक क्षेत्र जिसे इन्चोलॉजी कहा जाता है। और फिर भी, कभी-कभी, हमारा सामना किसी ऐसी चीज से होता है जिसके बारे में हमें तुरंत पता चलता है कि यह इतना अनोखा है कि यह पृथ्वी पर कहीं और नहीं पाया गया है। अत्युत्पन्न खोज का ऐसा क्षण 2019 में केप टाउन से लगभग 200

किमी पूर्व में डी हूप नेचर रिजर्व के समुद्र तट पर हुआ। जीवाश्म हाथियों के ट्रेक के समूह से दो मोटर से भी कम दूरी पर 57 सेमी व्यास वाली एक गोल संरचना थी, जिसमें संकेंद्रित वलय विशेषताएं थीं। इस सतह से लगभग 7 सेमी नीचे एक और परत उजागर हुई। इसमें कम से कम 14 समानांतर खांचे थे। खांचे छल्लों के पास पहुंचकर उनकी ओर थोड़ा सा मुड़ गए थे। इस संरचना को देखकर हमने जिन दो निष्कर्षों की परिकल्पना की थी, वे एक-दूसरे से जुड़े हुए थे और एक ही मूल के प्रतीत होते थे। हाथी जमीन पर रहने वाले सबसे बड़े, भारी जानवर हैं। वे बड़े, गहरे, आसानी से पहचाने जाने योग्य निशान छोड़ते हैं। हमने अपने अध्ययन क्षेत्र में 35 जीवाश्म हाथी ट्रेक साइटों का दस्तावेजीकरण किया है, साथ ही जीवाश्म हाथी ट्रेक-डैंग इंफ्रेशन का पहला सबूत भी प्राप्त किया है। हाथियों को, निशाल भूमि प्राणियों के एक अन्य समूह, डायनासोर की तरह,

भूवैज्ञानिक इंजीनियरों के रूप में देखा जा सकता है, जो जिस जमीन पर चलते हैं, उस पर छोटे-मोटे पृथ्वी-चालित बल बनाते हैं। इसे हाथियों की एक उल्लेखनीय क्षमता से भी जोड़ा जा सकता है: भूकंपीय तरंगें उत्पन्न करके संचार करना। ए ऊर्जा का एक रूप है जो पृथ्वी की सतह के नीचे यात्रा कर सकता है। 2019 में हमें जो निशान मिले, वह ऐसी ही एक घटना को प्रतिबिंबित करते प्रतीत हुए: एक हाथी जो लहरों को ट्रिगर कर रहा था जो बाहर की ओर तरंगित हो रही थी। अतिरिक्त जांच और वैकल्पिक स्पष्टीकरणों की गहन खोज के बाद, हम हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में रिपोर्ट कर सकते हैं कि हमारा मानना ​​है कि हमें हाथियों के बीच भूकंपीय, भूमिगत संचार का दुनिया का पहला जीवाश्म निशान मिला है।

हाथी भूकंपीयता
1980 के दशक के बाद से, साहित्य के एक निरंतर बढ़ते समूह ने

मैं मदद देते हैं। हाथी-डायनासोर सादृश्य को जारी रखते हुए, हमने डायनासोर के निशानों पर ढेर सारे प्रकाशनों पर विचार किया। हम केवल एक ही उदाहरण से अवगत हैं जो कोरिया से ट्रेक के भीतर संभावित संकेंद्रित वलय प्रदर्शित करता है, और ऐसा कोई भी उदाहरण नहीं है जिसमें समानांतर खांचे शामिल हों। यह हाथियों के बारे में कुछ अनोखा सुझाव देता है जो रस्तों के नीचे संकेंद्रित छल्ले उत्पन्न करता है और संबंधित खांचे की विशेषताओं की ओर ले जाता है। हाथी को गड़गाड़ाह एक प्रशंसनीय व्याख्या प्रदान करती है। डी हूप नेचर रिजर्व में हमारे परिदृश्य में, हम मानते हैं कि गड़गाड़ाहट से होने वाले कंपन हाथी के अंग तक पहुंचे और संकेंद्रित वलय विशेषताओं का निर्माण किया। वे कुछ ऐसे पैटर्न की याद दिलाते हैं जो किसी कंपन वाली सतह पर रेत छिड़कने पर स्पष्ट हो जाते हैं। जिस सतह पर संकेंद्रित वलय दिखाई देते हैं वह उस

समय टीले की सतह के ठीक नीचे ही होगी। समानांतर खांचे तब उपसतह संचार के एक ट्रेस जीवाश्म हस्ताक्षर का प्रतिनिधित्व करेंगे। हम अभी तक निश्चित नहीं हैं कि ट्रेस जीवाश्म कितना पुराना है। हमने परीक्षण के लिए नमूने भेज दिए हैं।

रॉक कला में गड़गाड़ाहट
वैज्ञानिकों के लिए हाथी की भूकंपीयता अध्ययन का एक अपेक्षाकृत नया क्षेत्र है। हालाँकि, जो लोग हाथियों के करीब रह चुके हैं उन्हें जानवरों के कंपन के माध्यम से संचार करने के विचार पर आश्चर्य नहीं होगा। वास्तव में, हाथियों की गड़गाड़ाहट से होने वाले कंपन को भी-कभी चतुर पर्यवेक्षक द्वारा महसूस किया जा सकता है (सुनने के बजाय)। और ऐसा प्रतीत होता है कि यह ज्ञान एकदम नया नहीं है। हमारी टीम के रॉक कला विशेषज्ञों ने रॉक कला की पहचान की है और उसकी व्याख्या की है, जिससे पता चलता है कि हजारों साल पहले स्वदेशी सैन

मेंक्सिको में बंदूकधारियों ने की छह लोगों की हत्या, 26 अन्य घायल

मेंक्सिको सिटी(एपी)। उत्तरी मेंक्सिको में शुक्रवार तड़के तीन बंदूकधारियों ने एक पार्टी में घुस कर गोलीबारी की जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो की उम्र 18 साल से कम है और घायलों में पांच बच्चे शामिल हैं। स्थानीय अस्पतालों में भर्ती घायलों में से चार की हालत गंभीर बताई गई है, जबकि 13 अन्य को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। सोमावर्ती राज्य सोनोरा में अधिभोजकों ने कहा कि यह हमला स्टूदर ओब्रेगॉन शहर में एक पार्टी के दौरान किया गया जहां एक गिरोह के सदस्य के होने का अंदेश था। माना जा रहा है कि हमला तीन बंदूकधारियों ने किया लेकिन उनका चौथा सहयोगी पार्टी में मौजूद था। हमले के दौरान गिरोह के वांछित सदस्य ने भागने का प्रयास किया लेकिन वह मारा गया। हमले के बाद बंदूकधारी फरार हो गए।

रोहित और जडेजा ने जमकर बहाया पसीना

● नेट अभ्यास में रोहित का प्रेक्क्स मुकेश कुमार पर

भाषा। संचुरियन

पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम के लिए सुपरसपोर्ट पार्क पर शनिवार को अभ्यास सत्र वैकल्पिक था लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने जमकर पसीना बहाया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैमरून स्बाडा ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में रोहित को आउट किया था। यहां दो घंटे तक हुए अभ्यास सत्र में रोहित ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज भाग लिया। रोहित का फोकस तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की गेंदों का सामना करने पर था जिन्होंने 45 मिनट तक सिर्फ भारतीय कप्तान को गेंदबाजी की। फिट होकर लौटे रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने भी उसी नेट में अभ्यास किया। थ्रोइंगन विशेषज्ञ दयानंद गयानी ने भी रोहित को आफ स्ट्रोक पर गेंद डाली। अभ्यास के दौरान रोहित ने मुकेश से कहा, 'हवा में अंदर आ रहा है पर कोशिश कर एंगल से अंदर लाने का। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने जब



उन्से पूछा, 'तू इस नेट पे आणा तो उन्होंने कहा, 'नहीं यही पर और दस मिनट बल्लेबाजी करूंगा। रोहित ने मुकेश को अतिरिक्त समय दिया और

नेट पर बल्लेबाजी करते हुए शार्दूल ठाकुर के कंधे में चोट लगी

संचुरियन। भारतीय टीम को शनिवार को झटका लगा जब गेंदबाज आल राउंडर शार्दूल ठाकुर को नेट पर बल्लेबाजी करते हुए कंधे में चोट लग गई। ऐसी संभावना है कि वह तीन जनवरी से केपटाउन में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे लेकिन उनकी चोट की गंभीरता स्पैन से पता चल पाएगी, अगर इसकी जरूरत पड़ेगी। इस समय यह पुष्टि नहीं हो सकी कि उनकी चोट के लिए स्पैन की जरूरत है या नहीं। लेकिन ठाकुर को काफी पेशानी हो रही थी और वह नेट सत्र के दौरान गेंदबाजी भी नहीं कर सके। ठाकुर थ्रोइंगन नेट में सबसे पहले पहुंचने वाले खिलाड़ी थे और जब वह क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप से थ्रोइंगन से गेंद का सामना कर रहे थे तो उनके बाएं कंधे में गेंद लग गई। यह नेट सत्र शुरू होने के 15 मिनट के बाद हुआ। ठाकुर शॉर्ट गेंद का बचाव नहीं कर सके जैसा वह पहले टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान हुआ था। वह गेंद लगते ही दर्द से चिल्ला उठे। लेकिन मुंबई के इस आल राउंडर ने नेट पर बल्लेबाजी जारी रखी। बल्लेबाजी खत्म करने के बाद फिजियो ने उनके कंधे के चारों ओर आइस पैक लगाया और उन्होंने फिर नेट में कोई अभ्यास नहीं किया। यह हल्की चोट हो सकती है लेकिन यह देखना होगा कि चोट कितनी जल्दी ठीक होती है। ठाकुर ने पहले टेस्ट में महज 19 ओवर में 100 से ज्यादा रन दिए थे और वह बल्लेबाजी में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

टीम के इस प्रदर्शन के सूत्रधारों में रहे हैं। पहले टेस्ट में नाकाम रहे तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को फिर मौका मिलता है तो यह हैरानी की बात होगी। प्रसिद्ध ने नेट पर किसी

कोएल्टी भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर

संचुरियन। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज पेट के निचले हिस्से में दर्द के कारण केपटाउन में तीन जनवरी से भारत के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल सकेगे। 23 वर्ष के इस गेंदबाज को पहले टेस्ट के दौरान दर्द उठा और बढ़ता गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एकस पर लिखा, 'तेज गेंदबाज गोराल्ड कोएल्टी भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट नहीं खेल सकेगे। पहले टेस्ट के दौरान उनके पेट के निचले हिस्से में दर्द उठा था। कोएल्टी दूसरी पारी में पांच ओवर ही डाल सके जिसमें उन्होंने 28 रन दिए। भारत को पहले मैच में एक पारी और 32 रन से पराजय झेलनी पड़ी थी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने उनके विकल्प की घोषणा नहीं की है। उनकी जगह लुंगी एंजिनाडिया विवान मूल्डर को उतारा जा सकता है।

काफी समय गेंदबाजी और बल्लेबाजी की और वह पूरी तरह फिट दिखे। उन्होंने अश्विन के साथ करीब 45 मिनट गेंदबाजी की। बल्लेबाजी के दौरान शार्दूल ठाकुर को बाएं कंधे में चोट लगी जब वह फील्डिंग कोच टी दिलीप के थ्रोइंगन का सामना कर रहे थे। अभ्यास के बाद वह आइस पैक लगाकर बैठे दिखे।

पेले के पहली बरसी पर ब्राजील ने दी श्रद्धांजलि, क्राइस्ट द रीडीमर ने पहनी उनकी जर्सी

भाषा। रियो दि जिनेरियो



ब्राजील के फुटबालप्रेमियों ने पेले को उनकी पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी और इस मौके पर दक्षिण अमेरिका के इस देश को सबसे प्रसिद्ध प्रतिभा क्राइस्ट द रीडीमर ने पेले की जर्सी नंबर दस पहनी। फुटबॉल के जादूगर कहे जाने वाले पेले ने पिछले साल कोलोन कैंसर के कारण 82 वर्ष की उम्र में दम तोड़ दिया था। पोप फ्रांसिस ने उनकी पुण्यतिथि पर एक पत्र में कहा, 'पेले उर्फ एडसन अनंतसे दो नासिमंतो ने पूरी जिंदगी एक खिलाड़ी के सकारात्मक गुणों के जरिए दुनिया भर में शोहरत पाई। फुटबॉल के इस बराबरश की स्मृति हमेशा हमारे जेहन में रहेगी और आने वाली पीढ़ी इसके जरिए खेल को हमारे बीच एकता मजबूत करने

का माध्यम बनाएगी। पेले के क्लब सांतोस एफसी के शहर सांतोस और उनके जन्म स्थान ट्रेस काराकास में भी समारोह आयोजित किए गए। फीफा ने भी पेले के कैरियर की झलकियां वाले वीडियो के साथ संदेश दिया, 'पेले की विरासत को हमारे बीच एकता मजबूत करने

एआईटीए के डेविस कप के लिए पाकिस्तान दौरे के मंजूरी मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली-कच्छी। भारतीय टीम को आगामी डेविस कप टैनिस् मुकबले के लिए पाकिस्तान जाने की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। अखिल भारतीय टैनिस् संघ (एआईटीए) ने शनिवार को यह जानकारी दी। एआईटीए ने हाल ही में खेल मंत्रालय से सलाह मांगी थी कि क्या वे तीन बार फरवरी के पाकिस्तान में होने वाले विश्व गुप वन लैआफ के लिए टीम भेज सकते हैं। एआईटीए महासचिव अनिल पूर ने पीटीआई से कहा, 'हमें अभी तक लिखित में मंजूरी नहीं मिली है लेकिन जल्दी ही मिल जाएगी। हमें बताया गया है कि चूंकि यह द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं है और आईटीए इसका आयोजन कर रहा है तो सरकार ऐसे टूर्नामेंटों में दखल नहीं देती। उन्होंने कहा, 'इसकी प्रक्रिया है। खेल मंत्रालय ने विदेश और गृह मंत्रालय को अनुरोध भेज दिया है और उनकी राय के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। हमें जल्दी ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। हम मुकबले और यात्रा की तैयारी कर रहे हैं।

डेविस कप के लिए खिलाड़ियों के आगमन को लेकर एआईटीए से पुष्टि व इंतजार : पीटीएफ

कच्छी। पाकिस्तान टैनिस् महासंघ (पीटीएफ) ने शनिवार को कहा कि इस्लामाबाद में होने वाले डेविस कप मुकबले में अखिल भारतीय टैनिस् संघ (एआईटीए) के खिलाड़ियों और अधिकारियों की भागीदारी को लेकर उसे अंतिम पुष्टि व इंतजार है। विश्व गुप वन लैआफ मुकबले तीन और बार फरवरी को इस्लामाबाद में होने है। पीटीएफ अध्यक्ष सलीम सैफुल्लाह ने कहा, 'एआईटीए ने हमें तीन खिलाड़ियों और सात खिलाड़ियों की सूची भेजी है। हमें उनके आने की अंतिम पुष्टि व इंतजार है। उन्होंने कहा, 'एआईटीए ने कहा है कि उनकी सरकार से पाकिस्तान यात्रा की मंजूरी मिलने के बाद ही वे पुष्टि करेंगे। उन्होंने बताया कि सूची में एआईटीए अध्यक्ष अनिल जैन और सचिव अनिल पूर के भी नाम हैं। एआईटीए ने 26 दिसंबर को खबर दी थी कि एआईटीए ने टीम के पाकिस्तान दौरे के लिए खेल मंत्रालय से सलाह मांगी है। सैफुल्लाह ने कहा कि एआईटीए को अपनी टीम के आगमन की अंतिम पुष्टि के लिए समग्र टीम ही गई है और अगर वे नहीं आते हैं तो अंतरराष्ट्रीय टैनिस् महासंघ मेजबान को पूरे अंक देकर पर विचार कर सकता है। भारतीय डेविस कप टीम आखिरी बार 1964 में पाकिस्तान गई थी जब लाहौर में हुआ मुकबला भारत ने 4-0 से जीता था।

समद एशियाई कप के लिए टीम में, पर जैक्सन और मार्टिन्स चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। मुख्य मिडफील्डर की चोटों से जुड़ रहे भारत ने शनिवार को एफएसी एशियाई कप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें सरल अर्जुल समद जगह बनाने में सफल रहे लेकिन जैक्सन सिंह और ग्लान मार्टिन्स को पिछले संसंधित मुद्दों के कारण बाहर रखा गया। शीर्ष मिडफील्डर जैक्सन को नवंबर में चोट लगी थी और उनका चुनाव जाना संदिग्ध था। मोहन बागान के मार्टिन्स भी हाल ही में चोटिल हो गए थे। हालांकि ए दोनो 50 संभावित खिलाड़ियों में शामिल थे। इस महीने के शुरू में चोटिल हुए समद हालांकि टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे जिसका नेतृत्व अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री करेंगे। भारतीय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच इगोर रिटनको ने टीम की घोषणा की। भारतीय टीम शनिवार को दोष पहुंचे जागी और एशियाई कप में पावती दफ्त हिस्सा लेगी। भारत अपना पहला गुप बी मी 13 जनवरी को अल रयान के अहमद अली स्टैडियम में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा और 18 जनवरी को इसी स्थान पर उजबेकिस्तान से भिड़ेगा। फिट रिटनको की टीम 23 जनवरी को अल रयान के अल बेट स्टैडियम में सीरिया से भिड़ेगी। सभी खिलाड़ी फुटबॉल स्टाफ के मामले में समान हैं। इस एक टीम है, एफएशियाई बी। लेकिन अगर जगह नहीं है, तो मोहन बागान ने सीरिया और कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता। भारतीय टीम (ब्लू टाइटान) के लिए कप्तान को खेलेना कुछ नया नहीं है। टीम 2022 प्रीम विश्व कप खलीफाघर के दौर में चोट लगी थी जिसने दो मुकबले मेजबान टीम के खिलाफ थे। वहीं छेत्री और गुपटीट सिंह समूह कप्तान को आयोजित किए गए 2011 एफएसी एशियाई कप में खेलने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

यू मुग्बा ने तेलुगु टाइटन्स को 54-32 से हराया

नोएडा। यू मुग्बा ने शनिवार को यश प्रो कबड्डी लीग (पीएलए) में निपले पायदान पर चल रही तेलुगु टाइटन्स को 54-32 से हराकर लगातार चौथी जीत हासिल की। गुगान सिंह (10 रेंड व्वाइंड), रिफू (आठ टैक्स व्वाइंड) और सोमबीर (आठ टैक्स व्वाइंड) ने यू मुग्बा के लिए शाब्दिक प्रदर्शन किया। यह यू मुग्बा की सत्र की सबसे बड़ी जीत है जिससे वह लीग तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

स्नेह के लिए कनकेशन स्थानापन्न खिलाड़ी होगी हरलीन देओल

मुंबई। हरलीन देओल को शनिवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे की दूसरी पारी के दौरान भारतीय महिला स्थान रणेश राणा के लिए कनकेशन स्थानापन्न खिलाड़ी बनाया गया। पहली पारी के 25वें ओवर से बैकवर्ड व्वाइंट पर क्षेत्ररक्षण करते हुए राणा और पूजा कनकेशन की गेंद टाकरे गई थी जब दोनो आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेध गली का पैर लाकने की कोशिश कर रही थी। टाकरे के बाद दोनो दर्द से चला रही थीं। टाकरे जल्द ही खड़ी हो गई लेकिन राणा लंबे समय तक नोएन पर ही पड़ी रहीं। इसके बाद अपने सिर पर आइस पैक लगाकर नैदान से मिलीं। भारतीय मिस्ट्रेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में कहा, 'स्नेह राणा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए हुई टाकरे के बाद सिर में दर्द की शिकायत की थी।

थिएम के मैच के दौरान आया जहरीला सांप, हारने से बचे

बिस्बेन (आस्ट्रेलिया)। पूर्व अमेरिकी ओपन चैम्पियन डोमिनिक थिएम शनिवार को बिस्बेन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल मैच के दौरान आस्ट्रेलिया के सबसे खतरनाक सांप के कोर्ट पर आने से खेल रोकने के बाद जीत दर्ज करने में सफल रहे। थिएम पहले दौर के क्वार्टरफाइनल मैच के दौरान 20 साल के आस्ट्रेलियाई जेक्स मैकक्रबे से एक स्ट्रेट से पिछड़ रहे थे तभी दर्द को ने कोर्ट के करीब एक सांप को देखा। सुस्थाकामी तेजी से कोर्ट के पास पहुंचे और अगाधर को खेल रोकना पड़ गया। कोर्ट पर घेरा रहा था जिससे खिलाड़ी और दर्शक मरणाति थे। गुने जानकर पसंद है। लेकिन उन्होंने क्या किया बहुत ही जल्दबाजी साप था और यह बॉल विस्ड के करीब था इसलिए यह काफी खतरनाक स्थिति थी। ऐसा नभे साथ कमी नहीं हुआ और भी इसे कमी नहीं भूल जाएगा। यह साप 50 सेटीमीटर लंबा था और आस्ट्रेलिया के सबसे जहरीले साप में से एक है। उसे जल्द ही वहां से हटा लिया गया जिसके बाद ही खेल शुरू हो पाया। फिट थिएम ने तीन गैम व्वाइंट व्वाइटर दूसरे टेस्ट टाइमिंग में जीतकर बराबरी हासिल की।

टेस्ट में ग्रीन से क्या सकते हैं पारी का आगाज : आस्ट्रेलियाई कोच

मेलबर्न। डेविड वॉर्नर ने गले ही उनके बाद टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत के लिए मार्क्स हेरिस का नाम लिया थे लेकिन आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच डैड्यू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि वे अधिक विकल्प पर विचार कर रहे हैं और कैमरून गीन भी दौड़ने हैं। वॉर्नर पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में तीन जनवरी से होने वाले तीसरे टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत के लिए वॉर्नर के बाद कई नामों पर विचार कर रहा है। हेरिस, गीन, मैट जेनर्स और कैमरून बेनगॉरेंट के नाम दौड़ने हैं। डेविड पयनकोव नहीं है। पिछली बार उसने मैट जेनर्स का नाम लिया था और शायद अगला नाम कैम बेनगॉरेंट और फिर कैमरून गीन का होगा। उन्होंने ईस्टवैशियन क्रिकेटर्स से कहा, 'लेकिन यह अच्छी बात है कि वह किसी सागी खिलाड़ी का यू समर्थन कर रहे हैं। उनसे उम्मीद सदा पूरी नहीं है और हमें स्पष्ट है कि उसने राट दी। आस्ट्रेलिया को अब वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलना है और कोच ने कहा कि उससे पहले फैसला ले लिया जाएगा। मैकडोनाल्ड ने यह भी कहा कि यूरॉप में आईएलटी 20 खेलने के लिए वॉर्नर फरवरी के अखिर में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 नहीं खेलेंगे।

घोष और दीप्ति के प्रदर्शन के बावजूद हारा भारत

● आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने श्रृंखला जीती

भाषा। मुंबई

ऋचा घोष की करियर की सर्वश्रेष्ठ 96 रन की पारी और दीप्ति शर्मा का 38 रन देकर पांच विकेट का शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन भारत के काम नहीं आ सका जिससे आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने शनिवार को यहां दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में तीन रन की जीत से तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। जीत के लिए 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए घोष ने 113 गेंद में 13 चौके से 96 रन की पारी खेली लेकिन मेजबान टीम अंतिम ओवर में लड्डुचंडा गई और उसे घरेलू मैदान पर आस्ट्रेलिया से लगातार नौवीं हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम निर्धाति 50 ओवर में भारत विकेट पर 255 रन ही बना



सकी। दीप्ति 36 गेंद में एक चौके से 24 रन और दूसरे छोर पर श्रेयांका पाटिल पांच रन बनाकर नाबाद रहीं। घोष के अलावा भारत के लिए उप कप्तान स्मृति मंधाना ने शुरू में 38 गेंद में तीन चौके और एक छक्के से 34 रन का बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स (55 गेंद में 44 रन) और घोष ने तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाकर नौवें रवीं लेकिन

स्कोरबोर्ड	
आस्ट्रेलिया : लिप्टॉल व घोष 63, हीली 60, वरकाळ 13, पैरी व पाटिल 50, गुली पगबाबा 30, शर्मा 24, गाईडर व अरुणजोत 4, ब्राउन 02, सदरलेड व एच 30, वरकाळ 23, वरहेम व मंधाना 22, किम नाबाद 28, गार्थ नाबाद 11, अतिरिक्त : (लेग बाई 2, वाइड 10) 12, कुल : 50 ओवर में आठ विकेट पर 258 रन, विकेट पतन : 1-40, 2-117, 3-133, 4-160, 5-170, 6-180, 7-216, 8-219, गेंदबाजी : रेणुका 7-0-36-0, वरकाळ 10-0-59-1, चोर 3-0-21-0, पाटिल 10-0-43-1, राणा 10-0-59-1, शर्मा 10-0-38-5	भारत : गार्थिा पगबाबा 30, मंधाना व मैक्का 34, घोष व लिप्टॉल 50, सदरलेड 96, लैंग्लिस व लिप्टॉल 44, चोर व हीली 40, वरहेम 05, शर्मा नाबाद 24, अरुणजोत चोर 05, सदरलेड 04, वरकाळ व गाईडर 08, देओल 08, गाईडर 01, पाटिल नाबाद 05, अतिरिक्त : (बाई 1, लेग बाई 3, नोबॉल 1) 20, कुल : 50 ओवर में आठ विकेट पर 255 रन, विकेट पतन : 1-37, 2-71, 3-159, 4-171, 5-218, 6-224, 7-240, 8-243, गेंदबाजी : गाईडर 10-0-46-1, ब्राउन 7-0-37-0, गार्थ 6-0-24-1, सदरलेड 9-0-47-3, किम 7-0-43-1, मैक्का 4-0-15-0, वरहेम 7-0-39-2

जेमिमा को कवर पर कैच आउट कर तीसरे विकेट की भागीदारी तोड़ी। बाद में जब घोष अपने पहले शतक से महज चार रन दूर थीं तो लिचफील्ड ने अनाबले सदरलैड (47 रन देकर तीन विकेट) की गेंद पर कवर पर एक और शानदार कैच लपककर इस भारतीय

बल्लेबाज को यह उपलब्धि हासिल करने और भारत को जीत से महरूम कर दिया। विकेटकीपर बल्लेबाज घोष ने दो जीवनदान का भी पूरा फायदा उठाते हुए शानदार बल्लेबाजी करते हुए मैदान के चारों ओर रन बटोरें।

लगा नहीं था कि विश्व कप खेल सकूंगा : राहुल

● विश्व कप में वापसी पर बोले केएल

भाषा। नई दिल्ली

सर्जरी के बाद एक समय तीन चार सप्ताह वह अपने घेरे पर भी खड़े नहीं हो पा रहे थे और ऐसे समय में भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल के लिए इस साल वनडे विश्व कप खेलने के बारे में सोचना भी मुश्किल था लेकिन न केवल उन्होंने टूर्नामेंट में 452 रन बनाकर शानदार वापसी की बल्कि कई मैचों में मेजबान के लिए संकटमोचक भी साबित हुए। सर्जरी के बाद रिहिलिटेेशन और भारत में इस साल हुए वनडे विश्व कप में प्रदर्शन के बारे में राहुल ने स्टार स्पॉट्स की बिलीव सीरिस में कहा, 'वापसी कर दबाव तो था लेकिन मैं उस समय जीवन के सबसे खराब दौर से गुजर रहा था मानो कुछ और मायने नहीं रहता था। इसके आगे सब कुछ छोटा था लगा रहा था। सर्जरी के बाद पहले तीन चार



सप्ताह तो मैं चल भी नहीं पा रहा था। मैं वॉकर का सहारा लेकर चलने लगा तो भी मुझे लगता था कि विश्व कप नहीं खेल सकूंगा। सर्जरी मई में हुई और सर्जन ने कहा कि पांच महीने वापसी नहीं कर सकूंगा। निश्चित तौर पर सीधे विश्व कप खेलने तो नहीं जा सकता था। कुछ मैचों का अभ्यास जरूरी था लेकिन मैंने सोचा कि इसके बारे में सोचकर तनाव नहीं लेना है। जो होगा देखा जाएगा। भारतीय टीम लगातार दस मैच नहीं खेला था। भारतीय टीम फाइनल में पहुंची थी जहां आस्ट्रेलिया ने उसे छह विकेट से

बजरंग ने पेरिस ओलंपिक के महानजर खेल मंत्रालय से कुश्ती गतिविधियां शुरू करने का अनुरोध किया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया ने शनिवार को खेल मंत्रालय से अनुरोध किया कि देश में कुश्ती गतिविधियां फिर शुरू कराई जाए क्योंकि पेरिस ओलंपिक में सात महीने ही रह गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ओलंपिक की तैयारियों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के प्रदर्शन के बाद से देश में पिछले कई महीने से कुश्ती ठप पड़ी है। डब्ल्यूएफआई के नए प्रेसिडेंट्स के चुनाव के बाद भी विवाद खत्म नहीं हुआ क्योंकि खेल मंत्रालय ने संजय शर्मा की अध्यक्षता वाली पैनल को निर्वाचित कर दिया जिसने राष्ट्रीय अंडर 15 और अंडर 20 चैंपियनशिप का ऐलान करके अपने ही संबंधित कटौत किया था। बजरंग ने एकस पर लिखा, 'पिछले कई महीने से कुश्ती गतिविधियां बंद पड़ी हैं। कोई राष्ट्रीय चैंपियनशिप या शिविर भी आयोजित नहीं किया गया। संजय सिंह के अध्यक्ष बनने पर अपना पदमंथरी सम्मान लीजने वाले बजरंग ने कहा, 'सात महीने बाद ओलंपिक है लेकिन कोई गंभीरता से नहीं ले रहा।



इंडिया ओपन : घरेलू शटलरों के लिए मुश्किल ड्रा

भाषा। नई दिल्ली

एच एस प्रणय और लक्ष्य सेन सहित भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को अगले महीने होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में मुश्किल ड्रा मिला है जिसमें वे घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगे। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ अंतिम पड़ाव में है और भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी 16 से 21 जनवरी तक इंडिया गांधी स्टेडियम में होने वाले योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन से महत्वपूर्ण अंक जुटाने की कोशिश करेंगे। एशियाड स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेटी तथा कांस्य पदक विजेता प्रणय विश्व रैंकिंग में अपना स्थान मजबूत करने की कोशिश करेंगे जबकि किदांब्नी श्रीकांत, सेन और प्रियांशु राजवत ओलंपिक में दूसरे भारतीय स्थान के लिए प्रयास करेंगे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के



अनुसार दो भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी ओलंपिक में भाग ले सकते हैं, अगर दोनों ही 30 अप्रैल तक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया के अंत में शीर्ष 16 रैंकिंग में शामिल रहेंगे। पहले दौर में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सेन और राजवत एक दूसरे के सामने होंगे जबकि आठवें वरीय प्रणय का सामना चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चैन से होगा। अगर प्रणय जीत जाते हैं तो वह सेन और राजवत के बीच मैच के विजेता से भिड़ेंगे। पूर्व चैंपियन श्रीकांत अभी रस टू पेरिस रैंकिंग में 24वें स्थान पर हैं, वह पहले दौर में

किटियांरकुल की जोड़ी से होगी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बाएं घुटने की चोट से उबर रही हैं इसलिए वह टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगी। उन्हें यह चोट अक्टूबर में फ्रेंच ओपन के दौरान लगी थी जिससे वह फरवरी तक बाहर रह सकती हैं। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) महासचिव संजय मिश्रा ने विज्ञप्ति में कहा, ओलंपिक में जगह बनाने वाले सभी उम्मीदवारों के पास घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर महत्वपूर्ण अंक जुटाने के साथ खिताब जीतने का अच्छा मौका है। अन्य हाई प्रोफाइल मुकामलों में गत महिला एकल चैंपियन एन सि यंग का सामना थाईलैंड की तीन बार की चैंपियन रत्तचानोक इंतानोन से होगा जबकि स्पेन की कैरोलिना मारिन जापान की नोजोमी ओकुहारा के सामने होंगी। पुरुष एकल में पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यिउतीसरे वरीय और मौजूदा आल इंग्लैंड चैंपियन लि शि फेंग से भिड़ेंगे।

ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होगी सविता

भाषा। बंगलूरु

अनुभवी गोलकीपर सविता पुनिया 13 से 19 जनवरी तक रंची में होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर में भारत की 18 सदस्यी महिला हॉकी टीम की कप्तान होंगी जबकि वंदना कटािया उपकप्तान रहेंगी। टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमों पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शांपैन ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'पेरिस ओलंपिक के हमारे सफर में एकआईएच ओलंपिक क्वालीफायर महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। हमें अपेक्षाओं पर खरे उतरकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है। उन्होंने कहा,



अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनीं। भारत को पून बी में न्यूजीलैंड, इटली और अमेरिका के साथ रखा गया है जबकि जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य यूए ए में हैं। भारत 13 जनवरी को अमेरिका से पहला मैच खेलेगा। इसके बाद 14 जनवरी को न्यूजीलैंड और 16 जनवरी को इटली से खेलना है। टीम : गोलकीपर : सविता पुनिया (कप्तान), विबू देवी खारिबाम, डिबेंद्र : निष्का प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी , मोनिका मिडफील्डर : निशा, वैष्णवी विट्टल फाल्के, नेहा, नवनीत कौर, सलीमा टेटे, सोनिका, ज्योति, ब्यूटी डुंगडुंग , फॉरवर्ड : लालरैम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटािया।